रायपुर। मंगलवार, 11 अगस्त, 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 10 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल आपके उत्साह बढ़ाने वाले शब्द कड़ी मेहनत के... @ विचार अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का... @ व्यापार उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद मामूली बढ़त के साथ...

140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधता है तिरंगा : मुख्यमंत्री

संवाददाता ■ रायपुर

हाथों में लहराता तिरंगा, भारत माता के जयघोष, देशभक्ति के गीत और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हजारों नागरिकों का उत्साह - राजधानी रायपुर पूरी तरह तिरंगे के रंग में रंगी नजर आई। बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम से सुभाष स्टेडियम तक निकली भव्य तिरंगा यात्रा में हजारों नागरिक राष्ट्रध्वज के तले एकजुट हुए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वयं हाथ में तिरंगा थामकर जनसैलाब के साथ कदम से कदम मिलाया। यात्रा में युवाओं, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, पूर्व सैनिकों और विभिन्न सामाजिक वर्गों के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा हाथों में थामा गया लगभग एक किलोमीटर लंबा तिरंगा पूरे आयोजन का विशेष आकर्षण रहा।

तिरंगा यात्रा के शुभारंभ से लेकर समापन तक राजधानी में राष्ट्रभक्ति का अद्भुत वातावरण दिखाई दिया। हजारों हाथों में एक साथ लहराते राष्ट्रीय ध्वज और भारत माता के जयघोष ने पूरे यात्रा मार्ग को राष्ट्रप्रेम की भावना से भर दिया। मुख्यमंत्री साय भी नागरिकों के बीच तिरंगा लेकर आगे बढ़े। इस दौरान नागरिकों में मुख्यमंत्री के साथ चलने और राष्ट्रध्वज के सम्मान में आयोजित इस यात्रा का हिस्सा बनने को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

एक किलोमीटर लंबे तिरंगे के साथ आगे बढ़ी नई पीढ़ी - तिरंगा यात्रा में स्कूली छात्र-छात्राओं का उत्साह विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। विद्यार्थियों ने लगभग एक किलोमीटर लंबे तिरंगे को अपने हाथों में थामकर अनुशासित पंक्तियों में यात्रा की। सड़क पर दूर तक फैला विशाल तिरंगा राजधानी में राष्ट्रीय एकता और गौरव की अनुपम छटा बिखेरता दिखाई दिया। यात्रा में युवाओं, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, पूर्व सैनिकों और समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

पुष्पवर्षा से स्वागत, भारत माता के जयघोष से गूंजा रायपुर - तिरंगा यात्रा को लेकर राजधानी के नागरिकों में भी विशेष उत्साह दिखाई दिया। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह लोगों ने इसका आत्मीय स्वागत किया। कई स्थानों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा में शामिल लोगों का अभिनंदन किया। लोग अपने घरों और प्रतिष्ठानों से तिरंगा लहराकर राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त करते नजर आए।

यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ी, इसके साथ नागरिकों का उत्साह भी बढ़ता गया। देशभक्ति के गीतों और 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' तथा 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' के उद्घोष से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया। युवाओं के हाथों में लहराते तिरंगे और स्कूली बच्चों के उत्साह ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।

तिरंगा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि देश स्वतंत्रता दिवस का पावन पर्व मनाने जा रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'हर घर तिरंगा' तथा 'तिरंगा यात्रा' के माध्यम से राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया है। यह उन स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रनायकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिनके त्याग और बलिदान के कारण देश को स्वतंत्रता मिली।

तिरंगा यात्रा में कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, सांसद रूप कुमारी चौधरी, विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, अनुज शर्मा, इंद्र कुमार साहू, साहू, पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, निगम-मंडल-आयोगों के अध्यक्षगण सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पूर्व सैनिक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

10 घंटे बाद विधानसभा के गेट से खदेड़े गए छात्र

देवेंद्र नाथ महतो को एंबुलेंस से ले गई पुलिस

एजेंसी ■ रांची

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ सोमवार को करीब दस घंटे तक चले विधानसभा घेराव के बाद पुलिस ने शाम सात बजे विधानसभा की चहारदीवारी के बाहर की सड़क को खाली करा दिया। पुलिस ने विधानसभा के गेट के सामने डटे छात्रों को खदेड़ने के लिए लाठी चार्ज किया। इस दौरान कई छात्र-छात्राएं सड़क पर लेट गए और हटने से इनकार किया।

पुलिस ने उन्हें वहां से हटाया और कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। विधानसभा के गेट नंबर एक के सामने नौ दिनों से अनशन कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो भी आंदोलनकारियों के साथ डटे थे। पुलिस उन्हें जबरन एंबुलेंस पर लादकर मौके से ले गई। महतो नौ दिनों की भूख हड़ताल के बावजूद सोमवार को एंबुलेंस और बाद में स्ट्रेचर के जरिए प्रदर्शन स्थल तक पहुंचे थे।

आंदोलनकारी छात्रों के एक अन्य नेता रवींद्र पासवान ने कहा कि हमारा आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। अब यह जनआंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा कि अब कोई भी बात सीधे मुख्यमंत्री से ही होगी और वे जब तक जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को रद्द करने और परीक्षाओं में गड़बड़ी की सीबीआई जांच की मांग नहीं मानते, आंदोलन जारी रहेगा। सुबह करीब नौ बजे पुराने-पुराने विधानसभा परिसर के पास जुटे छात्रों ने दिनभर कई स्तर की बैरिकेडिंग तोड़ी। शाम करीब चार बजे छात्रों ने आखिरी बैरिकेडिंग भी पार कर ली थी। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्र विधानसभा के गेट के सामने और आसपास की सड़कों पर पहुंच गए। छात्रों को रोकने के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई जगह टकराव हुआ। पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसके बाद आंसू गैस के गोले छोड़े गए और लाठीचार्ज किया गया। प्रदर्शनकारियों की ओर से पथराव की भी खबर सामने आई। इस दौरान कई छात्र और पुलिसकर्मी घायल हुए।

जेपीएससी परीक्षा गड़बड़ी : पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते गिरफ्तार

एजेंसी ■ रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित गड़बड़ी और मेधा घोटाले की जांच कर रही सीआईडी ने सोमवार दोपहर को बड़ी कार्रवाई करते हुए आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते को गिरफ्तार कर लिया। ब्लैकलिस्टेट एजेंसी टीडीपीएल को परीक्षा का ठेका देने में नियमों की अनदेखी और कथित रिश्वतखोरी की भूमिका सामने आई है।

सीआईडी के अनुसार, जांच में सामने आया है कि परीक्षा आयोजित कराने वाली आउटसोर्सिंग एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) को नियमों को दरकिनार कर काम दिया गया। इस मामले में गिरफ्तार किए गए आउटसोर्सिंग एजेंसी के मार्केटिंग मैनेजर अभय तिवारी ने जांच एजेंसी को पूछताछ में बताया गया है कि इस सौदे के एवज में खियांग्ते ने टीडीपीएल से करीब दो करोड़ रुपये की कथित रिश्वत ली और कुल सौदे का 20 प्रतिशत कमीशन लिया। सीआईडी ने इसके पहले खियांग्ते से चार अलग-अलग दौर में 30 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी। जांच में यह भी सामने आया कि टीडीपीएल को काम दिए जाने को लेकर तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक ने लिखित आपत्ति दर्ज कराई थी। उन्होंने आयोग के शीर्ष अधिकारियों को एजेंसी के

रिकॉर्ड की जानकारी दी थी। आपत्ति के अनुसार, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने टीडीपीएल को 20 मई 2025 को ब्लैकलिस्ट और डी-लिस्ट किया था। इसके बावजूद एजेंसी को खुली निविदा के बजाय नामांकन के आधार पर परीक्षा का काम दिया गया। पूछताछ के दौरान खियांग्ते ने अपने बचाव में कहा था कि एजेंसी के ब्लैकलिस्ट होने की आधिकारिक जानकारी चयन के समय आयोग को नहीं थी। उन्होंने इसे प्रशासनिक चूक बताया था। हालांकि, सीआईडी ने उनकी भूमिका को लेकर जांच आगे बढ़ाई। इससे पहले सीआईडी ने खियांग्ते के कांके रोड स्थित सरकारी आवास और जेपीएससी कार्यालय में छापेमारी की थी। इस दौरान कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए थे।

पुल-पुलियों से उपर जल स्तर बढ़ने पर आवाजाही बंद हो : कलेक्टर

विश्व केसरी■

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए जिले में मलेरिया के रोकथाम के लिए संवेदनशील एवं अंदरूनी क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। बारिश के दिनों में नदी-नालों में बने पुल-पुलियों के ऊपर जल स्तर बढ़ने पर आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री जनदर्शन पोर्टल, सीएम हेल्पलाइन, कलेक्टर जनदर्शन तथा सुशासन तिहार एवं बस्तर मुन्ने अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनों को शीघ्र निराकृत करने के लिए कहा गया है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे एवं ए.एस. पैकरा, सभी एसडीएम, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी और जनपद एवं नगरीय निकायों के अधिकारी मौजूद थे।

मलेरिया के प्रति सतर्कता जरूरी

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर क्षीरसागर ने अंदरूनी क्षेत्रों में भवन विहीन प्राथमिक शाला के लिए भवनों के निर्माण, आंगनबाड़ी, गोदाम सह उचित मूल्य दुकान इत्यादि निर्माण कार्यों के लिए वीबी जी-रामजी योजना अंतर्गत प्रस्ताव भेजने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत सीसी रोड, धरसा रोड निर्माण के लिए पात्रतानुसार कार्य स्वीकृत किए जा सकते हैं। निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवनों एवं प्रधानमंत्री आवास का निर्माण समय-सीमा में पूरा कराने के लिए अधिकारियों से कहा गया है। आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान वय वंदन कार्ड की समीक्षा भी उनके द्वारा की गई, साथ ही शासकीय प्रयोजन के लिए भू-अधिग्रहण के प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर पूरा कराने के लिए सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया गया।

कोलंबिया में महसूस हुए भूकंप के तेज झटके 7.4 तीव्रता से हिली धरती; अलर्ट जारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में सोमवार सुबह (स्थानीय समय) को जोरदार भूकंप का झटका महसूस हुआ। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने शुरू में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.4 मापी। यह झटका चोको डिपार्टमेंट में सैन जोस डेल पालमार के पास आया।

यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप का केंद्र सुबह 7:34 बजे (स्थानीय समय, मियामी टाइम सुबह 8:34 बजे) बोगोटा से लगभग 280 किलोमीटर पश्चिम में चोको डिपार्टमेंट के सैन जोस डेल पाल्मार में 107 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के झटके वेनेजुएला बॉर्डर की ओर भी महसूस किए गए।

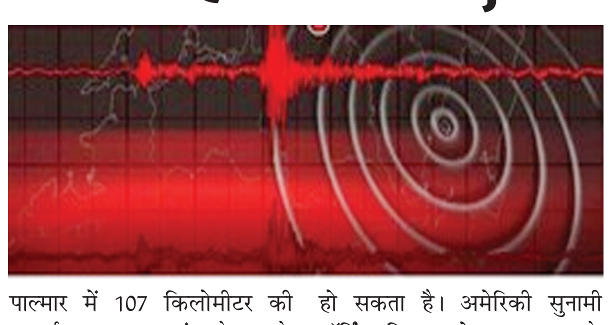

यूएसजीएस ने भूकंप की तीव्रता 7.4 बताया, लेकिन अलग-अलग एजेंसियों के बीच भूकंप की तीव्रता का अनुमान अलग-अलग हो सकता है। अमेरिकी सुनामी वॉर्निंग सिस्टम ने इस घटना के लिए 7.1 की तीव्रता बताई।

ये आंकड़े बदल सकते हैं क्योंकि सीस्मोलॉजिस्ट और सीस्मिक रिकॉर्डिंग का एनालिसिस करेंगे। शुरुआती तीव्रता के अनुमानों में अंतर का मतलब यह नहीं है कि अलग-अलग भूकंप आए; एजेंसियां अलग-अलग मॉनिटरिंग नेटवर्क और कैलकुलेशन के तरीकों का इस्तेमाल करती हैं। बोगोटा के मेयर कार्लोस गैलन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अभी किसी के घायल होने या स्ट्रक्चरल डैमेज की कोई खबर नहीं है, सिर्फ इमारतों में कुछ दरारें आई हैं।'

देश के पश्चिमी और मध्य हिस्सों में भी लोगों ने भूकंप महसूस करने की बात कही। जैसे-जैसे अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं और रिपोर्ट आने पर प्रभावित जगहों की लिस्ट बढ़ सकती है।

महिला पार्षद-अध्यक्ष परिजनों को नहीं बना सकेंगी प्रतिनिधि

रायपुर। नगरीय निकायों में भी छत्तीसगढ़ सरकार ने जारी की अधिसूचना: महिला पार्षद-अध्यक्ष अपने परिजनों को नहीं बना छत्तीसगढ़ सरकार ने नगरीय निकायों में महिलाओं की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने 6 अगस्त 2026 को जारी अधिसूचना में 'छत्तीसगढ़ नगरपालिक नियम 2022' में संशोधन किया है। नए नियम के अनुसार अब किसी भी नगरीय निकाय में निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि अपने पति, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन या किसी अन्य निकट रिश्तेदार को अपना परोक्ष प्रतिनिधि या समन्वयक नियुक्त नहीं कर सकेगी।

तीर तेवर — सागर कुमार

हर घर तिरंगा अभियान से राष्ट्रप्रेम के रंग में रंगा रहा प्रदेश

संवाददाता ■ रायपुर

राष्ट्रीय ध्वज केवल तीन रंगों का प्रतीक नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता, गौरव और राष्ट्रभक्ति की पहचान है। 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत 9 से 17 अगस्त तक अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और देश के प्रति अपने प्रेम एवं सम्मान को अभिव्यक्त करें। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत जांजगीर-चांपा जिले में 7 से 17 अगस्त 2026 तक विविध देशभक्ति एवं जनभागीदारी आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

ग्रामीणों को अपने घरों में तिरंगा फहराने और अभियान में सक्रिय सहभागिता का किया आव्हान

अभियान के अंतर्गत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में तिरंगा यात्राएं, सामूहिक गायन, जागरूकता कार्यक्रम सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इन आयोजनों के माध्यम से ग्रामीणों को अपने घरों में तिरंगा फहराने और अभियान में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। इन यात्राओं में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, सामाजिक संगठनों के सदस्यों, विद्यार्थियों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले ग्रामीणों ने राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। इस दौरान राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन भी किया गया।

विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर भी देशभक्ति कार्यक्रम

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत जिले के विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, शासकीय कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर भी राष्ट्रभक्ति से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विद्यालयों में 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन, राष्ट्रभक्ति विषयक संगोष्ठियां, जागरूकता कार्यक्रम और अन्य गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रध्वज के महत्व एवं देश के प्रति अपने दायित्वों से अवगत कराया जा रहा है।

'हर घर तिरंगा' अभियान जनभागीदारी का उत्सव

ग्राम पंचायतों में आयोजित तिरंगा यात्राओं और जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाया जा रहा है। बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता से जिले में 'हर घर तिरंगा' अभियान जनभागीदारी के उत्सव का रूप ले रहा है। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, गौरव और देश के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत करना है।

भाजपा ने बेंगलुरु में 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया कहा- 'हमें कांग्रेस से देशभक्ति सीखने की जरूरत नहीं'

विश्व केसरी

बेंगलुरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने सोमवार को बेंगलुरु में 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया। इसके तहत आजादी की लड़ाई की याद में और नागरिकों में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के लिए तिरंगा मार्च निकाला गया।

इस अभियान के हिस्से के तौर पर, केसी जनरल हॉस्पिटल के पास सरकारी स्कूल परिसर से तिरंगा मार्च निकाला गया।

इस मार्च में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी और पार्टी के कई अन्य नेता शामिल हुए। विजयेंद्र ने कहा कि इस अभियान का मकसद आजादी की लड़ाई लड़ने वालों का सम्मान करना और नागरिकों में देशभक्ति की भावना जगाना है।

विजयेंद्र ने कहा, 'आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छा के मुताबिक, हमने पूरे राज्य और देश में 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया है।' उन्होंने कहा कि इस अभियान का मकसद लोगों को आजादी की लड़ाई के दौरान दी गई कुर्बानियों की याद दिलाना और हर नागरिक को देश पर गर्व करने के लिए प्रोत्साहित करना है। कर्नाटक में सत्ताधारी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए विजयेंद्र ने कहा, 'हमें कांग्रेस से देशभक्ति सीखने की जरूरत नहीं है।' विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि सरकार ने बेंगलुरु के विधान सौधा में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने के आरोपियों को बचाया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सामने एक मिसाल पेश की है और सभी समुदायों के लोगों से अपील की है कि वे 2047 तक एक विकसित भारत बनाने की दिशा में मिलकर काम करें। उन्होंने कहा, 'हिंदू, मुस्लिम और ईसाई सभी को एक ही मां की संतानों की तरह एकजुट होना चाहिए और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देशभक्ति की भावना को अपनाना चाहिए।' इस बीच, विपक्ष के नेता आर. अशोक ने भी पार्टी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उसने उस कांग्रेस से अपना नाता तोड़ लिया है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया था।

उन्होंने दावा किया कि स्वतंत्रता संग्राम के समय की कांग्रेस आज की कांग्रेस से अलग थी। अशोक ने कहा, 'कांग्रेस नेता भाजपा की आलोचना करते हुए कहते हैं कि पार्टी ने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा नहीं लिया था। लेकिन जो लोग आज ये आरोप लगा रहे हैं, वे भी स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा नहीं थे। उस समय की कांग्रेस आज की कांग्रेस से अलग थी।' उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी ने आजादी के बाद कांग्रेस को भंग करने का सुझाव दिया था, लेकिन संगठन का अस्तित्व बना रहा।

अशोक ने नागरिकों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री ने नागरिकों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लेने की अपील की है। आइए, हम सब मिलकर इस अभियान को सफल बनाएं। भाजपा ने हर घर तक तिरंगा पहुंचाने की पहल की है।'

बेंगलुरु में केसी जनरल हॉस्पिटल के सामने सरकारी स्कूल के पास 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित तिरंगा मार्च में बोलते हुए कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी ने कहा कि कांग्रेस 'डॉग कल्चर' (कुत्तों वाली संस्कृति) को बढ़ावा दे रही है। नारायणस्वामी ने आरोप लगाया, 'कांग्रेस का कहना है कि हमारे घरों के कुत्ते भी आजादी की लड़ाई में शामिल नहीं थे। यही कांग्रेस का डॉग कल्चर है।'

भारतीय विमानन क्षेत्र में बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी, 25 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य : राम मोहन नायडू

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि सरकार भारतीय विमानन क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही महिला पायलटों की हिस्सेदारी के मामले में वैश्विक औसत से काफी आगे है और अब इस सफलता को विमानन क्षेत्र के अन्य विभागों तक भी विस्तार देने का लक्ष्य रखा गया है।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत में करीब 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा केवल 5 प्रतिशत के आसपास है। उन्होंने इसे भारत की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि विमानन क्षेत्र के हर हिस्से में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाए।

राम मोहन नायडू ने कहा, 'नारी शक्ति भारत के विमानन विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है। हमारे यहां 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं, जबकि वैश्विक औसत केवल 5 प्रतिशत है। हम इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक ले जाना चाहते हैं और विमानन क्षेत्र में महिलाओं के लिए और अधिक अवसर पैदा करना चाहते हैं।'

उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा महिलाओं को विमानन क्षेत्र में प्रवेश करने, योगदान देने और नेतृत्व संभालने के लिए प्रोत्साहित किया है। देश ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अभी और आगे बढ़ने की जरूरत है। मंत्री ने गर्व के साथ कहा कि महिलाओं की भागीदारी के मामले में भारत दुनिया के कई देशों के लिए एक उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानन उद्योग में महिला पायलटों की संख्या वैश्विक औसत की तुलना में तीन गुना अधिक है, जो देश की समावेशी सोच और अवसरों की उपलब्धता को दर्शाता है। राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया कि सरकार का 25 प्रतिशत का लक्ष्य केवल महिला पायलटों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे विमानन कार्यबल को शामिल करता है। इसमें हवाई अड्डों से जुड़े रोजगार, तकनीकी सेवाएं, प्रबंधन पद, नई उभरती तकनीकों और भविष्य की विमानन सेवाओं से जुड़े अवसर भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा, 'चाहे एयरपोर्ट से जुड़े कार्य हों, ईवीटीओएल जैसी नई तकनीकें हों या विमानन क्षेत्र में विकसित हो रहे अन्य इकोसिस्टम, हम हर जगह महिलाओं की अधिक भागीदारी देखना चाहते हैं।' मंत्री ने कहा कि विमानन उद्योग को ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां महिलाएं सहजता से काम कर सकें, अपने करियर में आगे बढ़ सकें और नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभा सकें।

शाहदरा साइबर पुलिस ने स्टॉक ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट फ्रॉड का किया पर्दाफाश

विश्व केसरी

नई दिल्ली। साइबर पुलिस स्टेशन शाहदरा ने स्टॉक ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट फ्रॉड का पर्दाफाश करते हुए ओडिशा से साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। स्टॉक मार्केट, आईपीओ में निवेश के बहाने शिकायतकर्ता से 4.75 लाख की धोखाधड़ी की गई थी। सिर्फ दो महीनों में आरोपी के बैंक अकाउंट में लगभग 2.97 करोड़ जमा हुए थे। यह बैंक अकाउंट पूरे भारत में साइबर धोखाधड़ी की 17 शिकायतों से जुड़ा हुआ है।

राम चंद्र यादव की शिकायत पर साइबर पुलिस स्टेशन शाहदरा में 1 अप्रैल को एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि अनजान लोगों ने उनसे व्हाट्सएप इन्वेस्टमेंट ग्रुप 'बुल मार्केट धन क्लब एच 10608' के ज़रिए संपर्क किया। इस ग्रुप में धोखेबाजों ने खुद को एक्सपर्ट स्टॉक मार्केट ट्रेडर बताया और उन्हें ज्यादा और पक्के रिटर्न का वादा करके शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ में पैसे निवेश करने के लिए उकसाया। शुरू में धोखेबाजों ने कथित इन्वेस्टमेंट ऐप पर नकली ट्रेडिंग मुनाफा दिखाया और इस तरह उसका भरोसा जीत लिया।

हैदराबाद में एसयूवी की टक्कर से स्कूटी सवार पूर्व सैनिक की मौत, तीन घायल

विश्व केसरी

हैदराबाद। हैदराबाद में सोमवार को तेज रफ्तार एसयूवी की चपेट में आने से स्कूटी चला रहे सेना के एक रिटायर्ड जवान की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए।

हिट-एंड-रन की यह घटना नरसिंगी पुलिस स्टेशन के इलाके में एक स्कूल के पास हुई।

बताया जा रहा है कि गलत साइड से आ रही कार ने सेना के एक पूर्व जवान को टक्कर मारी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार गाड़ी रुकी नहीं और आगे जाकर अन्य लोगों को भी टक्कर मारी, जिससे तीन लोग घायल हो गए। स्कूटी चला रहे रिटायर्ड सैनिक को एसयूवी ने इतनी जोरदार टक्कर मारी की वे हवा में उछल गए और सड़क पर अचेत होकर गिर गए। इसके बाद गाड़ी ने अन्य लोगों को भी टक्कर मारी, जिनमें रैपिडो टू-व्हीलर पर सवार दो लोग भी शामिल थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एसयूवी में सवार पांच युवक गाड़ी वहीं छोड़कर मौके से भाग गए। युवक शराब के नशे में थे। पुलिस ने कहा कि उन्होंने इसमें शामिल लोगों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। गलत साइड पर तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण यह जानलेवा हादसा हुआ। पुलिस ने कहा कि वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि गाड़ी में सवार लोग नशे में थे या नहीं। शुरुआती जांच से पता चला है कि गाड़ी शमशाबाद एयरपोर्ट इलाके के रहने वाले बाबू गौड़ की थी। पुलिस ने सेना के पूर्व जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया है। शहर में एक और हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया, जब एक कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी। यह हादसा कोंडापुर में हुआ। मृतक की पहचान वानापर्थी जिले के 50 वर्षीय श्रीनिवासुलु के रूप में हुई।

ममता बनर्जी पर हमले का विपक्ष ने किया विरोध

विश्व केसरी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हुए हमले का विपक्षीय सांसदों ने विरोध किया। टीएमसी के सांसदों ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगातार सुरक्षा व्यवस्था खराब हो रही है, मौजूदा सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद सौगत रॉय ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले पर पत्थर और कीचड़ फेंके जाने की घटना निंदनीय है। इससे पता चलता है कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था का क्या हाल है। भाजपा की

गुंडागर्दी लगातार बढ़ती जा रही है। इसके चलते जनता को परेशानी हो रही है। सांसद सौगत रॉय ने एफसीआरए बिल का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे का हिस्सा है। रॉय ने कहा कि उनकी पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि जो सांसद भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे का समर्थन नहीं करने की बात कहते हैं, उन्हें अब अपना राजनीतिक रुख स्पष्ट करना होगा।

डीआरडीओ-एचईएमआरएल भर्ती अलर्ट 50 ग्रेजुएट अप्रेंटिस पदों पर आवेदन जारी

विश्व केसरी

पुणे। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की एक प्रमुख प्रयोगशालाओं में से एक पुणे स्थित हाई एनर्जी मैटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी (एचईएमआरएल) ने एक वर्ष की अप्रेंटिसशिप के लिए ग्रेजुएट अप्रेंटिस (बीई/ बीटेक/ जनरल स्ट्रीम) के कुल 50 पदों के लिए देश के योग्य नागरिकों से आवेदन एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर आमंत्रित किए हैं।

डीआरडीओ-एचईएमआरएल की ओर से ग्रेजुएट अपरेंटिस (बीई/बीटेक/जनरल स्ट्रीम) पोस्ट के लिए जारी 50 रिक्तियों में केमिकल इंजीनियरिंग/केमिकल टेक्नोलॉजी में बीई/बीटेक के 10, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई/ बीटेक के 8, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग/ एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बीई/ बीटेक के 2, कंप्यूटर और इंफॉर्मेशन साइंस/ कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीई/ बीटेक/कंप्यूटर साइंस में बीएससी के 5, इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रिकल और इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग में बीई/बीटेक के 2, इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बीई/बीटेक के 3, सिविल इंजीनियरिंग में बीई/बीटेक के 2, केमिस्ट्री में बीएससी के 9, बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) के 3, बैचलर ऑफ कॉमर्स (बीकॉम) के 3, बीएलआईएस (लाइब्रेरी साइंस) के 2 और बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) का 1 पद शामिल है।

पुलिस ने किया आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, मुख्य संचालक गिरफ्तार

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने सोमवार को सीमा पार से जुड़े एक आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त किया है। इस नेटवर्क को 'बब्बर खालसा इंटरनेशनल' के नाम से जाना जाता है। इसके मुख्य संचालक को हैंड ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार किया गया। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने इस कार्रवाई के बारे में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर जानकारी दी है।

इस ऑपरेशन को मुख्य रूप से काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर और एसबीएस नगर पुलिस की ओर से अंजाम दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया। जिसे मुख्य रूप से विदेशी हैंडलर की ओर से संचालित किया जा रहा था। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मुख्य संचालक को भी गिरफ्तार किया और उसके पास से एक 86-पी हैंड ग्रेनेड भी बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि आरोपी ने विदेशी हैंडलर्स के निर्देश पर जालंधर के आदमपुर जिले से कथित तौर पर ग्रेनेड खरीदा था।

ईडी पर हमले मामले में 27वां आरोपी गिरफ्तार, एक अब भी फरार

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। सीएमआरएल एक्सलॉजिक मामले में विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन की बेटी वीना विजयन से पूछताछ करने के लिए उनके घर पहुंचे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हुए हमले के मामले में 27वें आरोपी को चेन्नई एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया गया है।

आरोपी आदर्श घटना के बाद देश छोड़कर चला गया था। आदर्श को सोमवार सुबह चेन्नई एयरपोर्ट पर उतरने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। इसके खिलाफ पहले ही लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। म्यूजियम पुलिस की एक टीम आरोपी को अपनी कस्टडी में लेने और उसे केरल लाने के लिए चेन्नई रवाना हो गई है। यह गिरफ्तारी मई के आखिरी हफ्ते में इस मामले में पकड़े गए 25 लोगों को जमानत मिलने के कुछ दिनों बाद हुई है। एफआईआर में कुल 27 आरोपियों के नाम थे, जिनमें से दो आरोपी जांच टीम की पकड़ से बाहर थे। आदर्श की गिरफ्तारी के बाद 27 आरोपियों में से अब सिर्फ एक को पकड़ा जाना बाकी है, जिसकी पहचान पलायम संतोष के तौर पर हुई है। पलायम के भी विदेश में होने की बात कही जा रही है। पुलिस उसे खोजने और केरल वापस लाने की कोशिशें तेज कर रही है।

श्रावणी मेले के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम में तीर्थयात्रियों का उमड़ा हुजूम

विश्व केसरी

कोलकाता। झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम और पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर में श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। बाबा बैद्यनाथ धाम देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है और साल के इस समय लाखों भक्त यहां आते हैं। ईस्टर्न रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि इस बार भीड़ बहुत ज्यादा है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार मेले के 11वें दिन 2.8 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने रेलवे की सुविधाओं का इस्तेमाल किया। जहां 2025 की तुलना में जसीडीह स्टेशन पर यात्रियों की संख्या में लगभग 13.63 प्रतिशत की कमी आई, वहीं दूसरे स्टेशनों पर भीड़ काफी बढ़ गई।

ईस्टर्न रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि जसीडीह में 72,890 यात्रियों ने यात्रा की, साल 2025 में 84,392 यात्रियों ने यात्रा की थी। इसी तरह सुल्तानगंज में 1,06,640 यात्री आए। बासुकीनाथ में 9.47 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, जहां 17,850 यात्रियों ने यात्रा की। देवघर में भी 11.08 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जहां 21,582 यात्रियों ने यात्रा की।

इस साल तीर्थयात्रियों के लिए बड़े पैमाने पर इंतजाम किए गए हैं। स्पेशल ट्रेनों के अलावा हजारों श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सेवाएं भी दी गई हैं। भारी भीड़ के कारण भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए खास होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि निगरानी के लिए अतिरिक्त उपकरण लगाए गए हैं और स्थिति पर 24 घंटे नजर रखी जा रही है। अन्य इंतजामों में ऑपरेटरों के साथ और ज्यादा ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीनें लगाना शामिल है।

अधिकारी ने कहा, 'बासुकीनाथ में 632, जसीडीह में 301, देवघर में 189, तारकेश्वर में 145, बैद्यनाथ धाम में 90 और सुल्तानगंज में 82 तीर्थयात्रियों को चिकित्सा मदद दी गई। बुजुर्ग और दिव्यांग तीर्थयात्रियों को व्हीलचेयर की सुविधा दी गई, जिसमें तारकेश्वर में आठ, जसीडीह में सात और देवघर, बासुकीनाथ व सुल्तानगंज में एक-एक व्हीलचेयर शामिल हैं।'

उन्होंने बताया कि ईस्टर्न रेलवे ने जसीडीह में 478 कोच वाली 32 स्पेशल ट्रेनें, देवघर में 234 कोच वाली 18 ट्रेनें, बासुकीनाथ में 120 कोच वाली 10 ट्रेनें और बैद्यनाथ धाम में छह ट्रेनें चलाईं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-: : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /.34257.... / न. पा. नि. / जोन क्रं

रायपुर दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34257

वार्ड का नाम 10- रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR22700130** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MRS. NAFISA HASHMI** पिता / पति श्री/ **अब्दुल रशीद** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती अरशद हाशमी पिता / पति श्री/श्रीमती पिता अब्दुल रशीद हाशमी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
-::मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : :
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. /.34188..../ न. पा. नि. जोन क्रं 7

रायपुर दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34188

वार्ड का नाम - 36 - तात्यापारा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR717C00038** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MANOJ SUD** पिता / पति श्री / श्रीमती श्री / श्रीमती **SUKHADEV SUD** के नाम से दर्ज है जिसको श्रीमती पलक वलेचा पिता / पति श्री/श्रीमती पति दर्शन लाल वलेचा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय बिलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर) जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र. /.34267..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026

रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34267

वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663R00890** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **GEETA CHAUDHARY** पिता/पति श्री श्रीमती **RAJESH KUMAR CHAUDHARY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **NAMRATA DEWANGAN** पिता / पति श्री श्रीमती **D/O LT LAXMI NARAYAN DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /.. पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर) जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर ::-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /.34120..../ न. पा. नि. जोन क्र. 1/2026

रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34120

वार्ड का नाम 17-ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR107D00153** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **NIRMAL CHANDRA SAHA** पिता / पति श्री श्रीमती **LT UPENDRA CHANDRA SAHA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **ARYAN MISHRA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O ASHISH MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : :
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /.34056.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2002

रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34056

वार्ड का नाम 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR107C00169** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **KANTI BAI** पिता / पति श्री/श्रीमती **KAPIL SINGH** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **INDRARAJ SINGH RAJPUT** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O LATE KAPIL RAJPUT** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

आदिवासी समुदायों तक न्याय की पहुंच मजबूत करने पर एचएनएलयू में मंथन

संवैधानिक संरक्षण, वन अधिकार, न्यायिक उपचार की राह में बाधाओं पर विशेषज्ञों ने की चर्चा

विश्व केसरी

रायपुर। हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू), रायपुर के सेंटर फॉर लॉ एंड इंडिजिनस पीपल द्वारा सेंटर फॉर कॉन्स्टिट्यूशनल लॉ एंड फेडरलिज्म के सहयोग तथा सीजी लर्न कार्यक्रम के अंतर्गत 'ऑडिटिंग एक्सेस टू जस्टिस फॉर इंडिजिनस कम्युनिटीज: मेजरिंग इनक्लूजन, अकाउंटेबिलिटी एंड ट्रांसफॉर्मेटिव जस्टिस' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यशाला में न्यायपालिका, शिक्षाविदों, विधि विशेषज्ञों, अधिवक्ताओं, शोधकर्ताओं, नागरिक समाज संगठनों तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान संवैधानिक शासन, आदिवासी अधिकार, सामुदायिक सहभागिता, पारिस्थितिक न्याय तथा न्याय तक पहुंच से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। उद्घाटन सत्र में हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) वी. सी. विवेकानंदन ने कहा कि न्याय तक पहुंच का आकलन समाज के सबसे कमजोर वर्गों के दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए। उन्होंने आदिवासी समुदायों तक न्याय की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक न्याय फेलो, आदिवासी भाषाओं में कानूनी नोटिस के कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद, विधिक स्वास्थ्य क्लीनिक, मोबाइल संवैधानिक कारवां तथा आदिवासी ज्ञान परिषद जैसे नवाचारों का सुझाव दिया।

मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में न्याय तक पहुंच को 'सस्ता, सुलभ और स्वच्छ न्याय' की अवधारणा से जोड़ते हुए कहा कि न्याय व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जो समुदायों की सांस्कृतिक विशेषताओं और स्थानीय परिस्थितियों के प्रति संवेदनशील हो। उन्होंने आदिवासी समुदायों के लिए न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सुगम, जवाबदेह और समुदाय-केंद्रित बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में अनुसूचित जनजातियों के लिए संवैधानिक संरक्षण, आवासीय एवं वन अधिकार, ग्राम सभा की भूमिका, सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण तथा न्यायिक उपचार और राज्य की संस्थाओं तक पहुंच बनाने में आदिवासी समुदायों के सामने आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में रायपुर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अविनाश दुबे, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई के डीन डॉ. गीतांजॉय साहू तथा सेंटर फॉर सोशल जस्टिस और अशोका ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड द एनवायरनमेंट, बेंगलुरु के विशेषज्ञ एवं संसाधन व्यक्तियों ने सहभागिता की।

सेवानिवृत्ति प्रकरण समयबद्ध तरीके से निराकरण किए जाएं : लक्ष्मी राजवाड़े

विश्व केसरी

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने विभागीय प्रशासन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सेवानिवृत्ति प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि शासन की लंबी सेवा देने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्ति के समय किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कठिनाई का सामना न करें, यह विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मंत्री राजवाड़े ने प्रमुख सचिव, संचालक समाज कल्याण तथा संचालक महिला एवं बाल विकास को निर्देशित किया है कि विभाग से सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रकरणों की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेवानिवृत्ति आदेश, पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण और अन्य सभी देय स्वत्व देयकों का निराकरण सेवानिवृत्ति तिथि से पूर्व पूर्ण कर लिया जाए, ताकि संबंधित कर्मचारी को उसके सेवानिवृत्ति दिवस पर ही सभी आदेश और भुगतान उपलब्ध हो सकें।

राजवाड़े ने कहा कि प्राय: यह देखा गया है कि कई बार न मांग न जांच प्रमाण पत्र, सेवा सत्यापन तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया में विलंब होने से कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ती है। कुछ मामलों में प्रशासनिक अनुमोदन हेतु प्रकरण देर से प्रस्तुत होने के कारण भुगतान और अन्य लाभ प्रभावित होते हैं। उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए सभी स्तरों पर समयबद्ध कार्यसंस्कृति अपनाने के निर्देश दिए।

मंत्री ने शासन स्तर पर, विभागाध्यक्ष स्तर और अधीनस्थ कार्यालयों में सेवानिवृत्ति संबंधी कार्यों के लिए चेकलिस्ट आधारित मॉनिटरिंग प्रणाली लागू करने को कहा है। प्रत्येक कार्यालय में आगामी सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों की सूची तैयार कर उनकी प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी, ताकि कोई भी प्रकरण लंबित न रहे।

लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सेवानिवृत्ति केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि कर्मचारी के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है। इसलिए विभागीय अधिकारियों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी कर्मचारियों को सम्मानजनक विदाई के साथ उनके सभी वैधानिक स्वत्व अधिकार समय पर प्राप्त हों।

रेलकर्मियों का मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने किया सम्मानित

विश्व केसरी

रायपुर। रेल परिचालन में संरक्षा की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले 08 रेल संरक्षा के सजग कर्मचारियों का सम्मान मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने किया एवं उनके संरक्षा संबंधी कार्यों पर चर्चा की। रेलवे में संरक्षा से रेल परिचालन की अहम भूमिका हैं, प्रत्येक रेल कर्मी के निर्धारित कर्तव्यों की निपुणता एवं सजगता रहने से यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाया जाता है एवं निर्बाध रेल परिचालन होता है।

मंडल रेल प्रबंधक रायपुर, दयानंद के द्वारा संरक्षा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर संरक्षा कोटि के 08 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा सबंधी कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया गया । संरक्षा के लिए सम्मानित रेलकर्मियों में होरीलाल मांडले, टेक. ग्रेड -1/भाटापारा , यशवंत, टेक. ग्रेड -1/रायपुर, चंदन कुमार सिंह, वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर /बी एम वाई, मंजू सागर, वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर /बी एम वाई, श्री चमन लाल, पी एम ए /केंद्री, अनिरुद्ध कुमार आरडे, सिग्नल अनुरक्षक, ग्रेड -2/दल्लीराजहरा, अशोक कुमार, ट्रैक मेन्टेनर -1/भिलाई एवं विश्वनाथ नायक, ट्रैक मेन्टेनर -3/भिलाई। इन संरक्षा कोटि के कर्मचारियों को सम्मानित किए जाने के अवसर पर संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे ।

'छत्तीसगढ़ का संपूर्ण व्याकरण' के चतुर्थ संस्करण का विमोचन

छत्तीसगढ़ी भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पुस्तक के उपयोग की अपील

विश्व केसरी

बिलासपुर। डॉ. विनय कुमार पाठक एवं डॉ. विनोद कुमार वर्मा द्वारा लिखित महत्वपूर्ण कृति 'छत्तीसगढ़ का संपूर्ण व्याकरण' के चतुर्थ संस्करण का विमोचन छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा रायपुर के शंकर नगर स्थित उनके आवास पर किया गया।

इस अवसर पर डॉ. रमन सिंह ने लेखकद्वय को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने 'छत्तीसगढ़ का संपूर्ण व्याकरण' को छत्तीसगढ़ी भाषा के अध्ययन एवं संरक्षण की दृष्टि से प्रामाणिक और महत्वपूर्ण कृति बताते हुए सभी छत्तीसगढ़वासियों से इसके संरक्षण, अध्ययन एवं उपयोग की अपील की।

कार्यक्रम में पुस्तक के लेखक डॉ. विनय कुमार पाठक ने डॉ. रमन सिंह का स्वागत करते हुए उन्हें अपना अमूल्य समय प्रदान करने तथा छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य के प्रति उनके समर्पण और निष्ठा के लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर डॉ. रमेशचंद्र श्रीवास्तव, आई.एस.एस. तथा श्री विष्णु कुमार तिवारी, समीक्षक एवं मानस-मर्मज्ञ भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी पुस्तक के चतुर्थ संस्करण के प्रकाशन पर लेखकद्वय को शुभकामनाएँ दीं।

'छत्तीसगढ़ का संपूर्ण व्याकरण' का चतुर्थ संस्करण छत्तीसगढ़ी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप, अध्ययन एवं उसके संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नेशनल हाईवे-30 पर दो बसों में हुई टक्कर, कई यात्री हताहत

विश्व केसरी

कोंडागांव। जिले नेशनल हाईवे-30 पर बोरगांव पुल के पास सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां रॉयल यात्री बस और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बस में सवार 12 से अधिक यात्री घायल हो गए, जबकि ट्रक चालक को भी चोटें आई हैं।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल फरसगांव अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार शुरू किया गया।

हादसे में गंभीर रूप से घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल कोंडागांव रेफर किया गया है।

फिलहाल पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसा किस कारण हुआ, इसकी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी।

वीर जवानों के सम्मान में मनाया 'सिपाही रक्षा सूत्र अभियान'

विश्व केसरी

सरसीवां। देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र अभियान-2026' के तहत Modern Public School Gatadih में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय परिवार की ओर से देश की रक्षा में तैनात सैनिकों, पुलिसकर्मियों, अर्धसैनिक बलों एवं आपदा राहत कर्मियों के सम्मान में रक्षा सूत्र भेंट किए गए। इस दौरान जवानों के साहस, त्याग और समर्पण को नमन करते हुए उनके मनोबल को बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्टाफ ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। वक्ताओं ने कहा कि रक्षा सूत्र महज राखी नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा में जुटे जवानों के प्रति स्नेह, सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है।

'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र-2026' अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने के साथ देश की सुरक्षा में योगदान देने वाले जवानों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना है। अभियान के तहत छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न स्थानों से रक्षा सूत्र जवानों तक पहुंचाने की पहल की जा रही है।

महंत कॉलेज में 'अभिव्यक्ति की आजादी एवं जेन-जी का भविष्य; विषय पर हुई परिचर्चा

विश्व केसरी

रायपुर। महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में पत्रकारिता विभाग के सहयोग से आज प्रदेश के अखबार साथी सन्देश के 14 वें स्थापना दिवस पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी एवं जेन-जी का भविष्य' विषय पर आयोजित इस परिचर्चा में वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज, साहित्यकार डॉ महेंद्र कुमार ठाकुर, स्वराज दास, डॉ माणिक विश्वकर्मा नवरंग, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला, छग राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष केदार गुप्ता, छग हाऊसिंग बोर्ड के चेयरमैन अनुराग सिंहदेव, बीरगांव नगर पालिका के महापौर नंदलाल देवांगन, छग राज्य आन्दोलन के प्रणेता डॉ उदयभान सिंह चौहान, राज्य दिव्यांगजन कल्याण परिषद् के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया, कांग्रेस पदाधिकारी डॉ राकेश गुप्ता, महंत कॉलेज के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी, एवं सेंट्रल जीएसटी के अधीक्षक एम राजीव सहित विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

सभी वक्ताओं ने इस बात को रखांकित किया की अभिव्यक्ति की आजादी भारत के संविधान के तहत प्रत्येक नागरिक को मिली हुई है। लेकिन इसके साथ कुछ कर्तव्य भी शामिल हैं, जिनके अनुपालन के बिना यह आजादी अधूरी मानी जाएगी। जेन जी के हाल ही में हुए आन्दोलन पर वक्ताओं का विचार था कि आन्दोलन का विषय निश्चित रूप से आवश्यक और प्रासंगिक था, लेकिन जिस भाषा में विरोध व्यक्त किया गया, उसे मर्यादित रखने की आवश्यकता है। विरोध का अर्थ अशालीन होना कतई नहीं हो सकता।

इस कार्यक्रम में महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों का सम्मान किया गया। साथ ही मीडिया के क्षेत्र में लम्बे जुड़े वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षक डॉ रामप्रसाद दुबे, डॉ विभाष कुमार झा को पीएच डी उपाधि प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। साथ ही पत्रकार शगुफ्ता शिरीन, एंकर राहुल सिन्हा, प्रिंटिंग विशेषग्य अश्विनी मिश्र, पत्रकार इमरान खान को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर साथी सदेश अखबार के यूट्यूब चैनल और ब्रोशर का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में साथी सन्देश के प्रधान संपादक मलय बनर्जी ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि महंत कॉलेज में वे एक विद्यार्थी के रूप में आए थे और आज इसी संस्थान में उनके अखबार का कार्यक्रम आयोजित हो रहा है, यह निश्चित ही गर्व का विषय है। महंत कॉलेज के प्राध्यापक ने महाविद्यालय की और से सभी आमंत्रित वक्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया।

खांसी के साथ आ रहा था खून, रायपुर में 20 दिन में फेफड़ों की 9 जटिल सर्जरी

विश्व केसरी

रायपुर। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के हार्ट-चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग ने फेफड़ों की जटिल सर्जरी के क्षेत्र में नया कीर्तिमान बनाया है। विभाग ने महज 20 दिनों में 9 लोबेक्टॉमी सर्जरी सफलतापूर्वक की हैं। पिछले दो महीनों का आंकड़ा जोड़ें तो कुल 13 लोबेक्टॉमी की जा चुकी हैं। इनमें दो आपातकालीन सर्जरी ऐसे मरीजों की हुईं, जिन्हें खांसी के साथ अत्यधिक रक्तस्राव यानी हेमोप्टाइसिस हो रहा था।

आधुनिक तकनीक और एडवांस्ड लंग स्टेपलर की मदद से की गई इन सर्जरियों के बाद मरीजों को नया जीवन मिला है। अस्पताल के अनुसार, इतनी कम अवधि में इतनी बड़ी संख्या में लोबेक्टॉमी सर्जरी किया जाना छत्तीसगढ़ के किसी सरकारी या निजी संस्थान की तुलना में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

क्या होती है लोबेक्टॉमी सर्जरी ?

हार्ट-चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू के अनुसार, लोबेक्टॉमी में बीमारी से क्षतिग्रस्त फेफड़े के एक हिस्से को सर्जरी के जरिए निकाल दिया जाता है। यह एक जटिल प्रक्रिया है। रायपुर के अंबेडकर अस्पताल में इस सर्जरी के दौरान एडवांस्ड लंग स्टेपलर का इस्तेमाल किया जाता है। इससे सर्जरी के बाद होने वाली कुछ जटिलताओं, खासकर Bronchopleural Fistula, की संभावना कम करने में मदद मिलती है। मानव शरीर में दो फेफड़े होते हैं। बाएं फेफड़े में दो लोब होते हैं, जबकि दाएं फेफड़े में तीन लोब होते हैं। यदि एस्परजिलोमा, ब्रोन्किएक्टैसिस या लंग ट्यूमर जैसी बीमारी फेफड़े के किसी एक लोब तक सीमित हो, तो उस प्रभावित हिस्से को निकाल दिया जाता है। इसी प्रक्रिया को लोबेक्टॉमी कहा जाता है।

एस्परजिलोमा और ब्रोन्किएक्टैसिस प्रमुख कारण

छत्तीसगढ़ में फेफड़ों की लोबेक्टॉमी के प्रमुख कारणों में एस्परजिलोमा और ब्रोन्किएक्टैसिस शामिल हैं। एस्परजिलोमा, Aspergillus niger नामक फंगस से होने वाला संक्रमण है। यह उन मरीजों में हो सकता है, जिन्हें पहले टीबी हो चुकी हो या जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कम हो गई हो। एस्परजिलोमा सामान्य तौर पर दाएं फेफड़े के ऊपरी लोब में अधिक पाया जाता है। वहीं टीबी संक्रमण के बाद ब्रोन्किएक्टैसिस भी एक सामान्य समस्या है। इसमें फेफड़े के अंदर छोटी-छोटी कैविटी बन सकती हैं और संक्रमण होने पर मरीज को खांसी के साथ खून आने की समस्या हो सकती है।

आंजनेय विश्वविद्यालय : बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए तैयार होंगे प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स

विश्व केसरी

रायपुर। बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा और संरक्षण को लेकर आंजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स के नए बैच रक्षक का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। 'रक्षक' की विशेषता यह है कि छत्तीसगढ़ में राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने राज्य के विश्वविद्यालयों के साथ समझौता कर एक साझा शैक्षणिक पहल के रूप में प्रारंभ किया है।

मुख्य अतिथि डॉ वर्णिका शर्मा, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कहा कि कार्यक्रम का नाम 'रक्षक' केवल एक पाठ्यक्रम का नाम नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी है। आज बच्चों को हिंसा, शोषण, बाल श्रम, बाल विवाह, साइबर जोखिम और अन्य अनेक चुनौतियों से बचाने के लिए प्रशिक्षित एवं संवेदनशील मानव संसाधन की आवश्यकता है। ऐसे में यह पाठ्यक्रम युवाओं को ज्ञान के साथ संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से जोड़ने का प्रयास है। चांसलर अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि रक्षक पाठ्यक्रम का उद्देश्य केवल बाल अधिकारों के कानूनों का सैद्धांतिक अध्ययन कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को बाल संरक्षण व्यवस्था की व्यावहारिक समझ प्रदान करना है। पाठ्यक्रम में बाल अधिकारों से जुड़े कानून, सरकारी योजनाएं, संबंधित संस्थाओं की कार्यप्रणाली, विभागीय प्रक्रियाएं तथा बाल संरक्षण इकाइयों के कार्यों की जानकारी के साथ व्यावहारिक अनुभव पर भी जोर दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह में कुलपति डॉ टी रामाराव ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा केवल कानून और संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

संपादकीय

संतसेवी साहित्य में जीवन-दृष्टि

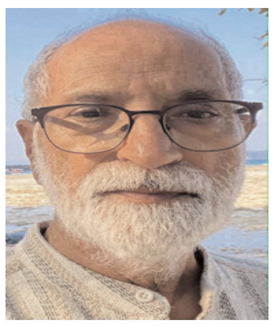

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

भारतीय वांग्मय में संतों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। प्राचीन काल से लेकर अधुनातन तक भारतीय साहित्य में यदि संस्कृत, पालि और प्राकृत भाषा-साहित्य से इतर सिर्फ़ हिन्दी साहित्य पर विचार किया जाए, तो मध्यकाल में ऐसे अनेकानेक संतों की रचनाएँ उपलब्ध हैं जिनमें आत्मा-परमात्मा, प्रकृति-पुरुष, शिव-शक्ति, जड़-चेतन, ध्यान-धारणा, ज्ञान-भक्ति, माया-जगति, सुख-दुख आदि के बारे में विस्तारपूर्वक लिखा गया है। ईश्वर को जानने और उसे प्राप्त करने के मार्ग चाहे पृथक्-पृथक् रहे हों, पर सबने एक परम सत्ता के अस्तित्व को स्वीकार किया है। देश, काल और भाषा-भेद से उसके नामों में विविधता हो सकती है, पर उस एकमात्र सत्ता की महत्ता को स्वीकार , मानव-मात्र को उससे परिचित कराने और जोड़ने में संत साहित्य अग्रणी रहा है। इस दिशा में चाहे संत कबीर हों या शेख़ फ़रीद, गोस्वामी तुलसीदास हों या भक्तिमती मीरा, सभी ने अपने उद्गार व्यक्त किए हैं। बीसवीं सदी में इसी श्रृंखला में अनेक संत हुए हैं, जैसे-स्वामी रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, सद्गुरु संत मेंहीं, स्वामी श्रीसंतसेवी इत्यादि।

बिहार की मधेपुरा जनपद के गाँव गम्हरिया में पैदा हुए महाप्राज्ञ स्वामी श्री संतसेवी जी महाराज ने अपने साहित्य द्वारा आध्यात्मिक-दर्शन को अति सरल, सुगम और सुबोधपूर्ण भाषा में जनसाधारण तक पहुँचाने का प्रयास किया है। परमात्मा के पर्याय के रूप में ' ?' की विवेचना जिस रूप में उन्होंने की है, वह अन्यत्र कम ही देखने को मिलती है। स्वामी जी ने वेदों, उपनिषदों और विभिन्न संतों के वचनों को उद्धृत करते हुए ' ?' के स्वरूप को स्पष्ट किया है। ' ?' समस्त सृष्टि की आदि ध्वनि है, सामूहिक रूप है तथा परमात्मा का सर्वोत्तम नाम है। स्वामी जी के शब्दों में ' 'सृष्टि-निर्माण के निमित्त 'एकोऽहम् बहु स्याम्' इच्छा से घोर शोर का ध्यन्यात्मक आविर्भाव हुआ। ऋषि-महर्षियों ने इसे ही ' ?' प्रणव आदि नामों से अभिहित किया है। विभिन्न धर्मावलम्बियों, जिनमें ईसाई और मिलाई भी शामिल हैं, ' ?' को विभिन्न नामों से पुकारा है। अपनी प्रार्थना के अंत में ईसाई 'अमेन' और मुसलमान 'आमीन' कहते हैं, जो ' ?' के ही भाषिक रूपांतर हैं। संत कबीर ने इसे आदिनाथ से, तो गुरु नानक ने अजपाजाप से परिभाषित किया है। स्वामी श्री संतसेवी जी ने इसके प्रमाण में उपनिषदों से लेकर संत कबीर, गुरु नानक, संत सुंदरदास, स्वामी शिवनारायण, संत मेंहीं आदि अनेक संतों की रचनाओं का उल्लेख किया है।

परमात्मा से आत्मा का सम्बन्ध, आत्मा और परमात्मा के एकीकरण में गुरु की भूमिका तथा साधना-प्रक्रिया इत्यादि को जिस सहज रूप से स्वामी जी ने विज्ञ पाठकों और सामान्य जन के समक्ष रखा है, वह अत्यंत काम्य और व्यावहारिक लगता है।'बिंदु-ध्यान' और 'नाद-ध्यान' द्वारा साधना पथ पर अग्रसर कोई भी साधक हो अपनी चेतना को परिष्कृत कर ऊर्ध्वलोक स्थित परमात्मा के साथ सम्बन्ध स्थापित कर सकता है।

वर्तमान में समूचा संसार मानसिक वेदना से ग्रस्त है। मानव, मानव का शत्रु बनकर विद्वेष एवं विनाश में संलग्न है। ऐसा लगता है आज भौतिक विज्ञान की सारी शक्तियाँ इस हरी-भरी वसुंधरा को श्मशान में परिणत कर देना चाहती है। मनुष्य अपनी सुख-सुविधा और विलासिता में उचित-अनुचित, कर्म-अकर्म, धर्म-अधर्म का भेद भूलकर अपने तन-मन को सजाने-सँवारने में लगा है। सुख मृगतृष्णा ही बना हुआ है। ऐसी स्थिति में आत्म-कल्याण का एक ही मार्ग बचता है और वह है- 'योगमार्ग'। देश और काल की दूरी कम हो जाने के बाद भी लोगों के हृदय की दूरियाँ बढ़ती गयी हैं। स्वामी श्री संतसेवी जी ने इन्हीं वर्तमान संदर्भों में योग के महत्व को बतलाया है। योग टूटे हुए हृदय को जोड़ता है, मनोनिग्रह कर उसे एकाग्र करता है। सच यह है कि भारत में योग का इतिहास बहुत पुराना है। योग के आदि प्रवर्तक स्वयं शिव हैं।

वेद, उपनिषद्, श्रीमद्भगवद्गीता एवं महर्षि पतंजलि के 'योग-दर्शन' में योग की पर्याप्त चर्चा हुई है, पर सामान्य जन संस्कृत भाषा न जानने के कारण योग के वास्तविक स्वरूप से अनभिज्ञ रहा है। स्वामी जी ने अपनी सरल, सुबोध वाणी द्वारा योग के माहात्म्य तो जन-जन तक पहुँचाने का प्रशंसनीय कार्य किया है।स्वामी जी के अनुसार 'जिस तरह दूध में घृत, तिल में तेल और ईंधन में अनल निहित है, उसी तरह मानव के प्रत्येक कर्म में योग सन्निहित है। स्वभावतः मन अत्यंत चंचल है और मन की इसी बहिर्वृति को नियंत्रित करना ही योग है।' इसी को पतंजलि ने 'योगदर्शन' में 'चित्तवृत्तिनिरोध' की संज्ञा दी है। मनुष्य को दुखों से मुक्ति एकमात्र योग से ही मिल सकती है, इसको स्वामी जी ने भलीभाँति समझाया है। भक्तिकाल के अनेक संतों ने अपनी वाणी एवं साहित्य से दार्शनिक तत्वों की अभिव्यक्ति की है। इन्हीं की बदौलत हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल स्वर्ण-काल माना जाता है। वेद, उपनिषद्, गीता, रामायण आदि रचनाओं में अभिव्यक्त ईश्वर-सम्बन्धी विचारों को साधु-संतों ने तत्कालीन भाषा में व्यक्त किया है। इन्होंने आत्मा-परमात्मा, जीव और ब्रह्म जैसे विषयों पर समान रूप से भिन्न परिवेश में जन-जागृति पैदा करने में अहम भूमिका निभायी है। यही कारण है कि मुग़ल-काल में हमारा साहित्य बाहरी आक्राँताओं से भारतीय अस्मिता को बचाने में सक्षम हुआ। इसी की पुनरावृत्ति 19 वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में अंग्रेजों के विरुद्ध एक धार्मिक, साँस्कृतिक जनजागरण के रूप में दिखाई पड़ती है।

अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का समाधान

योगेंद्र योगी

देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाए कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यवहारिक धरातल पर नहीं बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों मे संशोधन किया जा रहा, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कूननों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटना—दुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे।

संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुर्माना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार के बनाए पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व मे आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं।

राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश/कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग-अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है।

पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार—हत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिन्दा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर बल्कि कम तक नहीं हो सका। आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए।

आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सड़क पर गडढा होने से यदि कोई सड़क दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यवसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हों या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती।

इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की ज्मिमेदारी तय नहीं की गई।

ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराएं जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हे जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी। इतिहास

अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके।

यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झौंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। देश में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच आम नागरिकों तक बढ़ानी होगी। इसकी कमी से हर साल बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, अस्पताल के अभाव जैसे मुद्दों पर धरने, प्रदर्शन, आंदोलन होते हैं, किन्तु इनका स्थायी समाधान नहीं होता। सरकारों की हालत 'खेत खाए गदहा और मार खाए जुलहा' जैसी है। जब तक सरकारें और जिम्मेदार अफसर अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे। ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बेशक कितने भी नए कानून बन जाएं।

अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके।

हमर छत्तीसगढ़ के पहिली लोक परब: हरेली तिहार

तेजबहादुर सिंह भुवाल

छत्तीसगढ़ ला धान के कटोरा कहे जाथे। इहाँ के माटी, खेती-किसानी, लोक परंपरा अउ संस्कृति के बीच में एक-दूसर ले गहरा जुड़ाय हवय। एही समृद्ध लोक संस्कृति के पहिली अउ सबले महत्तम परब आय - हरेली तिहार। सावन अमावस के दिन मनाय जाथे, ये तिहार सब पूजा-पाठ के अवसर नहीं हे, बल्कि हरियर प्रकृति, किसान, खेती, पशुधन अउ लोक जीवन के सम्मान के परब आय।

हरेली शब्द के मतलबे आय - हरियाली। जब सावन के बरखा ले धरती हरियर चुनरी ओढ़ लेथे, खेत मं धान के पौधा लहलहाय लगथे, किसान के मन मा नई आस जगथे, त पूरा छत्तीसगढ़ हरेली तिहार के रंग मं रंग जाथे। इही कारण से हरेली ला छत्तीसगढ़ के पहिली लोक परब कहे जाथे।

हरेली के दिन किसान अपन हल, नागर, रापा, कुदारी, फावड़ा, हंसिया, गाड़ी-बैला जइसने खेती के सब्बो औजार मन के साफ-सफाई करके पूजा करथें। ये औजार के पूजा नहीं हे, बल्कि किसान के मेहनत, पसीना अउ अन्नदाता के सम्मान के प्रतीक आय। खेती मा सहयोग करे वाला गाय-बैला मन के घलो पूजा करके ओकर सेवा अउ महत्व ला याद करे जाथे।

ए दिन घर के दुवारी मा नीम, भिलवा अउ दूसर औषधीय डारी लगाय जाथे। लोक मान्यता हवय कि एखर ले नकारात्मक शक्ति दूर रहिथे अउ घर-परिवार सुरक्षित रहिथे। गांव-गांव मा बैइगा, गुनिया अउ पारंपरिक वैद्य पूजा-पाठ करथें।

किसान मन बढ़िया बरसा, भरपूर फसल, पशुधन के सुख-समृद्धि अउ परिवार के खुशहाली बर भगवान ले प्रार्थना करथें।

हरेली के दिन गांव-देहात में घरो-घर गुड़-चीला, फरा के संग गुलगुला भजिया, चौसेला, औउ बोबरा घलो बनाए जाथे, जेखर ले हरेली तिहार के उमंग हा अउ बाढ़ जाथे। किसान मन अपन किसानी औजार के पूजा-पाठ कर गाय-बैला ला दवई खवाये जाथे, ताकि वो हा सालभर बने रहाय। गांव-देहात के संगे-संग शहर मन डाहर घलो हरेली तिहार मनाये जाथे।

बोध कथा

दृष्टिकोण व्यक्तित्व का आइना

एक धर्मात्मा ने जंगल में एक सुंदर मकान बनाया और उद्यान लगाया, ताकि उधर आने वाले उसमें ठहरें और विश्राम करें। समय- समय पर अनेक लोग आते और ठहरते। दरबान हरेक आने वाले से पूछता, आपको यहां कैसा लगा। बताइए मालिक ने इसे किन लोगों के लिए बनाया है। आने वाले अपनी-अपनी दृष्टि से उसका उद्देश्य बताते रहे। चोरों ने कहा- एकांत में सुस्ताने, योजना बनाने, हथियार जमा करने और माल का बंटवारा करने के लिए। व्यभिचारियों ने कहा- बिना किसी रोक-टोक और खटके के स्वेच्छाचारिता बरतने के लिए। जुआरियों ने कहा-जुआ खेलने और लोगों की आंखों से बचे रहने के लिए। कलाकारों ने कहा, एकांत का लाभ लेकर एकाग्रता पूर्वक कला का अभ्यास करने के लिए। संतो ने कहा-शांत वातावरण में भजन करने और ब्रह्मलीन होने के लिए। कुछ विद्यार्थी आए, उनने कहा- शांत वातावरण में विद्या अध्ययन ठीक प्रकार होता है। हर आने वाला अपने दृष्टिकोण द्वारा अपने कार्यों की जानकारी देता गया। दरबान ने निष्कर्ष निकाला- जिसका जैसा दृष्टिकोण होता है, वैसा ही उसका व्यक्तित्व और नजरिया होता है।

चुटकुले

पति पत्नी से

प्रिये, मैं तुमसे बहुत प्यार करता हु।

पत्नी: तो क्या मैं आपको नहीं करती

मैं तो आपके लिए सारी दुनिया से लड़ सकती हूँ।

पति: लेकिन तुम तो दिन-रात मुझसे ही लड़ती रहती हो।

पत्नी: जानू आप ही तो मेरी दुनिया हो !!!

साहिब मेरी बीवी गुम हो गयी है मैं क्या करूँ

पोस्ट मास्टर: अंधे यह पोस्ट ऑफिस है, पुलिस स्टेशन जा इधर क्यों आया है

पति: माफ़ कीजियेगा साहिब, ख़ुशी के मारे समझ नहीं आ रहा किधर जाऊं!!

पति: अरे सुनो, मुन्ना रो रहा है चुप कराओ इसे

पत्नी गुस्से में मैं काम करूँ या बच्चे सँभालु ,

मैं इसे दहेज़ में नहीं लायी थी, खुद ही चुप करा लो।

पति: फिर रोने दे मैं कौन सा इसे बरात में लेकर गया था

पति: नींद नहीं आ रही,

पत्नी: किचन में बर्तन पड़े है,

वही धो डालो

पति: मैं तो नींद में

बोल रहा हु पगली.... !!!

पत्नी: अजी सुनते हो, हमारी शादी कराने वाले पंडित जी का देहांत हो गया।

पति: इसमें मेरा क्या कसूर ? मैं तो पहले ही कहता था कि एक न एक दिन उसे उसके पापों की सजा जरूर मिलेगी!

व्यंग्य केसरी

सोशल मीडियाः मित्रों, शत्रुओं का मेला

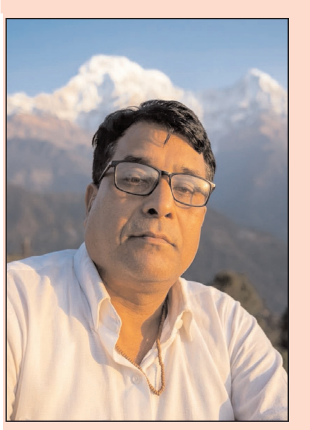

राजेश ओझा

भाइयों, अगर आपकी जिंदगी बहुत शांत चल रही है। सुबह चाय, शाम को सुकून, और रात को नींद। तो मेरी सलाह है - फौरन फेसबुक, इंस्टा, ट्विटर ज्वाइन कर लीजिए।

क्योंकि शांति सबसे खतरनाक चीज है। उसे तोड़ने के लिए मार्क जुकरबर्ग ने दुनिया का सबसे बड़ा 'टेंशन का ठेका' खोल रखा है। नाम है सोशल मीडिया।

यहाँ आपकी फ्रेंड लिस्ट देखिए। 2000 मित्र। वाह! पर ठहरिए। इनमें मित्र कितने हैं और 'मित्र रूपी पूतना' कितनी हैं, ये भगवान ही जाने।

दिक्कत ये है कि जुकरबर्ग साहब ने सिर्फ एक ही बटन दिया - 'एड फ्रेण्ड '। उन्हें 'एड फ्रेण्ड' के साथ 'एड परिचित' का ऑप्शन देना चाहिए था। क्योंकि हर दूध पिलाने वाली औरत माता यशोदा नहीं होती। कुछ पूतना भी होती हैं। जो विष वाला दूध पिलाकर कहती हैं - 'अरे कुछ नहीं, बस ऐसे ही पोस्ट कर दी थी तुम्हारे लिए।'

यहाँ का सिस्टम बड़ा प्यारा है। आपने एक पोस्ट डाली जिसमें 'की' की जगह 'कि' लिख दिया। बस फिर क्या था। वही मित्र जो कल आपकी डीपी पर 'नाइस पिक ब्रो' लिख रहे थे, आज ज्ञान के अवतार बन जाएंगे। लक्ष्य करती पोस्ट लिखेंगे। सार्वजनिक रूप से आपकी व्याकरण की ऐसी क्लास लेंगे कि आप सोचेंगे काश 5वीं में ही मर जाता।

इनका फेवरेट खेल है 'लक्ष्य करके पोस्ट लिखना फिर एक-एक टिप्पणी पर ठहाके लगाना'। आपने सरकार की आलोचना की? तुरंत 3 मित्र आकर कहेंगे 'राजनीति मत करो'।

आपने सरकार की तारीफ की? दूसरे 3 आकर कहेंगे 'अंधभक्त हो क्या'।

निष्कर्षः सोशल मीडिया ज्वाइन करना है तो मोटी चमड़ी और मजबूत वाईफाई दोनों रखिए। वरना यहाँ मित्र आपको प्यार से नहीं, पोस्ट से मारेंगे।

और हाँ, जुकरबर्ग जी, अगली अपडेट में 'एड परिचित' वाला फीचर जरूर डाल देना। कम से कम यह तो पता रहेगा कि कौन मित्र है और कौन सिर्फ परिचित है। जैसे प्रत्येक दूध पिलाने वाली स्त्री माता नहीं होती वह पूतना भी हो सकती है, उसी तर्ज पर फेसबुक का प्रत्येक मित्र,मित्र नहीं होता उसे आप सिर्फ जानते भर हैं बाकी उससे आपकी कोई संवेदना नहीं होती। जुकरबर्ग भाई यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो फिर कोइ बाबा भारती किसी खडग सिंह को मना नहीं करेगा। संवेदना दिखाकर डकैत आते रहेंगे। मित्र के खोल में दुश्मन हमारे चारो तरफ फैले रहेंगे।

इतिहास

11 अगस्त का दिन देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं का साक्षी है। आज ही के दिन सन 1908 में महान स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस को देश के लिए मात्र 18 साल की उम्र में फांसी दी गई थी ।प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ1908: भारत के कम उम्र के युवा क्रांतिकारी खुदीराम बोस हँसते-हँसते फाँसी के फंदे पर चढ़ गए और शहीद हो गए ।1961: पूर्व पुर्तगाली क्षेत्र रहे दादरा और नगर हवेली का भारत में विलय हुआ और इसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया ।1999: यूरोप और एशिया के कई हिस्सों में सदी का अंतिम पूर्ण सूर्य ग्रहण दिखाई दिया ।जन्म1961: प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी का जन्म हुआ ।1978: भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण का जन्म हुआ ।1985: बॉलीवुड अभिनेत्री जैक्लीन फर्नांडेज का जन्म हुआ।

नशा मुक्ति अभियान में पत्रकारिता की भूमिका निर्णायक : मधुकर द्विवेदी

मनेंद्रगढ़ में पीआईबी रायपुर द्वारा आयोजित हुई परिचर्चा

विश्व केसरी■

मनेंद्रगढ़। वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी ने कहा कि पत्रकारिता का मूल दायित्व केवल घटनाओं की जानकारी देना नहीं, बल्कि समाज के सामने सही तथ्य रखना, जनहित के मुद्दों को आवाज देना और व्यवस्था को उसके दायित्वों के प्रति जवाबदेह बनाना है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति जैसे गंभीर सामाजिक विषय पर पत्रकारिता की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। मीडिया को नशे से जुड़ी कुरीतियों और गलत गतिविधियों को उजागर करने के साथ-साथ युवाओं के सामने सकारात्मक विकल्प, प्रेरणादायक उदाहरण और सही दिशा भी प्रस्तुत करनी चाहिए।

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), रायपुर द्वारा रविवार को मनेंद्रगढ़ में पत्रकारों के लिए आयोजित एक दिवसीय क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला-सह-संवाद कार्यक्रम 'वार्तालाप' में द्विवेदी ने पत्रकारिता की सामाजिक जिम्मेदारी और नशा मुक्ति अभियान में मीडिया की भूमिका पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। कार्यशाला का मुख्य विषय 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' था।

द्विवेदी ने कहा कि पत्रकारिता की वास्तविक शक्ति उसके शब्दों, तथ्यों और जनविश्वास में निहित है। एक पत्रकार की कलम केवल समाचार नहीं लिखती, बल्कि जनमत का निर्माण करती है, समाज में चेतना पैदा करती है और आवश्यकता पड़ने पर सत्ता एवं व्यवस्था से सवाल भी करती है। उन्होंने कहा कि जब समाज की विभिन्न संस्थाएं अपने दायित्वों का निर्वहन अपेक्षित रूप से नहीं कर पा रही हों, तब पत्रकारिता की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। पत्रकार के पास समाज के सामने सच रखने और जनहित के प्रश्नों को प्रभावी ढंग से उठाने की विशेष शक्ति है। पत्रकारिता की प्रभावशीलता को रेखांकित करते हुए द्विवेदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी और 'वॉशिंगटन पोस्ट' से जुड़े प्रसंग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह उदाहरण बताता है कि निर्भीक, तथ्यपरक और प्रभावशाली पत्रकारिता सत्ता के सर्वोच्च स्तर तक को प्रभावित कर सकती है। यदि पत्रकारिता किसी जनहित के मुद्दे को पूरी प्रतिबद्धता और दृढ़ता के साथ उठाती है, तो उसकी आवाज दुनिया के सबसे शक्तिशाली पद पर बैठे व्यक्ति तक भी पहुंच सकती है और उसे जवाबदेह बनाने की क्षमता रखती है।

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को केवल समाचार को प्रमुखता दिलाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। समाज के उन मुद्दों को सामने लाना भी पत्रकारिता का दायित्व है, जिन पर व्यापक जनजागरूकता की आवश्यकता है। नशे की समस्या को इसी दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। यह केवल किसी एक व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति की शुरुआत स्वयं से होनी चाहिए और इसके संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना आवश्यक है। द्विवेदी ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम या समाचार की विषय-वस्तु मानने के बजाय इसे व्यापक सामाजिक आंदोलन के रूप में देखने की आवश्यकता है। मीडिया इस आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पत्रकार नशे से जुड़ी कुरीतियों और गलत गतिविधियों को उजागर करने के साथ-साथ युवाओं को खेल, शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वयंसेवा और राष्ट्र निर्माण जैसे सकारात्मक विकल्पों से जोड़ने वाली खबरों और कहानियों को भी प्रमुखता दें।

बिलाईगढ़ के जर्जर शासकीय विद्यालय में विद्यार्थी पढ़ाई के लिए हो रहे मजबूर

विश्व केसरी■

सरसीवां। मामला बिलाई गढ़ विकास खंड शिक्षा विभाग अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत गाताडीह के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय का मूल भवन पूर्ण रूप से जर्जर और खंडहर में तब्दील हो गया है कभी इस गांव में सन् 1965 से भवन पर स्कूल संचालित हुआ करती थी। जहां वर्षों पुरानी विद्यालय संचालित जगह आज विरान सा नजर आने लगता है। जहां मूल पूर्व माध्यमिक शाला भवन के जर्जर होने से पदस्थ शिक्षक अतिरिक्त संकुल भवन में स्कूल संचालित करने पड़ रहे हैं। जहां गाताडीह गांव के वर्षों पुराने स्कूल आसपास क्षेत्र के गांव के लोगो में पढ़ाई के क्षेत्र में शान हुआ करता था और आसपास क्षेत्र के गांव के बच्चे विद्यालय पढ़ने आते थे। पूर्व माध्यमिक शाला भवन के जर्जर होने से आज पढ़ने वाले बच्चों को अतिरिक्त भवन में पढ़ाई करने पड़ रहे है। जहां अतिरिक्त संकूल भवन में बच्चों के लिए पर्याप्त बैठने का कमरा नहीं है जहां छात्र छात्राएं असुविधाओं के बीच पढ़ाई करते हैं।

जिस जगह अतिरिक्त भवन में संचालित हो रहा है ओ क्षेत्र पठारी हैऔर बारिश के मौसम में हमेशा ऊपरी जंगल का पानी बहता है।और स्कूल परिसर पर बड़े बड़े जंगली पत्थर ज़मीन रास्ते में उबड खाबड़ स्कूली बच्चों के लिए मुसीबत बना हुआ है।

जहां अतिरिक्त संकुल भवन पर बने शौचालय की स्थिति इतनी दयनीय है मानो कोई भी बच्चे शौचालय का उपयोग न कर सके। बने शौचालय का लोहे का दरवाजा सडा हुआ और दरवाजे टूट फूट गये है ।ऐसे स्थिति में पढ़ने वाले छात्र छात्राएं कैसे शौचालय का उपयोग कर पायेंगे। जबकि अतिरिक्त संकुल भवन पर संचालित स्कूल परिसर असुविधाओं का आलम बना हुआ है। जबकि शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में पदस्थ शिक्षक भी मूल शाला भवन विहिन से परेशान हैं। जबकि शिक्षक मूल शाला भवन जर्जर होने की शिकायत कई बार शिक्षा विभाग में कर चुके हैं। आपको बता दे की बिलाईगढ़ विकासखंड अंतर्गत गांव गाताडीह का मूल शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भवन जर्जर तो हो गया है। जिसके कारण से आज शिक्षकों को अतिरिक्त संकुल भवन में पर्याप्त जगह नहीं से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जहां ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने बताया कि सन् 1965 से संचालित स्कूल भवन आज पूर्ण रूप से जर्जर हो गया है । जिसके चलते आज अतिरिक्त संकुल भवन में स्कूल संचालित किया जा रहा है। बताया गया कि समय रहते मूल शाला भवन का जिर्णोद्धार किया गया रहता तो आज 1965 से संचालित शासकीय स्कूल भवन जर्जर नहीं हुआ होता जो आज स्कूल भवन विभागीय दंत का शिकार हो गया जहां शिक्षा विभाग ज़रा सा भी ध्यान दिये रहता तो आज वर्षों पुरानी मूल पूर्व माध्यमिक विद्यालय भवन खंडहर में तब्दील नहीं होता। जबकि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या लगभग 65 होगी जहां बच्चों को शिक्षित करने के लिए विभाग ने लिए चार शिक्षकों की पदस्थापना किया हुआ है। जबकि बिलाई गढ़ विकास खंड के शासकीय स्कूल भवन जर्जर होने का समाचार प्रकाशन कर शासन प्रशासन को अवगत कराने पहल किया जाता है।

शिवालयों में उमड़ी आस्था की भीड़, दिखा उत्साह

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजे मंदिर परिसर, भक्तों ने किया भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक

विश्व केसरी■

केशकाल। सावन माह के दूसरे सोमवार को केशकाल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिरों में उमड़ पड़ी।

श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान शिव का दर्शन किया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

सावन सोमवार को लेकर सुबह से ही शिवालयों में विशेष धार्मिक माहौल बना रहा। श्रद्धालु अपने साथ जल, दूध, बेलपत्र, पुष्प, धतूरा, भस्म सहित अन्य पूजन सामग्री लेकर मंदिर पहुंचे। भगवान शिव का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक कर भक्तों ने भोलेनाथ से मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। मंदिर परिसर में लगातार हर-हर महादेव, बम-बम भोले और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे।

सुबह से ही मंदिरों में पहुंचने लगे श्रद्धालु

सावन के दूसरे सोमवार को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। सुबह सूर्योदय से पहले ही कई शिव मंदिरों में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ता गया, मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ती गई। महिलाओं और युवाओं के साथ बुजुर्ग श्रद्धालुओं ने भी भगवान शिव की पूजा-अर्चना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

पूजा-अर्चना कर मांगी सुख-समृद्धि

श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को बेलपत्र, फूल और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर विधिवत पूजा की। कई भक्तों ने सावन सोमवार का व्रत भी रखा। मान्यता के अनुसार सावन का सोमवार भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। इसी आस्था के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूरे दिन शिवालयों में पहुंचते रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने फाइनेंस लैब में सीखी डिजिटल लेनदेन एवं वित्तीय प्रबंधन की बारीकियां

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार। विकासखंड बलौदाबाजार के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों के कार्यकर्त्ताओं ने सोमवार को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल में जिला प्रशासन द्वारा संचालित जिला फाइनेंस लैब का भ्रमण किया। इस दौरान लैब के अनुदेशको ने डिजिटल लेनदेन, साइबर फ्रॉड, वित्तीय जोखिम,सुरक्षित निवेश आदि की सहज़ ढंग ह्यद्र जानकारी प्रदान की।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ ने जिला फाइनेंस लैब में उपलब्ध सुविधा और वित्तीय साक्षरता के लिये दी जा रही प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा क्ि लैब में विभिन्न खेलों के.माध्यम से लेनदेन के तरीके को और व्यापारिक गतिविधियों को आसानी से समझा जा सकता है।

जिले में अर्थशाला के माध्यम से प्रत्येक दिन अलग-अलग वर्गों के लिए विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। सोमवार को कक्षा 11वीं एवं 12वीं के स्कूली विद्यार्थियों, मंगलवार को महिला स्व-सहायता समूहों, बुधवार को किसानों तथा गुरुवार को महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को वित्तीय प्रबंधन, निवेश, साइबर सुरक्षा और डिजिटल वित्तीय साक्षरता से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को वित्तीय रूप से जागरूक बनाना, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देना तथा निवेश और वित्तीय निर्णयों के प्रति सही जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि आमजन आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मविश्वासी बन सकें।

मिडिल स्कूल पदमपुर में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर छात्र-छात्राओं को दी गई जानकारी

विश्व केसरी■

पदमपुर। बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमि संक्रमण से मुक्त रखने तथा उनके स्वस्थ विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मिडिल स्कूल पदमपुर में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 125 किशोर-किशोरियों को एल्बेंडाजोल 400 मि.ग्रा. की कृमिनाशक गोली का सेवन कराया गया।

इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष बंजारा ने बच्चों को एल्बेंडाजोल के महत्व एवं फायदों की जानकारी देते हुए बताया कि एल्बेंडाजोल आंतों में मौजूद राउंडवर्म, हुकवर्म एवं व्हिपवर्म जैसे कृमियों को खत्म करने में मदद करती है। इससे कृमि संक्रमण के कारण होने वाली पोषण की कमी, कमजोरी, थकान, भूख में कमी एवं पेट की परेशानी को कम करने में सहायता मिलती है। नियमित कृमिनाशन बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण एवं शारीरिक विकास में सहायक है तथा समुदाय में कृमि संक्रमण का बोझ कम करने में भी मदद करता है। डॉ. बंजारा ने बच्चों से स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए भोजन से पहले एवं शौच के बाद साबुन से हाथ धोने, स्वच्छ पानी पीने, नाखून छोटे एवं साफ रखने तथा खुले में शौच से बचने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि जो बच्चे किसी कारणवश निर्धारित दिवस पर कृमिनाशक दवा का सेवन नहीं कर पाए हैं, उन्हें मॉप-अप दिवस 17 अगस्त 2026 को दवा खिलाई जाएगी, ताकि कोई भी बच्चा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान से वंचित न रहे।

ग्राम पंचायत सचिव निलंबित

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर जिला प्रशासन द्वारा सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा रही है।इसी कड़ी में ग्राम पंचायत सचिव द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों के अवहेलना एवं कार्य में लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड सिमगा अंतर्गत ग्राम पंचायत सचिव हीरालाल यादव द्वारा ग्राम पंचायत हथबंद का प्रभार आज पर्यन्त तक नही लिये जाने, वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशो-निर्देशों का पालन नहीं करने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। नोटिस का जवाब संतोषप्रद नही होने, सचिवीय दायित्वों के निवर्हन में रुचि नहीं लेने एवं कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही बरतने के कारण छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम, 1999 के भाग दो नियम 4 के तहत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बलौदाबाजार - भाटपार द्वारा हीरालाल यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में ग्राम पंचायत सचिव हीरा लालयादव का मुख्यालय जनपद पंचायत सिमगा निर्धारित किया गया है एवं इन्हे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता रहेगी।

जन्मदिन पर स्कूली बच्चों संग बांटी खुशियां

बालपुर मंडी के समिति प्रबंधक खेमचंद सोनवानी ने स्कूली बच्चों को बांटी शैक्षणिक सामग्री

विश्व केसरी■

सरसीवां। कृषि साख सहकारी समिति के मंडी प्रबंधक खेमचंद सोनवानी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर सेवा कार्य करते हुए जरूरतमंदों के बीच खुशियां बांटी। जहां प्रबंधक ने शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सरधाभाठा में स्कूली बच्चों को पुस्तक,कॉपी, सहित आवश्यक शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया। इस पहल के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया गया।

विश्व आदिवासी दिवस पर उमड़ा जनसैलाब, 70-80 हजार लोगों ने बुलंद की आदिवासी अधिकारों की आवाज

दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डॉ. लक्ष्मण यादव ने किया संबोधित, आदिवासी अधिकारों और उनके संवैधानिक संरक्षण के मुद्दों पर विस्तार से रखी अपनी बात

विश्व केसरी■

अंतागढ़। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर अंतागढ़ के नयापारा स्थित उन्मुक्त खेल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में रविवार को आदिवासी समाज का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में करीब 70 से 80 हजार लोगों की मौजूदगी रही। छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा, संस्कृति और उत्साह के साथ अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डॉ. लक्ष्मण यादव ने मुख्य वक्ता के रूप में आदिवासी अधिकारों और उनके संवैधानिक संरक्षण के मुद्दों पर विस्तार से अपनी बात रखी। डॉ. लक्ष्मण यादव ने आदिवासी समाज की विभिन्न मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई केवल किसी एक व्यक्ति या संगठन की लड़ाई नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के अधिकारों के लिए अनेक वीरों ने अपना जीवन न्यौछावर किया है। अब उनके संघर्ष और बलिदान का कर्ज चुकाने की बारी वर्तमान पीढ़ी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूंजीपतियों और बड़े कारोबारी हितों के कारण आदिवासियों के प्राकृतिक संसाधनों और अधिकारों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिस जमीन, जंगल और प्राकृतिक संपदा पर आदिवासी पीढ़ियों से निर्भर रहे हैं, उस पर उनके अधिकारों को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए।

15 सूत्रीय मांगों को लेकर उठी आवाज

कार्यक्रम में आदिवासी समाज की ओर से रखी गई 15 सूत्रीय मांगों का समर्थन करते हुए इनके प्रभावी क्रियान्वयन की मांग की गई। संयुक्त ज्ञापन में आदिवासी समुदाय के संवैधानिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन पर जोर दिया गया है।

जनगणना में पृथक आदिवासी धर्म कोड की मांग

आदिवासी समाज की धार्मिक पहचान को संरक्षित करने के लिए आगामी जनगणना में पृथक 'आदिवासी धर्म कोड' शामिल करने की मांग की गई है। साथ ही आदिवासी पारंपरिक आस्था एवं विश्वास को वैज्ञानिक मान्यता देने तथा जनगणना में आदिवासी समुदाय की वास्तविक संख्या और सामाजिक स्थिति का सही आकलन सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई।

परिसीमन में आदिवासी राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुरक्षित हो

परिसीमन के दौरान अनुसूचित क्षेत्रों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को कम नहीं करने और जिन क्षेत्रों की आबादी बढ़ी है, वहां आदिवासी समुदाय को उसके अनुपात में प्रतिनिधित्व देने की मांग की गई। आदिवासी आरक्षित सीटों की संख्या एवं प्रभावशीलता बनाए रखने पर भी जोर दिया गया।

राजिम विधायक रोहित साहू के नेतृत्व में निकली भव्य जलाभिषेक रैली, भगवा ध्वजों के साथ उमड़ा शिवभक्तों का जनसैलाब।

विश्व केसरी

उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद मामूली बढ़त के साथ सपाट बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स में 43 अंकों की बढ़त

विश्व केसरी ■

मुंबई । होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर अनिश्चितता के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद हुआ। उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद सेंसेक्स और निफ्टी50 में मामूली बढ़त देखने को मिली।

इस दौरान, निफ्टी50 13.15 अंक यानी 0.05 प्रतिशत बढ़कर 24,583.80 पर बंद हुआ, तो वहीं सेंसेक्स 43.27 अंक यानी 0.06 प्रतिशत बढ़कर 78,542.44 पर पहुंच गया।

व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 0.62 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.27 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि दोनों सूचकांक अभी भी अपने-अपने रिकॉर्ड उच्च स्तरों के करीब कारोबार कर रहे हैं, जो व्यापक बाजार में बनी हुई मजबूती को दर्शाता है।

सेक्टरवार विश्लेषण करें तो निफ्टी पीएसयू बैंक में लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट आई और यह सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर बनकर उभरा। निफ्टी फार्मा और निफ्टी एफएमसीजी का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। वहीं, निफ्टी रियल्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया।

निफ्टी50 इंडेक्स में टाइटन, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम और टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई, जबकि एसबीआई, इटरनल, आईटीसी, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टीसीएस, विप्रो और कोल इंडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, आने वाले कारोबारी सत्रों में 24,750 से 24,800 का क्षेत्र निफ्टी के लिए महत्वपूर्ण रेजिस्टेंस जोन बना रहेगा। यदि सूचकांक इस स्तर के ऊपर मजबूती से टिकने में सफल रहता है, तो यह आगे बढ़कर 24,950 और उसके बाद 25,100 के स्तर की ओर बढ़ सकता है।

दूसरी ओर, गिरावट की स्थिति में 24,450 से 24,420 का क्षेत्र निफ्टी के लिए निकटतम और मजबूत सपोर्ट जोन माना जा रहा है। जब तक सूचकांक इस स्तर के ऊपर बना रहता है, तब तक बाजार की व्यापक संरचना सकारात्मक बनी रहने की संभावना है।

त्योहारी मांग और मजबूत वैश्विक संकेतों से चमका सोना-चांदी, एक हफ्ते में सोना 8,600 रुपए और चांदी 15,000 रुपए से ज्यादा महंगी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन से पहले बढ़ती खरीदारी और वैश्विक बाजारों से मिल रहे मजबूत संकेतों के बीच सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिली। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर दोनों कीमती धातुओं में मजबूत खरीदारी दर्ज की गई, जिससे निवेशकों और ज्वेलरी खरीदारों की दिलचस्पी बढ़ती दिखाई दी।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को खबर लिखे जाने तक एमसीएक्स पर अक्टूबर 2026 डिलीवरी वाला सोना 0.69 प्रतिशत यानी 1,050 रुपए उछलकर 1,52,870 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान इसने 1,52,946 रुपए का दिन का हाई टच किया। वहीं दिन का निचला स्तर 1,51,461 रुपए रहा।

पिछले एक सप्ताह में सोने की कीमतों में उल्लेखनीय उछाल देखने को मिला है। 31 जुलाई को एमसीएक्स पर 24 कैरेट सोना 1,43,376 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था, जबकि पिछले शुक्रवार को इसका भाव बढ़कर 1,51,985 रुपए पर पहुंच गया। इस तरह केवल पांच कारोबारी सत्रों में सोने की कीमत में 8,609 रुपए प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई। सोमवार के भाव के आधार पर देखें तो 31 जुलाई की तुलना में सोना कुल 8,644 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है।

वहीं चांदी ने सोने से भी बेहतर प्रदर्शन किया। सोमवार को एमसीएक्स पर सितंबर 2026 डिलीवरी वाली चांदी 1.50 प्रतिशत यानी 3,473 रुपए की उछाल के साथ 2,34,939 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। कारोबार के दौरान चांदी ने 2,35,221 रुपए का उच्चतम स्तर और 2,31,660 छुआ। चांदी में तेजी का रुख पिछले एक सप्ताह से लगातार बना हुआ है। 31 जुलाई को एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 2,18,295 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो पिछले शुक्रवार को बढ़कर 2,31,381 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। यानी पांच कारोबारी दिनों में चांदी 13,086 रुपए प्रति किलो महंगी हुई। सोमवार के भाव को आधार मानें तो 31 जुलाई के मुकाबले चांदी की कीमत में कुल 15,435 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की जा चुकी है।

निर्यातकों को बड़ी राहत, डीजीएफटी ने दो प्रमुख योजनाओं में फिजिकल ड्यूटी चालान जमा करने की अनिवार्यता खत्म की

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। निर्यातकों के लिए कारोबार को और आसान बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एडवांस ऑथराइजेशन (एए) और एक्सपोर्ट प्रमोशन कैपिटल गुड्स (ईपीसीजी) योजनाओं के तहत एक्सपोर्ट ऑब्लिगेशन डिस्चार्ज सर्टिफिकेट (ईओडीसी) प्राप्त करने के लिए फिजिकल ड्यूटी भुगतान चालान जमा करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, अब कस्टम्स और आइसगेट (आईसीईजीएटीई) से प्राप्त लाइसेंस-आधारित स्वैच्छिक ड्यूटी भुगतान संबंधी डेटा को डीजीएफटी की ऑनलाइन प्रणाली के साथ एकीकृत कर दिया गया है। इससे संबंधित भुगतान की प्रमाणिक जांच सीधे संबंधित प्राधिकरण (ऑथराइजेशन) के साथ डिजिटल रूप से की जा सकेगी।

नई व्यवस्था के तहत 1 अगस्त 2026 या उसके बाद किए गए स्वैच्छिक ड्यूटी भुगतानों के लिए निर्यातकों को ऑथराइजेशन क्लोजर आवेदन के साथ फिजिकल चालान जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

डीजीएफटी ने बताया कि भुगतान से जुड़ी प्रमाणित जानकारी अब निर्यातकों को डीजीएफटी ग्राहक पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इससे वे आवेदन करने से पहले यह सुनिश्चित कर सकेंगे कि भुगतान सही ऑथराइजेशन के साथ मैप हुआ है या नहीं।

इसी तरह, यही प्रमाणित भुगतान रिकॉर्ड डीजीएफटी के क्षेत्रीय कार्यालयों को भी उनके बैक-ऑफिस सिस्टम पर उपलब्ध रहेगा, जिससे भुगतान विवरण की मैन्युअल जांच की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी और आवेदन प्रक्रिया तेज होगी।

मंत्रालय के अनुसार, इस बदलाव से आवेदन निपटान में लगने वाला समय कम होगा, अनावश्यक पत्राचार घटेगा और विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं समान होगी।

यह डिजिटल सुविधा डीजीएफटी और आईसीईजीएटीई के बीच एपीआई-आधारित डेटा एक्सचेंज सिस्टम के माध्यम से लागू की गई है, जिसके तहत कस्टम्स सिस्टम से ड्यूटी भुगतान संबंधी जानकारी सीधे डीजीएफटी के ईओडीसी प्रोसेसिंग वर्कफ्लो में भेजी जाएगी।

हुंडई मोटर इंडिया 2030 तक कनेक्टेड कारों की बिक्री 20 लाख तक ले जाने की बना रही योजना

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने सोमवार को ऐलान किया कि उसकी योजना 2030 तक कुल 20 लाख कनेक्टेड कारों की बिक्री करना है, वहीं, भारतीय सड़कों पर कंपनी की 8 लाख से ज्यादा कनेक्टेड कारें मौजूद हैं।

वहीं, 2027 तक एचएमआईएल 10 लाख कनेक्टेड कारों की बिक्री का लक्ष्य बना रही है।

हुंडई मोटर इंडिया के बयान में कहा गया है कि एचएमआईएल के एआई-पावर्ड कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म 'हुंडई ब्लूलिंक' को ग्राहकों से मिल रहे जबरदस्त रिस्पॉन्स से कंपनी को अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

बयान में आगे कहा गया है कि अपने मजबूत पोर्टफोलियो के दम पर एचएमआईएल का लक्ष्य 2030 तक 20 लाख कनेक्टेड कारों की बिक्री का आंकड़ा पार करना है।

ब्लूलिंक सुरक्षा और सुविधा से जुड़े 70 से ज्यादा फीचर देता है। इनमें रिमोट व्हीकल मॉनिटरिंग, व्हीकल हेल्थ डायग्नोस्टिक्स, लोकेशन ट्रैकिंग, ट्रिप हिस्ट्री, रिमोट कमांड, हुंडई पे से इन-कार पेमेंट, डिजिटल की, डिजिटल पासपोर्ट, रिमोट इमोबिलाइजर और होम-टू-कार कनेक्टिविटी शामिल हैं।

कंपनी ने बताया कि ब्लूलिंक पांच भाषाओं में 450 से ज्यादा एआई-पावर्ड वॉइस कमांड को भी सपोर्ट करता है।

एचएमआईएल ने कहा कि उसकी आने वाली मास-मार्केट इलेक्ट्रिक एसयूवी के सभी वैरिएंट में स्टैंडर्ड तौर पर नेक्स्ट-जेनरेशन कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी शामिल होगी। एचएमआईएल के एमडी और सीईओ तरुण गर्ग ने कहा, 'यह कनेक्टेड और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के तालमेल को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है, साथ ही यह ग्राहकों को भविष्य के लिए तैयार ओनरशिप अनुभव भी देता है।' गर्ग ने आगे कहा, 'कनेक्टेड गाड़ियों को तेजी से अपनाना ग्राहकों की बदलती उम्मीदों और मोबिलिटी को आकार देने में टेक्नोलॉजी की बढ़ती भूमिका को दिखाता है।'

ब्लूलिंक को 2019 में हुंडई वेन्यू में लॉन्च किया गया था। इसके बाद 2020 में इसमें ओवर-द-एयर मैप अपडेट जोड़े गए और 2022 में नेक्स्ट-जेनरेशन एवीएनटी कनेक्टेड टेक्नोलॉजी पेश की गई।

कंपनी ने 2025 में कंट्रोलर ओटीए अपडेट क्षमता के साथ कनेक्टेड कार नेविगेशन कॉकपिट लॉन्च किया, जो भारत के लिए एचएमआईएल के सॉफ्टवेयर-डिफाइंड व्हीकल (एसडीवी) रोडमैप में एक अहम कदम है।

केंद्र का 1,847 बड़े इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स पर खर्च बढ़कर 21.97 लाख करोड़ रुपए हुआ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत का 1,847 बड़े इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स (जिन्हें अभी बनाया जा रहा है) पर पूंजीगत खर्च जून, 2026 तक 21.97 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह केंद्र सरकार द्वारा बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए निर्धारित किए गए 40.54 लाख करोड़ रुपए के कुल निवेश का 54 प्रतिशत से अधिक है। यह जानकारी केंद्र द्वारा सोमवार को जारी फैक्टशीट में दी गई। फैक्टशीट के अनुसार, कई प्रोजेक्ट पूरे होने के एडवांस स्टेज पर पहुंच चुके हैं। लगभग 709 प्रोजेक्ट्स में से 80 प्रतिशत से ज्यादा विकसित हो चुके हैं, जबकि 337 अन्य प्रोजेक्ट्स में 80 प्रतिशत से ज्यादा वित्तीय काम पूरा हो चुका है। कनेक्टिविटी पर फोकस को देखते हुए, ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स सेक्टर 1,341 प्रोजेक्ट्स (जिनकी कीमत 22.32 लाख करोड़ रुपए है) के साथ सबसे आगे है।

ये प्रोजेक्ट देश की आर्थिक विकास दर को बढ़ाने और ज्यादा नौकरियां पैदा करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

पीएआईएमएएनए (राष्ट्र-निर्माण के लिए प्रोजेक्ट असेसमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर मॉनिटरिंग और एनालिटिक्स) डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की कुशल निगरानी की जा रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा विकसित, पीएआईएमएएनए का इस्तेमाल 150 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा लागत वाले चल रहे केंद्रीय क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की निगरानी के लिए किया जाता है।

प्रोजेक्ट की निगरानी को मजबूत करने के अलावा, पीएआईएमएएनए ने 16 अप्रैल, 2026 को लॉन्च किए गए एक समर्पित 'परफॉर्मेंस मॉनिटरिंग डैशबोर्ड' के जरिए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदर्शन की निगरानी में मदद करने के लिए अपनी भूमिका का विस्तार किया है।

'परफॉर्मेंस मॉनिटरिंग डैशबोर्ड' प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों के प्रदर्शन संकेतक को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक साथ लाता है। ये संकेतक संबंधित मंत्रालयों और विभागों द्वारा उपलब्ध कराए गए आधिकारिक डेटा से संकलित किए जाते हैं और नवीनतम उपलब्ध जानकारी के आधार पर समय-समय पर अपडेट किए जाते हैं।

एक विस्तृत संकेतक ढांचा छह इंफ्रास्ट्रक्चर उप-क्षेत्रों तक फैला हुआ है। इनमें बिजली, नागरिक उड्डयन, दूरसंचार, रेलवे, सड़कें, और बंदरगाह, शिपिंग और जलमार्ग शामिल हैं।

'परफॉर्मेंस मॉनिटरिंग डैशबोर्ड' का विस्तार अब 165 संकेतक तक कर दिया गया है। इस विस्तार में 54 नए संकेतक को शामिल किया गया है, जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदर्शन की निगरानी की व्यापकता में काफी वृद्धि हुई है।

भारत में वित्त वर्ष 26 में 366 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए जुटाए 1.9 लाख करोड़ रुपए

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में 366 कंपनियों ने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के जरिए वित्त वर्ष 26 में कुल 1.9 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसमें मेनबोर्ड और एसएमई प्लेटफॉर्म पर आए आईपीओ शामिल हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सोमवार को दी गई।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 26 में मेनबोर्ड आईपीओ की लिस्टिंग ऑल-टाइम हाई पर रही है और इस दौरान 109 कंपनियों ने 1.77 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं।

बीते वित्त वर्ष में रिकॉर्ड फंड जुटाने की गतिविधि और लिस्टिंग गेन में कमी एक साथ देखी गई, जो यह दिखाती है कि बाजार अब अधिक समझदार और परिपक्व हो रहा है।

हालांकि, लिस्टिंग से होने वाला मुनाफा और ओवरसब्सक्रिप्शन का स्तर वित्त वर्ष 25 के उच्चतम स्तर से कम हुआ है। इससे पता चलता है कि बाजार अब वैल्यूएशन को लेकर अधिक सतर्क है, जहां आईपीओ की सफलता काफी हद तक सही प्राइसिंग, कमाई की क्वालिटी और संस्थागत भागीदारी पर निर्भर करती है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर और सीएफओ एडवाइजरी लीडर, करण मारवाह ने कहा, 'आज के आईपीओ मार्केट में सफलता का मतलब सिर्फ लिस्ट होने की क्षमता नहीं है, बल्कि एक पब्लिक कंपनी के तौर पर काम करने की तैयारी है,जिसमें गवर्नेंस, अनुशासन और विश्वसनीयता हो ताकि लिस्टिंग के दिन के बाद भी निवेशकों का भरोसा बना रहे।'

भू-राजनीतिक अनिश्चितता और महंगाई के दबाव के बावजूद, घरेलू स्तर पर मजबूत भागीदारी की वजह से भारत के कैपिटल मार्केट मजबूत बने रहे।

हालांकि, निवेशकों की जोखिम लेने की इच्छा अब अधिक सोच-समझकर तय होने लगी है।

क्योंकि मार्केट का मूड ग्लोबल घटनाक्रम, कमोडिटी की कीमतों और करेंसी में उतार-चढ़ाव से ज्यादा प्रभावित हो रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि हाल के रेगुलेटरी सुधारों में आईपीओ इकोसिस्टम में पारदर्शिता, पहुंच और निवेशकों की सुरक्षा को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया गया है।

घरेलू निवेशकों का जलवा बरकरार, लगातार तीसरे साल 5 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचा इक्विटी निवेश

विश्व केसरी ■

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का प्रभाव लगातार मजबूत होता जा रहा है। घरेलू निवेशकों ने कैलेंडर वर्ष 2026 में 7 अगस्त तक 5.13 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध इक्विटी निवेश किया है। इसके साथ ही यह लगातार तीसरा वर्ष बन गया है जब घरेलू संस्थागत निवेशकों का निवेश 5 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया है। यह उपलब्धि ऐसे समय में आई है जब विदेशी पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, घरेलू संस्थागत निवेशकों में बैंक, घरेलू वित्तीय संस्थान (डीएफआई), बीमा कंपनियां, पेंशन फंड और म्यूचुअल फंड शामिल हैं। पिछले वर्ष यानी कैलेंडर वर्ष 2025 की समान अवधि में डीआईआई ने 4.48 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया था। इस बार यह आंकड़ा उससे काफी अधिक रहा है।

पूरा वर्ष 2025 देखें तो घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 7.88 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। वहीं वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 5.26 लाख करोड़ रुपए रहा था। लगातार बढ़ते निवेश से स्पष्ट है कि भारतीय निवेशकों का घरेलू पूंजी बाजार पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है।

पिछले 36 महीनों यानी अगस्त 2023 से अब तक डीआईआई ने भारतीय इक्विटी बाजार में कुल 19.21 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसके विपरीत इसी अवधि में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने लगभग 10 लाख करोड़ रुपए के भारतीय शेयर बेचे हैं। ऐसे में घरेलू निवेशकों ने बाजार को स्थिरता देने और विदेशी बिकवाली के प्रभाव को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और म्यूचुअल फंडों के जरिए खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी घरेलू निवेश प्रवाह का मुख्य आधार रही है। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारतीय बाजारों में निवेशकों का विश्वास बना हुआ है।

विश्लेषकों के अनुसार, हाल के महीनों में जीएसटी संग्रह मजबूत बना हुआ है और आर्थिक मोर्चे पर कोई बड़ी नकारात्मक स्थिति सामने नहीं आई है। यही कारण है कि निवेशकों का रुझान भारतीय इक्विटी बाजार की ओर बना हुआ है।

म्यूचुअल फंड उद्योग में इक्विटी और बैलेंस्ड फंड योजनाओं में लगातार मजबूत निवेश आ रहा है।

दिल्ली में यहां लगता है क्रॉकरी का सबसे बड़ा खजाना! 50 रूपये से शुरू होती हैं शानदार चीजें, घर सजाने का है शौक तो जरूर जाएं

दिल्ली में कम बजट में खूबसूरत क्रॉकरी और होम डेकोर खरीदना चाहते हैं? हौज रानी मार्केट, सदर बाजार और आजाद मार्केट में 50 से शुरू होने वाली कई चीजें मिल सकती हैं. जानिए इन बाजारों में क्या-क्या मिलेगा और खरीदारी के दौरान किन बातों का ध्यान रखें...

घर को खूबसूरत बनाने के लिए हमेशा महंगे फर्नीचर या बड़ी सजावट की जरूरत नहीं होती. कई बार अच्छी क्रॉकरी, सुंदर कप, प्लेट, कटोरी और छोटे-छोटे होम डेकोर आइटम ही घर का पूरा लुक बदल देते हैं. अगर आपको भी ऐसी चीजें खरीदने का शौक है, तो दिल्ली के कुछ बाजार आपके लिए काफी काम के हो सकते हैं. यहां आपको एक ही जगह पर रोजमर्रा के बर्तनों से लेकर खूबसूरत और ट्रेंडी क्रॉकरी तक कई विकल्प मिल जाएंगे.

हौज रानी मार्केट, मालवीय नगर

मालवीय नगर का हौज रानी मार्केट उन जगहों में शामिल है, जहां कम बजट में भी घर के लिए अच्छी चीजें तलाश सकते हैं. यहां अलग-अलग दुकानों पर कप, मग, प्लेट, कटोरी, ग्लास, सर्विंग बाउल और डिनर सेट जैसे सामान मिल जाते हैं. अगर आपको सिर्फ जरूरत का सामान नहीं बल्कि थोड़ा हटकर डिजाइन वाली क्रॉकरी पसंद है, तो यहां घूमने में मजा आ सकता है. कुछ छोटी चीजें करीब 50 से शुरू हो सकती हैं, जबकि बड़े या डिजाइनर सामान की कीमत उनके साइज, मटेरियल और डिजाइन के हिसाब से बढ़ती जाती है.

इस मार्केट की एक खास बात यह है कि आपको एक ही सामान के कई डिजाइन देखने को मिल सकते हैं. इसलिए पहली दुकान पर पसंद आया सामान तुरंत खरीदने के बजाय दो-तीन दुकानों पर कीमत पूछ लेना बेहतर रहेगा.

अगर खरीदारी का बजट थोड़ा ज्यादा है या आपको एक साथ कई सामान लेने हैं, तो सदर बाजार का रुख कर सकते हैं. पुरानी दिल्ली का यह इलाका अपनी तरह-तरह की दुकानों के लिए जाना जाता है. यहां किचन के सामान से लेकर क्रॉकरी और घर में इस्तेमाल होने वाली कई चीजें मिल जाती हैं. आप यहां रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले ग्लास और प्लेट से लेकर मेहमानों के सामने सर्व करने के लिए आकर्षक बाउल और सर्विंग सेट तक तलाश सकते हैं. अगर घर में कोई फंक्शन है और बड़ी संख्या में सामान चाहिए, तो भी यह बाजार आपके काम आ सकता है.

आजाद मार्केट में भी देख सकते हैं क्रॉकरी

आजाद मार्केट भी उन जगहों में है जहां घरेलू जरूरत के सामान और क्रॉकरी के कई विकल्प मिल सकते हैं. यहां खरीदारी करते समय दुकानदार से अलग-अलग डिजाइन और रेट के बारे में जरूर पूछें. कई बार एक जैसी दिखने वाली चीजों की कीमत मटेरियल और क्वालिटी के कारण अलग होती है।

शाम को कुछ चटपटा खाने का है मन? घर पर बनाएं ठेले जैसी मसालेदार मटर चाट, इमली की चटनी और सेव बढ़ाएंगे स्वाद

शाम की छोटी भूख के लिए घर पर आसानी से चटपटी मटर चाट तैयार की जा सकती है. रातभर भीगी सफेद मटर को सही तरीके से पकाने पर चाट का टेक्सचर अच्छा रहता है।

इमली की खट्टी-मीठी चटनी, हरी चटनी और चाट मसाला इसे बाजार जैसा स्वाद देते हैं. ऊपर से प्याज, हरा धनिया, सेव और पापड़ी डालने से स्वाद के साथ कुरकुरापन भी बढ़ जाता है. तीखा और खट्टा स्वाद अपनी पसंद के अनुसार कम या ज्यादा किया जा सकता है. घर पर ठेले जैसी मसालेदार मटर चाट बनाने के लिए यह आसान तरीका आजमा सकते हैं.

शाम होते ही अगर कुछ चटपटा, खट्टा और मसालेदार खाने का मन करने लगे, तो मटर चाट एकदम सही विकल्प है. बाहर ठेले पर मिलने वाली चाट की खुशबू और स्वाद भला किसे पसंद नहीं होता? खासकर जब ऊपर से मीठी इमली की चटनी, तीखी हरी चटनी, भुना जीरा और कुरकुरे सेव पड़ते हैं, तो साधारण मटर भी बेहद स्वादिष्ट लगने लगती है, लेकिन हर बार स्ट्रीट फूड खाने के लिए बाहर जाना संभव नहीं होता।

कभी साफ-सफाई की चिंता रहती है, तो कभी मन करता है कि घर पर ही कुछ ऐसा बनाया जाए जो स्वाद में बाजार जैसा लगे. ऐसे में घर की रसोई में आसानी से बनने वाली मटर चाट आपकी क्रेविंग शांत कर सकती है.

इसके लिए बहुत ज्यादा सामग्री या किसी खास कुकिंग स्किल की जरूरत नहीं पड़ती. रातभर भिगोई हुई सफेद मटर, कुछ सब्जियां, मसाले और चटनी मिलाकर चटपटी चाट तैयार हो जाती है. अच्छी बात यह है कि आप इसमें तीखापन, खट्टापन और चटनी की मात्रा अपने स्वाद के हिसाब से रख सकते हैं. तो चलिए जानते हैं ठेले जैसी मसालेदार मटर चाट बनाने का आसान तरीका.

मटर चाट बनाने के लिए सामग्री

इस चाट को तैयार करने के लिए 1 कप सफेद मटर लें और इन्हें रातभर पानी में भिगोकर रखें. इसके अलावा 1 बारीक कटा प्याज, 1 टमाटर, 1-2 हरी मिर्च और 1 उबला हुआ आलू चाहिए. स्वाद बढ़ाने के लिए 2-3 बड़े चम्मच इमली की खट्टी-मीठी चटनी, 1 बड़ा चम्मच हरी चटनी, 1 छोटा चम्मच चाट मसाला और आधा छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर रखें. इसके साथ काला नमक, सादा नमक और लाल मिर्च पाउडर स्वाद के अनुसार डालें। आखिर में 1 चम्मच नींबू का रस, थोड़ा हरा धनिया और ऊपर से डालने के लिए सेव या पापड़ी रख लें. यही छोटी-छोटी चीजें चाट को बाजार वाला स्वाद देती हैं।

धूप-धूल से चेहरे पर पड़ गए दाग-धब्बे? ब्यूटीशियन ने बताए बेसन-दही समेत ये घरेलू नुस्खे

धूप और धूल की वजह से चेहरे पर टैनिंग, दाग-धब्बे और त्वचा संबंधी परेशानियां बढ़ सकती हैं. आगरा की ब्यूटीशियन सपना जादौन ने चेहरे की देखभाल के लिए बेसन-दही और मुल्तानी मिट्टी जैसे घरेलू उपायों की जानकारी दी है.

उत्तर प्रदेश के आगरा की ब्यूटीशियन ने लोगों को खास जानकारी दी है. दरअसल धूप, धूल आदि के कारण चेहरे पर पड़ने वाले धब्बों या टैनिंग को आप अब घरेलू नुस्खों से ठीक कर सकते हैं. ब्यूटीशियन ने बताया कि बाजार की महंगी और केमिकलयुक्त क्रीमों की बजाय घर पर आसानी से मिलने वाले आइटम्स यदि चेहरे पर लगाए जाएं, तो इससे जल्दी और प्रभावी असर देखने को मिलेगा. उन्होंने कहा कि घरेलू नुस्खों के रूप में चेहरे की देखभाल के लिए बेसन और दही का लेप काफी लाभकारी होता

बेसन त्वचा की गंदगी और अतिरिक्त तेल को साफ करने में मदद करता है, जबकि दही में मौजूद प्राकृतिक गुण त्वचा को नमी प्रदान कर उसे मुलायम और चमकदार बनाने में सहयोग करते हैं. उन्होंने कहा कि इसके अलावा मुल्तानी मिट्टी का उपयोग भी त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता है. यह चेहरे की गहराई से सफाई कर अतिरिक्त तेल हटाने और रोमछिद्रों को साफ रखने में काफी मदद करती है. हालांकि किसी भी घरेलू उपाय का उपयोग करने से पहले त्वचा पर पैच टेस्ट करना उचित रहता है. ब्यूटीशियन ने कहा कि बिना सलाह के केमिकल युक्त क्रीमों का अधिक प्रयोग करने से बचना चाहिए।

सिंगापुरी नूडल्स का टेस्ट अब आगरा के इस रेस्टोरेंट में भी, स्पेशल चाइनीज कारीगर करता है तैयार, नोट कर लें पता

उत्तर प्रदेश के आगरा स्थित शास्त्रीपुरम इलाके में इन दिनों एक खास डिश युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो रही है. यहां स्थित आंगन रेस्टोरेंट में मिलने वाली सिंगापुरी चाउमीन अपने अलग स्वाद और खास अंदाज के कारण लोगों को खूब पसंद आ रही है. सिंगापुर के मशहूर नूडल्स के स्वाद से प्रेरित इस डिश में कई तरह की ताजी सब्जियों, मसालों और तेल का इस्तेमाल किया जाता है. यही वजह है कि इसका स्वाद सामान्य चाउमीन से काफी अलग महसूस होता है.

आंगन रेस्टोरेंट में तैयार होने वाली सिंगापुरी नूडल्स में नूडल्स के साथ कई तरह की सब्जियां मिलाई जाती हैं. सब्जियों को खास तरीके से पकाकर उसमें मसालों का संतुलित मिश्रण डाला जाता है, जिससे चाउमीन में मसालेदार और हल्का चटपटा स्वाद आता है. रेस्टोरेंट की ओर से इसे शुद्ध तेल और मसालों के साथ तैयार करने का दावा किया जाता है. गर्मागर्म परोसी जाने वाली यह डिश देखने में भी काफी आकर्षक लगती है. युवाओं के बीच इस डिश का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है. खासकर शाम के समय दोस्तों के साथ कुछ अलग और स्वादिष्ट खाने के लिए लोग आंगन रेस्टोरेंट का रुख कर रहे हैं. सामान्य चाउमीन से हटकर कुछ नया ट्राई करने वाले ग्राहकों के लिए सिंगापुरी चाउमीन एक अलग विकल्प बन गई है.

पतले नूडल्स और मसालों के मिश्रण से तैयार

रेस्टोरेंट के संचालक ने बताया कि इसमें सब्जियों की अच्छी मात्रा और मसालों का अलग स्वाद इसे खास बनाता है. नूडल्स में पड़ने वाली सब्जियों की कुरकुराहट और मसालों का स्वाद खाने का अनुभव और बेहतर कर देता है. आगरा के शास्त्रीपुरम स्थित आंगन रेस्टोरेंट में मिलने वाली मशहूर सिंगापुरी चाउमीन इन दिनों युवाओं के बीच खास पसंद बनी हुई है।

रेस्टोरेंट के संचालक संतोष कुमार बघेल ने बताया कि इस चाउमीन को तैयार करने में खास तौर पर पतले नूडल्स का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे इसका स्वाद और टेक्सचर सामान्य चाउमीन से अलग नजर आता है.

उन्होंने बताया कि इसमें घर के तैयार किए गए शुद्ध मसालों और तेल का प्रयोग किया जाता है. कई तरह की सब्जियों और मसालों के साथ इसे तेज आंच पर तैयार किया जाता है, जिससे इसमें खास स्वाद और खुशबू आती है. संचालक संतोष ने कहा कि शाम होते ही रेस्टोरेंट पर सिंगापुरी चाउमीन खाने वालों की भीड़ जुटने लगती है. युवा खास तौर पर दोस्तों के साथ यहां पहुंचकर इस डिश का स्वाद लेना पसंद करते हैं।

राजस्थान की मशहूर बाजरे की राब, जानिए कैसे बनती है ये पारंपरिक देसी रेसिपी, स्वाद ऐसा कि भूल नहीं पाएंगे!

राजस्थान के गांवों में खाने-पीने की परंपरा सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं रही, बल्कि मौसम, स्थानीय अनाज और पीढ़ियों के अनुभव से भी जुड़ी रही है. ऐसी ही एक देसी चीज है बाजरे की राब, जिसे कई इलाकों में राबड़ी भी कहा जाता है. मिट्टी के चूल्हे पर पकते बाजरे की खुशबू और उसमें मिलती छाछ का स्वाद आज भी गांवों की रसोई की पहचान माना जाता है. खास बात यह है कि इसे बनाने के लिए किसी महंगी सामग्री की जरूरत नहीं पड़ती.

बाजरे का आटा, छाछ, मसाले और थोड़ा धैर्य बस इतनी सी चीजों से तैयार हो जाती है स्वादिष्ट राब. बदलते दौर में जब लोग traditional food और millets की ओर दोबारा लौट रहे हैं, तब राजस्थान की यह पुरानी recipe भी नए अंदाज में लोगों की थाली तक पहुंच रही है.

क्या है राजस्थान की बाजरे की राब?

बाजरे की राब मूल रूप से बाजरे के आटे और छाछ से तैयार होने वाला पारंपरिक देसी व्यंजन है. राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में इसे बनाने का तरीका थोड़ा अलग मिल सकता है. कहीं इसमें छाछ की मात्रा ज्यादा रखी जाती है तो कहीं इसे गाढ़ा बनाकर खाया जाता है. गांवों में इसे खासकर मौसम के हिसाब से बनाया जाता रहा है. इसका स्वाद हल्का खट्टा, देसी और बेहद संतोषजनक होता है. यही वजह है कि साधारण सामग्री से बनने के बावजूद राब को पारंपरिक राजस्थानी खान-पान में खास जगह मिली हुई है।

12 अगस्त को सौरमंडल के 6 ग्रह होंगे एक लाइन में, बनेगा अद्भुत संयोग, कैसे देखें इस करिश्मे को?

12 अगस्त 2026 को आसमान में एक साथ कई खगोलीय घटनाएं देखने को मिलेंगी. इस दिन सुबह सूर्योदय से पहले छह ग्रह एक साथ आसमान में नजर आएंगे. बृहस्पति, बुध, मंगल, यूरेनस, शनि और नेपच्यून एक ही दिशा में एक लंबी कतार जैसे दिखाई दे सकते हैं. इसे आम भाषा में ग्रहों की परेड कहा जा रहा है. हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी ग्रह एक-दूसरे के बिल्कुल पास होंगे. वे अपनी-अपनी कक्षा यानी ऑर्बिट में अलग-अलग जगह पर होंगे, लेकिन पृथ्वी से देखने पर एक ही क्षेत्र में दिखाई देने के कारण ऐसा लगेगा जैसे आसमान में ग्रहों की एक बड़ी लाइन बनी हुई है.

सुबह कब देख सकते हैं ये ग्रह?

इस नजारे को देखने के लिए आपको सुबह जल्दी उठना होगा. उत्तरी गोलार्ध यानी (Northern hemisphere) उत्तरी अमेरिका के अधिकांश हिस्सों में यह दिखाई देगा. पूर्ण सूर्यग्रहण ग्रीनलैंड, आइसलैंड और स्पेन के कुछ हिस्सों में फैले एक संकरे मार्ग पर दिखाई देगा. सूर्योदय से करीब 30 से 60 मिनट पहले ग्रहों को देखने का अच्छा मौका मिल सकता है. हालांकि, सही समय आपके

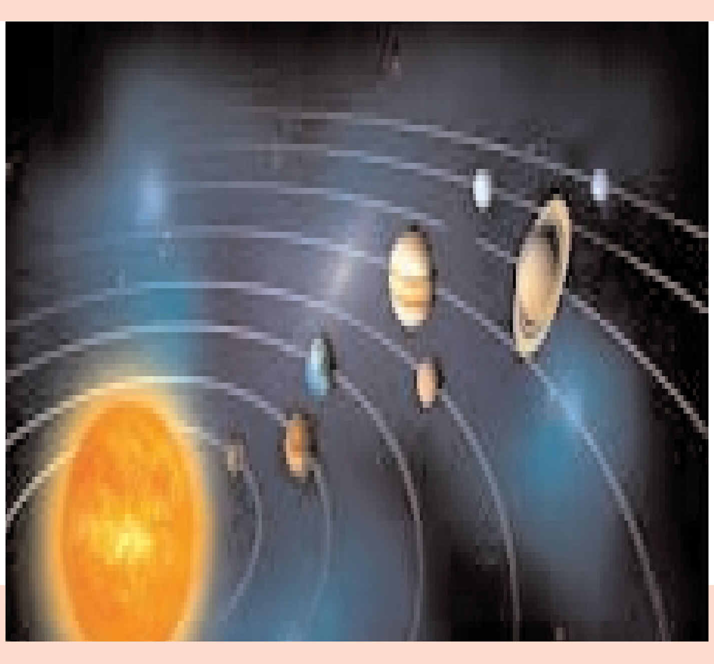

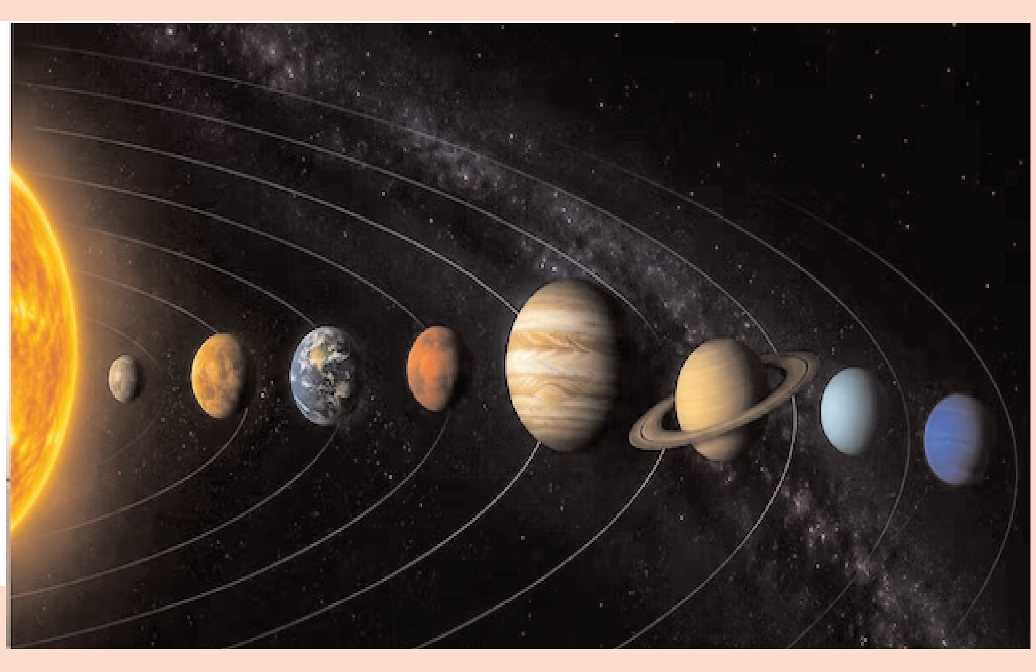

शहर और उस दिन मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगा. अगर आसमान साफ है और आसपास बहुत ज्यादा रोशनी नहीं है, तो देखने की संभावना बेहतर होगी.

कौन से ग्रह आसानी से दिखेंगे?

छह ग्रहों में से मंगल और शनि को बिना किसी उपकरण के देखना आसान हो सकता है. वहीं बुध और बृहस्पति क्षितिज के काफी पास होंगे, इसलिए उन्हें देखने के लिए आसमान का साफ होना जरूरी होगा. यूरेनस को देखने के लिए आमतौर पर दूरबीन की जरूरत पड़ सकती है. वहीं बहुत दूर स्थित नेपच्यून को देखने के लिए टेलीस्कोप की आवश्यकता होगी. इसलिए केवल आंखों से सभी छह ग्रहों को देख पाना मुश्किल होगा.

सुबह सूर्योदय से पहले भारत में देखने के लिए सभी छह ग्रहों को देखने के लिए अलग-अलग उपकरणों की जरूरत पड़ सकती है. मंगल और शनि को साफ आसमान में नंगी आंखों से देखा जा सकता है, जबकि यूरेनस के लिए बाइनोक्युलर और नेपच्यून के लिए टेलीस्कोप की जरूरत होगी. बुध और बृहस्पति क्षितिज के काफी करीब होंगे, इसलिए इन्हें देखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है.

12 अगस्त को सिर्फ ग्रह ही नहीं दिखेंगे

इस दिन की खासियत सिर्फ ग्रहों की परेड नहीं है. पर्सिड उल्कापात भी इसी समय अपने चरम के आसपास होगा. रात के आसमान में उल्काएं तेजी से गुजरती हुई चमकदार लकीरों जैसी नजर आ सकती हैं. साफ और अंधेरे आसमान में इन्हें देखने का अनुभव काफी शानदार हो सकता है. इसके अलावा, 12 अगस्त को पूर्ण सूर्य ग्रहण भी होगा. हालांकि यह ग्रहण दुनिया के हर हिस्से से दिखाई नहीं देगा. यह केवल कुछ खास क्षेत्रों में ही देखा जा सकेगा.

एक ही दिन में तीन बड़े खगोलीय नजारे

अगर मौसम और स्थान साथ दें तो 12 अगस्त 2026 खगोल प्रेमियों के लिए बेहद खास दिन बन सकता है. सुबह ग्रहों की परेड, दिन में यूरोप के कुछ इलाकों से सूर्य ग्रहण, लेकिन यह भारत में नहीं दिखेगा और रात में पर्सिड उल्कापात देखने का मौका मिलेगा. ग्रहों और उल्कापात को देखने के लिए शहर की तेज रोशनी से दूर कोई खुला स्थान बेहतर रहेगा. वहीं सूर्य ग्रहण देखते समय सूर्य को सीधे आंखों से बिल्कुल न देखें. इसके लिए प्रमाणित सोलर फिल्टर या सुरक्षित ग्रहण चश्मे का इस्तेमाल करना जरूरी है।

तकनीक कभी भी कला की जगह नहीं ले सकती : अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश

गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के 5वें सीजन में जज और मेंटॉर के रूप में नजर आ रहीं तेजस्वी प्रकाश का मानना है कि एआई किसी भी इंसानी चीजों की जगह नहीं ले सकता है।

मुंबई । अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों वेब गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के 5वें सीजन में जज और मेंटॉर के रूप में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि एआई किसी भी इंसानी चीजों की जगह नहीं ले सकता है।

गेमिंग शो के प्रमोशन के दौरान मुंबई में अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत की। इस दौरान अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या तकनीक कला को खत्म कर रही है। इस सवाल का जवाब अभिनेत्री ने बड़ी सहजता से दिया।

उन्होंने कहा, 'तकनीक कभी भी असली आर्ट को रिप्लेस नहीं कर सकती है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने भी ऐसे शो हों, जिनमें एआई का इस्तेमाल किया गया हो। हमने अपने शो में एक एआई कॉन्सेप्ट भी शामिल किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम इस शो में एआई को मेंटर बना देंगे, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी हो सकता है।'

हालांकि, अभिनेत्री ने भी माना कि कुछ हद तक, विजुअल एंटरटेनमेंट में, एआई बेहतर बनाने के लिए एक कारगर टूल हो सकता है।

बता दें कि अभिनेत्री इन दिनों अरुश भोला, एल्विश यादव के साथ गेमिंग रियलिटी शो में मेंटॉर के रूप में नजर आ रही हैं। ये तीनों इस सीजन में अलग-अलग टीमों का नेतृत्व करते नजर आएंगे। इसके अलावा, इस शो के मुख्य फाउंडर्स और निर्माताओं (जैसे कैरी मिनाटी, मोर्टल और ट्रिगर इनसान) भी अलग-अलग रूपों में इस सीरीज से जुड़े हुए हैं।

तेजस्वी प्रकाश : एक नजर

- लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री
- सफल रियलिटी शो विनर
- 'नागिन 6' से मिली पहचान

पर्सनल लाइफ पर अफवाह फैलाने वालों पर अमृता खानविलकर हुईं सख्त, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

विश्व केसरी

मुंबई । सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस अमृता खानविलकर और उनके पति व एक्टर हिमांशु मल्होत्रा की शादीशुदा जिंदगी को लेकर कई खबरें सामने आ रही थीं, जिसमें दावा किया जा रहा था कि दोनों काफी समय से अलग रह रहे हैं। अब अमृता ने इन खबरों पर सख्त कदम उठाने का फैसला किया है।

अमृता की ओर से उनकी लीगल टीम ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया, ''कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर एक्ट्रेस की निजी जिंदगी को लेकर ऐसी खबरें और बातें शेयर की जा रही हैं, जो बेबुनियाद, मानहानि वाली और उनकी निजता का उल्लंघन करने वाली हैं। हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी है, लेकिन इस आजादी का गलत इस्तेमाल करके अमृता के बारे में अफवाह, बिना पुष्टि की गई जानकारी, गलत आरोप या भ्रामक बातें फैलाना स्वीकार नहीं किया जाएगा।''

अमृता और हिमांशु की पहली मुलाकात साल 2004 में टीवी शो 'इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज' के सेट पर हुई थी। मुलाकात के बाद दोनों की दोस्ती हुई और धीरे-धीरे उनका रिश्ता प्यार में बदल गया।

कई साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने जनवरी 2015 में शादी कर ली थी।

शादी के कुछ समय बाद अमृता और हिमांशु एक साथ डांस रियलिटी शो 'नच बलिए 7' में भी नजर आए थे। शो में दोनों ने बतौर कपल हिस्सा लिया था। उस समय उनकी जोड़ी को दर्शकों का काफी प्यार मिला था।

सोशल मीडिया से परेशान कुणाल कपूर बोले- 'हर बार इससे दूर होने पर ज्यादा गुस्सा और नकारात्मकता महसूस होती है'

मुंबई । आज के दौर में सोशल मीडिया ने लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने और खबरों से अपडेट रखने का काम आसान किया है लेकिन इसके कुछ दूसरे पहलू भी हैं। लगातार एक जैसी नकारात्मक खबरें, बहस और विवाद देखने से लोगों के मूड और सोच पर असर पड़ने की बात अक्सर सामने आती रही है। अब बॉलीवुड अभिनेता कुणाल कपूर ने भी सोशल मीडिया को लेकर अपने अनुभव साझा किए हैं और बताया है कि इन प्लेटफॉर्म्स पर समय बिताने के बाद वह खुद को किस तरह महसूस करते हैं।

कुणाल कपूर ने सोशल मीडिया को लेकर खुलकर अपनी बात रखी है। अभिनेता ने कहा कि जब भी वह सोशल मीडिया इस्तेमाल करने के बाद उससे बाहर निकलते हैं, तो उन्हें लगता है कि वह पहले से ज्यादा गुस्से में, विचलित और नकारात्मक हो गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के एल्गोरिदम को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि यह लोगों के दुनिया को देखने के नजरिए को धीरे-धीरे प्रभावित कर सकता है।

कुणाल कपूर ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, ''जब भी मैं सोशल मीडिया से दूर होता हूं, तो खुद को ज्यादा गुस्से में, विचलित और निंदक महसूस करता हूं। यह जानना जरूरी है कि आप सोशल मीडिया पर किन लोगों को फॉलो कर रहे हैं। यह आपके दिमाग के 'एडिटोरियल बोर्ड' की तरह काम करता है। अगर आप सावधान नहीं हैं, तो एल्गोरिदम सबसे खराब और निराशाजनक चीजों को सामने लाकर आपके दुनिया को देखने के नजरिए को उसी हिसाब से बना सकता है।''

'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' में डिप्टी कमिश्नर बनीं तब्बू, विजय सेतुपति से बोलीं- 'पहले गोली चलाते हैं, फिर बात'

विश्व केसरी

हैदराबाद। साउथ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' को लेकर फैंस के बीच काफी समय से उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं और इसका निर्देशन पुरी जगन्नाथ कर रहे हैं। फिल्म को लेकर पहले ही विजय सेतुपति के लुक ने खूब ध्यान खींचा था। अब मेकर्स ने अभिनेत्री तब्बू के किरदार की झलक जारी कर दी है।

सोमवार को फिल्ममेकर्स ने सोशल मीडिया पर तब्बू के किरदार का एक खास वीडियो जारी किया, जिसे निर्देशक पुरी जगन्नाथ ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। उन्होंने तब्बू को भारतीय सिनेमा का अनमोल रत्न बताते हुए फिल्म में उनके किरदार की जानकारी दी।

वीडियो में तब्बू 'गौरी हेगड़े' के रूप में नजर आ रही हैं। उन्हें एक ऐसी महिला के तौर पर पेश किया गया है, जो निडर है, ताकतवर है और किसी भी चुनौती से पीछे नहीं हटती।

वीडियो की शुरुआत तब्बू के किरदार को 'पावरफुल ऑफिसर' के तौर पर पेश करने से होती है। इसके बाद वीडियो में उनके कई एक्शन से भरपूर सीन दिखाई देते हैं। तब्बू का किरदार लोगों को धमकाता और थप्पड़ मारता नजर आता है। उनके चेहरे के हाव-भाव और बातचीत का अंदाज भी काफी सख्त है।

वीडियो में एक सीन खास तौर पर लोगों का ध्यान खींचता है, जिसमें तब्बू विजय सेतुपति के किरदार से बात करती दिखाई देती हैं। वह कहती हैं, 'हमारे स्टाइल में पहले गोली चलाते हैं और फिर बात करते हैं।'

वीडियो के आखिर में तब्बू के किरदार की पहचान सामने आती है। वह बताती हैं कि उनका नाम गौरी हेगड़े है और वह इनकम टैक्स विभाग में डिप्टी कमिश्नर हैं।

तब्बू के इस अंदाज ने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ा दी है। दर्शक अब यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गौरी हेगड़े का किरदार विजय सेतुपति की कहानी से किस तरह जुड़ा होगा।

फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन का काम तेजी से चल रहा है।

फिल्म के अलग-अलग भाषाओं वाले वर्जन पर भी काम किया जा रहा है, ताकि इसे बड़े स्तर पर दर्शकों तक पहुंचाया जा सके।

जिम से लेकर बेटियों की साइकिलिंग तक, देबिना बनर्जी ने शेयर की निजी जिंदगी की झलक

मुंबई। टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री देबिना बनर्जी ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से फैंस के साथ निजी जिंदगी की झलक शेयर करती रहती हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने फैंस को अपने मोबाइल फोन का हाल बयां किया।

देबिना बनर्जी ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें उनके रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े छोटे-छोटे पलों से लेकर बच्चों की शुरुआती जिंदगी की झलक शामिल हैं। अभिनेत्री ने बताया कि आजकल उनका फोन छोटी-छोटी चीजों से भरा रहता है, फिर चाहे कहीं घूमने की झलक हो या फिर बच्चों के सीखने के दिन।

अभिनेत्री ने लिखा, 'आजकल मेरे फोन की गैलरी कुछ इस तरह दिखती है, जिनमें मेरी तैयार होने वाली

तस्वीरें, जिम में पसीने में लथपथ, कभी टेनिस खेलकर लाल-लाल गालों वाली, कुछ 10+10 किलो की जीतें, कुछ पिलाटीज और दो नन्ही लड़कियों की, जो साइकिल चलाना, स्केटिंग करना, गिरना, उठना... और फिर से कोशिश करना सीख रही हैं। हर किसी की जिंदगी का अलग पड़ाव। हर किसी की अलग ताकत। हम सब, अपने-अपने तरीके से, बस चलते रहना सीख रहे हैं।'

अभिनेत्री की पोस्ट को फैंस द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। वे कमेंट सेक्शन के जरिए अभिनेत्री के पोस्ट की जमकर सराहना कर रहे हैं।

गुरमीत और देबिना बनर्जी की लव स्टोरी 'रामायण' के सेट से शुरू हुई थी, जहां उन्होंने राम और सीता का किरदार निभाया था। रील लाइफ की यह जोड़ी असल जिंदगी में भी हमसफर बनी। दोनों ने पहली बार 2011 में शादी की थी और फिर 2021 में दोबारा शादी के बंधन में बंधे।

अर्जुन कपूर ने शेयर की लंदन डायरीज, जाह्नवी कपूर संग दिखी खास बॉन्डिंग

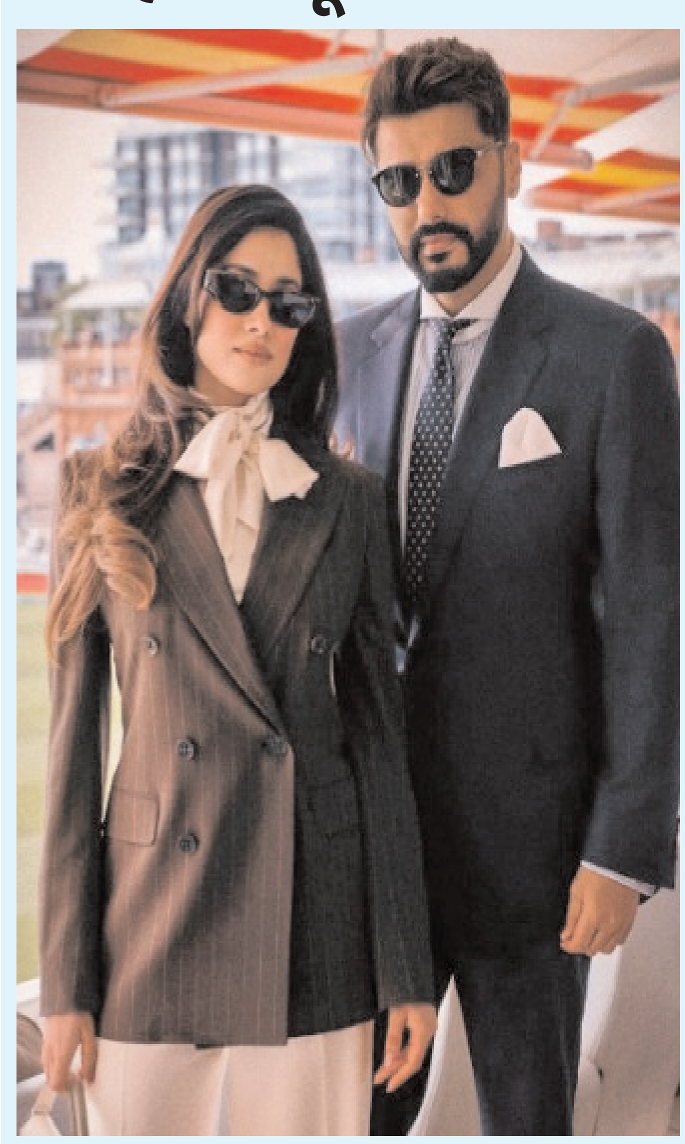

विश्व केसरी

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से लंदन में बिताए गए पलों की झलकियां शेयर कीं।

अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वे बहन जाह्नवी कपूर समेत कई लोगों के साथ नजर आ रहे हैं। पहली तस्वीर में अर्जुन को एक रेस्टोरेंट में बैठे देखा जा सकता है, जो प्लेटों और ड्रिंक्स से भरी एक टेबल के सामने पोज दे रहे हैं। अगली तस्वीर में एक्टर सूट में नजर आ रहे हैं, जबकि एक अन्य तस्वीर में वे बहन जाह्नवी कपूर के साथ पोज देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। बाकी तस्वीरों में अभिनेता की लंदन डायरीज शामिल हैं।

अभिनेता ने पोस्ट शेयर कर लिखा, 'लंदन की गर्मियों की एक पारी पूरा कर ली।'

अभिनेता की पोस्ट को फैंस द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। हालांकि, फैंस ये कयास भी लगा रहे हैं कि अभिनेता की ये पोस्ट लंदन के मशहूर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में इंडिया बनाम इंग्लैंड ओडीआई मैच के दौरान का है।

दरअसल, जान्हवी कपूर और अर्जुन कपूर को हाल ही में लंदन के मशहूर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में इंडिया बनाम इंग्लैंड ओडीआई देखने के लिए थे। दोनों ने शानदार फॉर्मल लुक में ट्विन किया, जिसमें जान्हवी ने एक रिच चॉकलेट-ब्राउन, डबल-ब्रेस्टेड ब्लेजर चुना। वहीं, अर्जुन कपूर ने गहरे नेवी-ब्लू शेड का सिंगल-ब्रेस्टेड सूट जैकेट पहना था।

अर्जुन और जान्हवी के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है और उन्हें कई मौकों पर एक-दूसरे को सपोर्ट करते देखा गया है।

अर्जुन कपूर और जान्हवी कपूर सौतेले भाई-बहन हैं। फिल्ममेकर बोनी कपूर उनके पिता हैं। अर्जुन, बोनी कपूर और उनकी पहली पत्नी स्वर्गीय मोना शौरी कपूर के बेटे हैं, जबकि जान्हवी बोनी की दूसरी पत्नी दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी हैं।

2018 में जान्हवी की मां श्रीदेवी की मौत के बाद अर्जुन और जान्हवी का रिश्ता और मजबूत हो गया। हालांकि भाई-बहन अलग-अलग पले-बढ़े थे, लेकिन अर्जुन और उनकी बहन अंशुला कपूर मुश्किल समय में जान्हवी और खुशी के लिए एक अहम सपोर्ट बने।

भारतीय नौसेना ने समुद्र में कच्चे तेल के दो टैंकरों को सुरक्षित निकाला

विश्व केसरी

नई दिल्ली। समुद्री में भारतीय नौसेना ने अपनी सक्रियता और सहयोग के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। नौसेना के युद्धपोतों ने उच्च जोखिम वाले समुद्री क्षेत्र से कच्चे तेल ले जा रहे दो टैंकरों को सुरक्षित निकालने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। नौसेना के इस कदम से महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की हुई है।

नौसेना के अनुसार, भारत के आईएनएस त्रिशूल और आईएनएस आदित्य ने कच्चे तेल के टैंकर एमटी कम्पास और एमटी थालत्ता को बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य के संवेदनशील क्षेत्र से सुरक्षित पार कराया। बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य लाल सागर को अदन की खाड़ी और हिंद महासागर से जोड़ता है। नौसेना द्वारा यह महत्वपूर्ण सहायता 9 और 10 अगस्त को सुनिश्चित की गई।

दरअसल बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाला बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से इसकी रणनीतिक अहमियत काफी अधिक है। क्षेत्र में बढ़े समुद्री सुरक्षा खतरों के बीच इस मार्ग से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों के लिए जोखिम बढ़ा हुआ है। ऐसे में भारतीय नौसेना के युद्धपोतों की मौजूदगी से भारतीय और मित्र देशों के वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षित आवाजाही में महत्वपूर्ण मदद मिल रही है। भारतीय नौसेना ने कहा कि वह महत्वपूर्ण ऊर्जा कार्गो के सुरक्षित पारगमन को सुनिश्चित करने और भारत के समुद्री हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। नौसेना की यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब लाल सागर, अदन की खाड़ी और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

इससे पहले नौसेना ने एक अलग जानकारी में बताया था कि समुद्री तैनाती को लेकर उसके जवान और युद्धपोत पूरी तरह सतर्क हैं व मिशन पर तैनात हैं। नौसेना के युद्धपोत किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। नौसेना के अनुसार, आईएनएस इम्फाल, आईएनएस त्रिशूल और आईएनएस आदित्य लगातार समुद्री सुरक्षा से जुड़े खतरों पर नजर रख रहे हैं।

नौसेना की इन इकाइयों का उद्देश्य समुद्री सुरक्षा से जुड़े किसी भी खतरे का मुकाबला करना, समुद्री यात्रियों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, महत्वपूर्ण कार्गो की आवाजाही को सुरक्षित बनाना और भारत के समुद्री हितों की रक्षा करना है। भारतीय नौसेना की लगातार मौजूदगी से यह भी स्पष्ट है कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र से लेकर लाल सागर और अदन की खाड़ी तक अपने समुद्री हितों और वैश्विक समुद्री व्यापार की सुरक्षा को लेकर सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

सफेद फॉस्फोरस लीक की सूचना पर अमेरिकी सेना से संपर्क नहीं कर सका प्योंगटेक

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया के प्योंगटेक शहर ने पिछले महीने ओसान एयर बेस पर कथित सफेद फॉस्फोरस रिसाव को लेकर नया खुलासा किया गया है। सोल के अनुसार अमेरिकी सेना से संपर्क करने के लिए तीन बार हॉटलाइन पर फोन किया गया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। शहर के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इससे दोनों पक्षों के बीच आपातकालीन संचार व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठे हैं।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि 28 जुलाई को ओसान एयर बेस स्थित अमेरिकी वायुसेना की 51वीं फाइटर विंग ने नियमित जांच के दौरान गोला-बारूद के एक कंटेनर में सफेद फॉस्फोरस के अवशेष होने की आशंका जताई थी। इसके बाद प्योंगटेक प्रशासन ने आसपास के लोगों के लिए आपातकालीन निकासी चेतावनी जारी कर दी।

शहर के अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने स्थिति की पुष्टि के लिए अमेरिकी इकाई से तीन बार फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। सफेद फॉस्फोरस अत्यधिक खतरनाक पदार्थ होने के कारण दमकल अधिकारियों की सलाह पर शहर ने निकासी चेतावनी जारी करने का फैसला किया।

हालांकि, मौके पर जांच के करीब 30 मिनट बाद अधिकारियों ने पाया कि तत्काल कोई खतरा नहीं है और निकासी चेतावनी वापस ले ली गई। बाद में 51वीं फाइटर विंग ने स्पष्ट किया कि लीक हुआ पदार्थ सफेद फॉस्फोरस नहीं था और उसमें इस जहरीले पदार्थ का कोई अंश भी नहीं मिला। अमेरिकी सेना ने इसे लंबे समय तक पर्यावरणीय संपर्क के कारण हुआ गैर-खतरनाक सतही क्षरण बताया।

अमेरिकी इकाई ने हॉटलाइन पर फोन का जवाब नहीं मिलने के सवाल पर सीधे टिप्पणी नहीं की, लेकिन भविष्य में स्थानीय प्रशासन के साथ सूचना साझा करने और समन्वय मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। शहर के एक अधिकारी के अनुसार, अमेरिकी सेना से पहली सफल बातचीत शाम 5:51 बजे हुई, यानी निकासी चेतावनी हटाए जाने से करीब 20 मिनट पहले।

संक्षिप्त खबर

मॉरीशस की यात्रा पर नौसेना प्रमुख समुद्री सहयोग और रक्षा संबंधों पर चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन मॉरीशस की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए हैं। उनकी यह आधिकारिक यात्रा 10 से 13 अगस्त तक जारी रहेगी।

गौरतलब है कि हाल ही में नौसेना प्रमुख का पदभार संभालने के बाद यह मॉरीशस की उनकी पहली यात्रा है। दरअसल हिंद महासागर क्षेत्र में मॉरीशस भारत का बेहद महत्वपूर्ण साझेदार है। ऐसे में यह यात्रा द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को और मजबूत करने तथा रक्षा संबंधों को गहरा करने के भारत के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

नौसेना के मुताबिक, एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन यहां मॉरीशस सरकार के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के साझा हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। इनमें समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, क्षमता निर्माण और सैन्य सहयोग प्रमुख रूप से शामिल हैं।

नौसेना प्रमुख की यह यात्रा भारत और मॉरीशस के बीच समुद्री क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने के साथ-साथ दोनों देशों की सेनाओं के बीच जमीनी स्तर पर संपर्क और परिचालन संबंधों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके माध्यम से हिंद महासागर क्षेत्र में दोनों देशों की मजबूत रणनीतिक साझेदारी को भी और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

एफसीआरए संशोधन बिल 2026 : भारत ने बिल को लेकर फैल रही गलतफहमियों का जवाब दिया

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। भारत ने प्रस्तावित फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल 2026 (एफसीआरए) को लेकर फैल रही गलतफहमियों का जवाब देते हुए कहा है कि यह कानून विदेशी फंडिंग पर निगरानी को और मजबूत करेगा, लेकिन कानून का पालन करने वाले नागरिक संगठनों (सिविल सोसायटी) के काम को बंद नहीं करेगा। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने रविवार को प्रस्तावित फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल 2026 को लेकर एक विस्तृत स्पष्टीकरण जारी किया। क्वात्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मीडिया और सिविल सोसायटी में एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 को लेकर कई तरह की गलतफहमियां हैं।' उन्होंने इस दावे को खारिज किया कि भारत कोई ऐसा नया कानून ला रहा है, जिसका उद्देश्य नागरिक संगठनों को मिलने वाली विदेशी सहायता रोकना है। क्वात्रा ने कहा कि सार्वजनिक और राजनीतिक क्षेत्रों में विदेशी धन के प्रवाह को नियंत्रित करना किसी भी देश का संप्रभु अधिकार है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के आधार पर किया जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई लोकतांत्रिक देशों में इस तरह का नियमन आधुनिक शासन व्यवस्था का सामान्य हिस्सा है।

मूल कारण खत्म किए बिना यूक्रेन के साथ संघर्ष रोकना संभव नहीं : रूसी उप विदेश मंत्री

विश्व केसरी

नई दिल्ली। यूक्रेन के साथ जारी संघर्ष को अस्थायी रूप से रोकने के विकल्प को रूस ने खारिज कर दिया है। रूस के उप विदेश मंत्री मिखाइल गलुजिन ने कहा कि संकट का समाधान तभी संभव है, जब इसके मूल कारणों को खत्म किया जाए।

मिखाइल गलुजिन ने रूसी समाचार एजेंसी 'तास' को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि रूस का मानना है कि इस संकट की जड़ में मौजूद कारणों को खत्म करना जरूरी है।

समाचार एजेंसी तास के अनुसार, उप विदेश मंत्री ने कहा, 'रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कई बार कह चुके हैं कि इस संकट के मूल कारणों को खत्म किए बिना किसी तरह का फ्रीज संभव नहीं है।'

उन्होंने कहा कि यह साफ है कि जेलेंस्की पूरी तरह से हकीकत से कट चुके हैं और संघर्ष को और बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके कदमों से उन देशों में भी नाराजगी पैदा हो रही है, जिन्हें कीव अपना साझेदार मानता है।

गलुजिन ने कहा, 'नागरिक ऊर्जा ढांचे पर किए गए बर्बर हमले ही बहुत कुछ बता देते हैं। जुलाई और अगस्त में यूक्रेनी बलों ने ड्रोन का इस्तेमाल करके कैस्पियन पाइपलाइन कंसोर्टियम (सीपीसी) के संचालन से जुड़ी सुविधाओं पर दिखावटी आतंकवादी हमले किए। यह पाइपलाइन मुख्य रूप से कजाखस्तान की अर्थव्यवस्था के हितों की सेवा करती है।' तास की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस पर उचित प्रतिक्रिया देगा। इसमें अमेरिका और यूरोपीय देश भी शामिल हैं, जिनका कीव सरकार पर प्रभाव है और जिनकी तेल तथा गैस कंपनियों की सीपीसी में हिस्सेदारी है। गलुजिन ने कहा कि रूस को भरोसा है कि उसके कजाख साझेदार अच्छी तरह समझते हैं कि आतंकवाद से उसके हर रूप और स्वरूप में लड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि कीव शासन की आतंकवादी गतिविधियों पर रोक लगाई जाए और यूक्रेन के आसपास के संघर्ष को उसकी जड़ में मौजूद कारणों को दूर करके हल किया जाए, ताकि यूरेशिया में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

दक्षिण कोरियाः पूर्व प्रथम महिला किम गॉन-ही ने लग्जरी बैग मिलने तोहफे की बात स्वीकारी

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया की पूर्व प्रथम महिला किम गॉन-ही ने सोमवार को स्वीकार किया कि उन्हें 2023 में सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) के सांसद किम गी-ह्योन की पत्नी से एक महंगा 'रोजर वियर क्लच' मिला था। हालांकि, उन्होंने कहा कि ये उपहार उन्हें सीधे नहीं दिया गया था और उस समय उन्हें इसके स्रोत की जानकारी नहीं थी।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि किम गॉन-ही ने यह बयान सोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान दिया। सांसद किम गी-ह्योन और उनकी पत्नी पर आरोप है कि उन्होंने मार्च 2023 में पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव में किम गी-ह्योन को समर्थन दिलाने के उद्देश्य से तत्कालीन प्रथम महिला को यह बैग उपहार में दिया था।

विशेष वकील मिन जोंग-की की टीम के सवाल पर किम गॉन-ही ने कहा कि शुरुआत में उन्हें बैग के बारे में पता नहीं था, लेकिन बाद में उन्हें इसकी जानकारी हुई। उन्होंने कहा कि बैग अप्रत्यक्ष रूप से पहुंचाया गया था और उन्होंने यह जानने की कोशिश नहीं की कि वह कहां से आया था।

पूर्व प्रथम महिला ने यह भी कहा कि उनके पास कपड़ों से मेल खाने वाले कई नकली डिजाइनर बैग थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने उन्हीं बैगों में रोजर वियर का बैग देखा था, तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि उन्होंने देखा था। हालांकि, बैग के साथ कथित तौर पर भेजे गए पत्र को देखने की बात उन्हें याद नहीं थी। किम गॉन-ही, पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल की पत्नी हैं। यून को 2024 में मार्शल लॉ लागू करने के प्रयास के बाद पद से हटा दिया गया था। किम गॉन-ही पिछले साल अगस्त से हिरासत में हैं और उन पर रिश्वतखोरी, शेयर मूल्य में हेरफेर तथा प्रभाव के दुरुपयोग समेत कई आरोपों में मुकदमा चल रहा है।

थाईलैंड : पूर्व सासंद ने वरिष्ठ अफसर पर बरसाई गोलियां, मौत

विश्व केसरी

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के बाहरी इलाके में सोमवार को एक बार फिर गोलीबारी हुई। इस बार गोली चलाने वाला शख्स एक पूर्व सांसद हैं जिनकी उम्र 71 साल बताई जा रही है।

स्थानीय मीडिया आउटलेट बैंकॉक पोस्ट के अनुसार, सोमवार सुबह एक शख्स ने प्रोवेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन ऑर्गनाइजेशन (पीएओ) के कार्यालय में घुसकर अध्यक्ष थोंगचाई येनप्रासर्ट की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद नोन्थाबुरी के पूर्व एमपी चालोंग रिएवरेंग को गिरफ्तार किया गया।

चालोंग पर आरोप है कि वह मुआंग जिले में पोल कर्नल थोंगचाई के दफ्तर में जबरदस्ती घुस गए और सुबह करीब 11 बजे उन पर कई गोलियां चलाई गईं। पीएओ अध्यक्ष को मौके पर कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन दिया गया, जिसके बाद उन्हें फ्रानांगक्लाओ अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

जिसके बाद उन्हें हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया। प्रांत के पुलिस कमांडर, मेजर जनरल डेजरापी कोंगडी ने कहा कि संदिग्ध बंदूकधारी, जो एक पूर्व सांसद है, ने एक वरिष्ठ अधिकारी और उनके ड्राइवर पर गोली चलाई थी।

डेजरापी ने रॉयटर्स को बताया , 'दो लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।'

बैंकॉक पोस्ट की खबर के अनुसार आरोपी चालोंग रीवरेंग तीन बार सांसद रह चुका है। हाल ही में वह फ्यू थाई पार्टी के साथ था। 71 साल के इस व्यक्ति को 1997 में थाई राजनीति में 'कोबरा' कहा गया था, जब उसने दूसरी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को वोट दिया था। चालोंग के शिकार, थोंगचाई येनप्रासर्ट, एक पूर्व पुलिस अधिकारी थे और वर्तमान में नोंथबुरी प्रांतीय प्रशासनिक संगठन के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। हत्या का कारण क्या था ये अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। फिलहाल पुलिस हत्या का मकसद पता लगाने में जुटी है। शुक्रवार को इसी इलाके के देबसिरिन नोंथबुरी स्कूल में 14 साल के किशोर ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थीं।

युद्ध जितना लंबा चलेगा उतना ही अमेरिका को होगा नुकसान, हार चुके हैं राष्ट्रपति : डेमोक्रेटिक सीनेटर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ईरान के बीच जारी संघर्ष को लेकर अमेरिकी डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस मर्फी ने अमेरिका के अंदरूनी हाल पर चिंता जताई। उन्होंने कहा अमेरिकी राष्ट्रपति 'यह युद्ध हार चुके हैं' और यह युद्ध जितना लंबा चलेगा, उतना ही अमेरिका को नुकसान होगा।

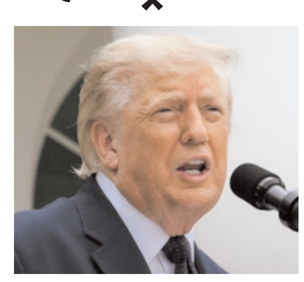

ईरान की एक अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस मर्फी का कहना है कि ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में अमेरिकी राष्ट्रपति 'यह युद्ध हार चुके हैं।' उनका मानना है कि लड़ाई जितनी लंबी चलेगी, उतना ही अमेरिका कमजोर होगा और ईरान मजबूत होता जाएगा।

मेहर न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मर्फी ने एनबीसी न्यूज से बातचीत में कहा कि वह युद्ध खत्म करने और होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने के लिए किसी 'खराब समझौते' का भी समर्थन करेंगे। बातचीत में कोई प्रगति नहीं हो रही है और इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को फिर से खोलने की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है।

मर्फी ने युद्ध खत्म करने पर जोर देते हुए कहा कि युद्ध जारी रहने से अमेरिका हर दिन कमजोर हो रहा है और ईरान मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा किअमेरिका में रहने वाले लोगों पर इसका बोझ बढ़ रहा है। कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और आम लोग इसकी मार झेल रहे हैं।

मेहर न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सीनेटर ने युद्ध के विरोध की बात की। उन्होंने कहा कि वह युद्ध को जारी रखने के लिए अतिरिक्त फंडिंग का विरोध करेंगे। हालांकि, संघर्ष समाप्त होने के बाद अमेरिकी हथियारों और गोला-बारूद के भंडार को फिर से भरने के लिए समर्थन देंगे। वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई प्रत्यक्ष बातचीत नहीं हो रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक वॉशिंगटन तेहरान की मांगें नहीं मानता, तब तक होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा नहीं खोला जाएगा। अराघची ने कहा कि ईरान की मांगों में अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को हटाना भी शामिल है।

अराघची ने रविवार को कहा कि जब तक अमेरिका दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के उल्लंघन को बंद नहीं करता, तब तक ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत दोबारा शुरू नहीं हो सकती।

चीन में तूफान 'डॉल्फिन' का कहर : 10 लाख से ज्यादा लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए

विश्व केसरी

बीजिंग। चीन के पूर्वी हिस्सों में शक्तिशाली तूफान 'डॉल्फिन' ने भारी बारिश और बाढ़ का खतरा बढ़ा दिया है। चीनी मेट विभाग ने ब्लू टाइफून वॉर्निंग जारी कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रविवार शाम तक 10 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों को आशंका है कि आने वाले दिनों में लगातार तेज बारिश से कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पैदा हो सकती है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि चीन के नेशनल मौसम विज्ञान सेंटर के अनुसार, टाइफून डॉल्फिन पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत के तट से टकराने के बाद अंदर की ओर बढ़ रहा है और इसके 10 से इलाकों में भारी बारिश लाने की आशंका है।

सेंटर ने सोमवार सुबह एक ब्लू टाइफून वॉर्निंग जारी की, जिसमें झेजियांग, जियांग्सू, हेनान और हेबेई जैसे इलाकों में बुधवार तक लगातार भारी बारिश का अनुमान है। कुछ इलाकों में मूसलाधार बारिश, आंधी और तेज हवाएं चलने की आशंका है। तूफान का सबसे ज्यादा असर झेजियांग प्रांत के तटीय शहर वेंझोउ पर पड़ा है।

स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, यहां 9 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। लोगों के लिए 1,500 से ज्यादा आपातकालीन आश्रय केंद्र खोले गए हैं।

पीओके में पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों के खिलाफ इटली में प्रदर्शन, विरोध में निकाला मार्च

विश्व केसरी

रोम। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तानी बलों की ओर से निर्दोष नागरिकों की हत्या का विरोध इटली तक देखने को मिल रहा है। इस विरोध के चलते इटली के बोलोन्या शहर में कश्मीरी प्रवासी समुदाय के हजारों लोगों ने विरोध मार्च निकाला। यह प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ है जब क्षेत्र में तनाव और अशांति लगातार बढ़ रही है।

प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी बलों के खिलाफ नारे लगाए और जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के प्रति अपना समर्थन जताया। सोमवार को जेएएसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि इटली में कश्मीरियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह पाकिस्तानी बलों की ओर से निहत्थे नागरिकों के कथित 'नरसंहार' के खिलाफ आवाज उठाए। जेएएसी ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी केवल अपने बुनियादी अधिकारों की मांग कर रहे हैं। यह विरोध मार्च ऐसे समय में हुआ है जब दुनिया के कई देशों में कश्मीरी प्रवासी समुदाय की ओर से प्रदर्शन किए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पीओके में पाकिस्तानी प्रशासन शांतिपूर्ण लोगों पर कठोर कार्रवाई कर रहा है और उन्होंने इस मामले में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की मांग की है। इस बीच, पीओके स्थित मानवाधिकार दस्तावेजीकरण और निगरानी संस्था जम्मू कश्मीर ह्यूमन राइट्स ऑब्जर्वेटरी (जेकेएचआरओ) के अनुसार, पांच जून से पांच अगस्त के बीच क्षेत्र में बढ़ती अशांति के दौरान 93 नागरिकों की मौत दर्ज की गई। पिछले सप्ताह, यूनाइटेड किंगडम के ब्रैडफोर्ड शहर में स्थित पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास के बाहर भी कश्मीरी प्रवासी समुदाय के कई लोगों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने पीओके में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी बलों की कथित कार्रवाई की निंदा की।

इन प्रदर्शनकारियों में बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। उन्होंने जेएएसी के समर्थन में आवाज उठाई और क्षेत्र में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के अभियानों को समाप्त करने की मांग की।

दिल्ली: सीएम से मिलकर महिलाएं हुईं भावुक विद्या वाहिनी योजना के तहत बांटी साइकिलें

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिलकर कई महिला लाभार्थी भावुक हो गईं। मुख्यमंत्री ने लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत छात्राओं में साइकिलें बांटीं।

सीएम रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'दिल्ली सरकार प्रदेश की बेटियों का आत्मविश्वास बढ़ाना चाहती है। हमारी सरकार उनके साथ खड़ी है ताकि वे अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। हम उनकी सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य और भलाई से जुड़ी हर जरूरत को पूरा करना चाहते हैं ताकि जन्म के समय से ही लड़की को 'लखपति योजना' के माध्यम से सशक्त बनाया जा सके।'

उन्होंने लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करने पर सरकार के फोकस पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि जैसे ही कोई लड़की बड़ी होकर 9वीं कक्षा में पहुंचे, उसे साइकिल मिले और वह अधिक स्वतंत्र बने। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कई योजनाएं शुरू की गई हैं, जिनका उद्देश्य देशभर में लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनाना है।' 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत मुख्यमंत्री गुप्ता ने छात्राओं को साइकिलें बांटीं। इस कदम का उद्देश्य शिक्षा तक पहुंच में सुधार करना और लड़कियों के स्कूल जाने को प्रोत्साहित करना है।

इस बीच भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और विधायक 'लक्ष्मी योजना' को लागू करने में बाधा डालने की कोशिश कर रहे थे। पूर्व भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में विपक्ष की नेता आतिशी के कार्यालय के बाहर भी एक अलग विरोध प्रदर्शन किया गया।

भाजपा नेता हरीश ओबेरॉय ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि महिलाएं अपनी नाराजगी जाहिर करने के लिए 'आप' विधायकों के आवासों और कार्यालयों के बाहर जमा हुई थीं।

ओबेरॉय ने कहा, 'ये सभी महिलाएं आम आदमी पार्टी के विधायकों के रुख का विरोध करने आई हैं। हमारी सम्मानित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'लक्ष्मी योजना' शुरू की है, जिसके तहत महिलाओं को 2,500 रुपए मिलेंगे। हालांकि जब विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा हुई तो 'आप' विधायकों ने इसका विरोध किया और सदन से बाहर चले गए।'

महिला आरक्षण पर अड़ा अकाली दल, कहा- सीटें 50 प्रतिशत बढ़ाएं, जनसंख्या वाला फॉर्मूला पंजाब के लिए नुकसानदेह

विश्व केसरी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के बीच महिला आरक्षण, परिसीमन, एफसीआरए और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। विपक्षी दलों ने सरकार से सदन कई मुद्दों पर जवाब देने की मांग की है। वहीं, शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने महिला आरक्षण के समर्थन को दोहराते हुए कहा कि पार्टी का विरोध आरक्षण से नहीं, बल्कि जनसंख्या-आधारित परिसीमन के उस फॉर्मूले से है, जिससे पंजाब की लोकसभा सीटों की संख्या घट सकती है।

शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि अकाली दल 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पेश होने के समय से ही इसके समर्थन में रहा है। पार्टी ने तब भी मांग की थी कि कानून को जल्द से जल्द लागू किया जाए और

अप्रैल में जब यह मुद्दा दोबारा उठा, तब भी अकाली दल का यही रुख था। हालांकि, उन्होंने जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्वितरण के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई।

बादल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में रोजगार के अवसरों की कमी के कारण पंजाब से बड़ी संख्या में युवा और लोग दूसरे राज्यों में गए हैं। ऐसे में जनसंख्या आधारित फॉर्मूला पंजाब के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इस फॉर्मूले से पंजाब की लोकसभा सीटें मौजूदा 13 से कम हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि अगर सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या 50 फीसदी बढ़ाने का प्रस्ताव विधेयक में शामिल किया जाता है, तो पंजाब की सीटें बढ़कर करीब 19-20 हो सकती हैं। इससे महिलाओं के लिए भी 7-8 अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी।

बादल ने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में अकाली दल महिला आरक्षण का विरोध क्यों करेगा। पार्टी की मांग महिला आरक्षण, समान रूप से सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि और जनसंख्या आधारित फॉर्मूले से बचने की है। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष का रुख स्पष्ट है। सरकार जल्द से जल्द महिला आरक्षण बिल पर फैसला करे। पंजाब की राजनीति को लेकर कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि अकाली दल और अन्य दलों के बीच गठबंधन का फैसला उनका अंदरूनी मामला है।

संक्षिप्त खबर

सीबीआई ने पीड़िता के परिवार को जानकारी देनी वाली महिला कर्मचारी का मोबाइल किया जब्त

विश्व केसरी

कोलकाता। अगस्त 2024 में कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल की एक जूनियर डॉक्टर से रेप और मर्डर की नए सिरे से जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की नई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने हॉस्पिटल की एक महिला कर्मचारी का मोबाइल जब्त कर लिया है।

9 अगस्त 2024 की सुबह जब सेमिनार रूम में महिला जूनियर डॉक्टर का शव मिला, तो आरजी कर की महिला कर्मचारी ने सबसे पहले पीड़ित के परिवार को घटना की जानकारी दी थी।

सूत्रों ने बताया कि परिवार को घटना की जानकारी देने वाली महिला कर्मचारी का मोबाइल जब्त कर लिया गया है। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि पीड़ित के परिवार वालों ने आरोप लगाया था कि घटना की जानकारी देने के लिए कुछ ही समय के भीतर किए गए कई कॉल्स में उस महिला कर्मचारी ने अलग-अलग और विरोधाभासी बातें बताई थीं। जब्त किए गए मोबाइल को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। सूत्रों ने आगे बताया कि जांचकर्ता घटना से जुड़े कई अहम सवालों के जवाब खोजने के लिए फोन कॉल रिकॉर्ड और दूसरी जानकारियों की जांच कर रहे हैं।

अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, पुलवामा पुलिस ने लस्सीपोरा में 10 जेसीबी मशीनें जब्त कीं

विश्व केसरी

पुलवामा। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलवामा पुलिस ने पूरे जिले में खनिजों के गैर-कानूनी खनन को रोकने और सार्वजनिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए अपनी कोशिशें तेज कर दी हैं। पुलिस की ओर से लस्सीपोरा के पंजरां गांव में एक ऑपरेशन चलाया गया और 10 जेसीबी मशीनें जब्त की गईं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की ओर से कहा गया कि पुलिस सार्वजनिक संपत्ति और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और पूरे जिले में अवैध माइनिंग गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। इससे पहले बारामूला जिले में पुलिस ने शिकंजा कसा था। झेलम किनारे 10 नावों समेत कई उपकरण जब्त किए गए थे। बीते महीने 15 जुलाई को अवैध रेत खनन के खिलाफ पुलिस की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई थी। यह अभियान बारामूला के पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में चलाया गया था। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान अवैध खनन गतिविधियों में प्रयुक्त '10 नावें, 4 पानी के पंप, 2 ड्रेजर और 1 बोट पुशर' जब्त किए थे। सभी उपकरणों को कब्जे में लेकर संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, जब्त किए गए उपकरणों का उपयोग नदी की तलहटी से बड़े पैमाने पर रेत निकालने के लिए किया जा रहा था, जिससे पर्यावरण और नदी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका थी।

गुजरात सीएम ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई, 'हर घर तिरंगा' अभियान में शामिल होने की अपील

विश्व केसरी

गांधीनगर। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को नागरिकों से देशव्यापी 'हर घर तिरंगा' अभियान को देशभक्ति का जन आंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल 'हर घर तिरंगा' तक सीमित न रहे, बल्कि 'हर दिल तिरंगा' बनना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने गांधीनगर में 2.4 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए लोगों से बड़ी संख्या में इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है तथा हर नागरिक को इसके सम्मान और गौरव को आगे बढ़ाने में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए।

गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और जिला प्रशासन की ओर से आयोजित राज्य-स्तरीय जुलूस जी-6 सर्कल से शुरू हुआ और अक्षरधाम मंदिर पर खत्म हुआ। इसमें बड़ी संख्या में छात्र, युवा और स्थानीय लोग तिरंगा लेकर शामिल हुए।

नागरिकों को देश के लिए योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद से 9 से 17 अगस्त तक पूरे देश में 'तिरंगा यात्रा' आयोजित की जा रही है।

जुलूस को हरी झंडी दिखाने से पहले लोगों को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान भारत की मुश्किल से मिली आजादी का जश्न मनाने और आजादी के दीवानों के बलिदानों को याद रखने के लिए शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है और हाथों में तिरंगा और दिलों में देशभक्ति की भावना के साथ इसमें शामिल होने वाले नागरिक 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के विजन में योगदान देंगे। पटेल ने कहा, 'तिरंगा यात्रा का मकसद आज की पीढ़ी को आजादी के दीवानों के बलिदान और समर्पण को समझने, उनके जीवन से प्रेरणा लेने और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को बढ़ावा देने में मदद करना है।

अभिषेक बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की सशर्त इजाजत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने आंखों के इलाज के लिए अभिषेक बनर्जी को विदेश जाने की सशर्त इजाजत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को सितंबर में तीन सप्ताह विदेश जाकर इलाज कराने की अनुमति दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अभिषेक बनर्जी को विदेश जाने से पहले अपनी यात्रा की पूरी रूपरेखा, फ्लाइट की पूरी जानकारी, ठहरने के स्थान और इलाज कराने वाले अस्पताल या चिकित्सक की जानकारी देनी होगी। अदालत ने यह भी कहा कि हर नागरिक को विदेश यात्रा और अपनी पसंद का इलाज कराने का अधिकार है।

अभिषेक बनर्जी की ओर से अदालत में दलील दी गई कि वह जांच में शामिल हो चुके हैं और विदेश यात्रा के दौरान भी आवश्यक शर्तों का पालन करने के लिए तैयार हैं। अदालत ने इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सितंबर में तीन सप्ताह की विदेश यात्रा की अनुमति दी। कलकत्ता हाई

कोर्ट ने हाल ही में उन्हें इजाजत देने से इनकार कर दिया था और सलाह दी थी कि वे पहले कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम अस्पताल के विशेषज्ञों से सलाह लें। हाई कोर्ट ने कहा था कि अभिषेक बनर्जी के इलाज के विकल्प पर विचार करते समय इस बात को भी ध्यान में रखना होगा कि उन पर कई आपराधिक मामले चल रहे हैं, जिनकी जांच अभी जारी है। अभिषेक बनर्जी मेडिकल बोर्ड के सामने जाने के लिए सहमत नहीं थे। इसके बाद अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था, 'आवेदक के वकील की दलील को देखते हुए कि वह (अभिषेक बनर्जी) कोर्ट के निर्देशानुसार मेडिकल बोर्ड के सामने पेश नहीं होंगे।

10 रुपये लीटर खरीदा जाएगा गोमूत्र

विश्व केसरी

लखनऊ, 10 अगस्त (आईएएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप गो संरक्षण को ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तीकरण और जैविक खेती से जोड़ने की दिशा में नई पहल शुरू हुई है। बुलंदशहर में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के माध्यम से पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर गोमूत्र की खरीद शुरू की गई है।

किसानों और पशुपालकों से 10 रुपये प्रति लीटर की दर से गोमूत्र खरीदा जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद इस मॉडल को प्रदेश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने की तैयारी है। इससे गोवंश पालने वाले परिवारों को दूध के साथ गोमूत्र से भी अतिरिक्त आमदनी का रास्ता मिल सकेगा। बुलंदशहर की स्याना तहसील के नरसैना गांव में डॉ. प्रवीण के नेतृत्व में एफपीओ के जरिए शुरू हुए इस प्रयोग से आसपास के 15 गांवों को जोड़ा गया है। इन गांवों में गोमूत्र एकत्र करने के लिए स्थानीय स्तर पर केंद्र बनाए गए हैं।

वर्तमान में इन केंद्रों के माध्यम से प्रतिदिन करीब 500 लीटर गोमूत्र एकत्र किया जा रहा है। आगे खरीद की दर बढ़ाकर इसे 20 रुपये प्रति लीटर करने की भी योजना है।

गोमूत्र के संग्रहण के लिए गांवों में 200 लीटर क्षमता के टैंक लगाए गए हैं। इससे पशुपालकों को गोमूत्र बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। गांव में ही इसकी खरीद और संग्रह की व्यवस्था की गई है। स्थानीय स्तर पर संग्रहण की व्यवस्था होने से पशुपालकों, विशेषकर महिलाओं को इससे जोड़ना आसान हुआ है। इस पूरी व्यवस्था में ग्रामीण महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

गांवों में गोमूत्र एकत्र करने में सहयोग करने वाली महिलाओं को प्रति लीटर दो रुपये कमीशन दिया जा रहा है। इससे महिलाओं के लिए भी गांव में रहते हुए अतिरिक्त आमदनी का एक नया जरिया तैयार हुआ है। डॉ. प्रवीण ने बताया कि इस पहल को केवल गोमूत्र की खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे महिला सशक्तीकरण से भी जोड़ा गया है।

सीएम मोहन यादव ने जबलपुर में कांवड़ियों पर बरसाए फूल, डमरू बजाया, दादा गुरु संग चले पैदल

विश्व केसरी

जबलपुर। मध्य प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर के रांझी में निकली कावड़ यात्रा में मुख्यमंत्री मोहन यादव भी शामिल हुए और उन्होंने कांवड़ियों पर फूल बरसाए। कावड़ यात्रा में गूंज रहे बम भोले के जय घोष के साथ भक्त ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूम उठे। लगातार बजते ढोल-नगाड़ों ने माहौल को और उत्साह से भर दिया।

इस कांवड़ यात्रा में प्रदेश के मुख्यमंत्री यादव ने शामिल होकर फूलों की बारिश कर कांवड़ियों का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने खुद कांवड़ उठाई, उत्साह से डमरू भी बजाया और दादा गुरु के साथ कांवड़ यात्रा में पैदल भी चले। इस दौरान कई जन-प्रतिनिधि भी उनके साथ थे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि आज सावन मास का पवित्र सोमवार है, मां नर्मदा का आशीर्वाद सबको मिल रहा है। भगवान भोलेनाथ को जल अर्पण करने के लिए कांवड़िये मां नर्मदा का जल लेकर जा रहे हैं। कांवड़ियों का

सैलाब समुद्र की लहर के समान दिखाई दे रहा है। जहां तक नजर जा रही है, वहां तक कांवड़िये ही कांवड़िये दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा तो बहुत देखीं, लेकिन इतनी बड़ी कांवड़ यात्रा में पहली बार देख रहा हूं। यह पवित्र महीना सावन भगवान भोलेनाथ की भक्ति का महीना है। यह कांवड़िये दादा गुरु के नेतृत्व में पूरे भक्ति भाव के साथ यात्रा में शामिल हुए हैं। हमारी सरकार धार्मिक पर्यटन के लिए, श्रद्धालुओं के लिए, सनातन संस्कृति को मजबूत करने के लिए सभी प्रकार के कार्य कर रही है। सरकार एक तरफ इन कांवड़ यात्रियों को पूरी सुविधाएं देने का प्रयास कर रही है, दूसरी तरफ देव स्थानों को भी सुविधायुक्त कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारत की जड़ों में सनातन संस्कृति है। सनातन संस्कृति आत्म अनुशासन, प्रगति और उल्लास का मार्ग प्रशस्त करती है।

केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा स्पीकर को लिखा पत्र

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर उनसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निर्देश देने का आग्रह किया। यह आग्रह संसद मार्च के दौरान 20 जुलाई को नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के संबंध में किया गया।

स्पीकर को लिखे अपने पत्र में वेणुगोपाल ने राष्ट्रीय राजधानी में छात्रों और युवा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग पर चिंता जताई।

वेणुगोपाल ने अपने पत्र में कहा, 'मैं आपका ध्यान दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों और युवाओं के

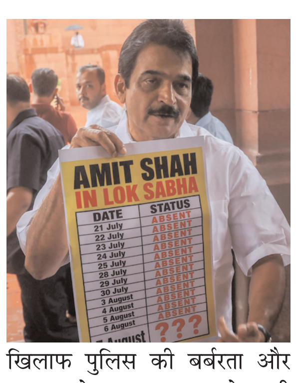

खिलाफ पुलिस की बर्बरता और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग की ओर ले जाना चाहता हूं। अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल कर रहे युवा नागरिकों के खिलाफ कानून लागू करने वाली एजेंसियों की सख्त कार्रवाई राष्ट्रीय चिंता का गंभीर विषय है, जिस पर संसद में तुरंत जांच-पड़ताल होनी चाहिए।' वेणुगोपाल ने कहा, 'हमारा संविधान स्पष्ट रूप से कहता है कि मंत्रिपरिषद (जिसके अमित शाह एक वरिष्ठ सदस्य हैं) देश की जनता के प्रति सामूहिक रूप से जवाबदेह है। इसलिए इस मामले पर संसद में बयान देना उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। उन्हें लोकसभा में इस मुद्दे पर बोलने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए।' कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि दिल्ली पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में आते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारी संसदीय लोकतंत्र का यह बुनियादी सिद्धांत यह सुनिश्चित करता है कि कार्यपालिका अपने आदेश के तहत की गई हर कार्रवाई के लिए विधायिका के प्रति पूरी तरह जवाबदेह रहे।

तेलंगाना में अच्छी बारिश के लिए सरकार ने किया 'वरुण यज्ञ' का आयोजन

विश्व केसरी

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को राज्यभर में अच्छी बारिश के लिए प्रार्थना करने के लिए 'वरुण यज्ञ' का आयोजन किया। यदागिरिगुट्टा मंदिर के पुजारियों और वैदिक विद्वानों ने ये अनुष्ठान किए।

इस 'यज्ञ' में 108 'ऋत्विक', 11 'होम कुंड' और वैदिक विद्वानों व पुजारी शामिल हैं। सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और उनकी पत्नी ने सोमवार सुबह नलगोंडा जिले में कृष्णा नदी पर बने नागार्जुन सागर बांध के किनारे यज्ञ में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी भी 'पूर्णाहुति' (समापन अनुष्ठान) समारोह में भाग लेंगे। कोंडा सुरेखा और कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी समेत अन्य मंत्री, सांसद, एमएलसी और विधायक भी इन अनुष्ठानों में भाग लेंगे।

यदागिरिगुट्टा स्थित श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के पुजारियों और विद्वानों ने

'वरुण यज्ञ' के लिए शुभ तिथि और समय तय किया था। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि उन्होंने राज्य और देश के लोगों की सर्वांगीण भलाई और अच्छी बारिश व भरपूर फसल के लिए प्रार्थना करने के लिए 'वरुण यज्ञ' आयोजित करने का निर्णय लिया।

उन्होंने कहा कि वे कृष्णा और गोदावरी नदियों के प्रवाह के लिए भी प्रार्थना कर रहे हैं, ताकि नागार्जुन सागर जलाशय के साथ-साथ राज्य भर के अन्य सभी जलाशयों और टैंकों में पानी भर सके और तेलंगाना 'अल नीनो' के प्रभाव से मुक्त रहे। हालांकि, जुलाई के दूसरे भाग और इस महीने की शुरुआत में हुई बारिश ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान बारिश की कमी को घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है, लेकिन कृष्णा और गोदावरी नदी बेसिन के जलाशयों में अभी भी पानी का अच्छा प्रवाह नहीं देखा गया है। राज्य के जलाशयों और सिंचाई प्रणालियों में पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए इन दो प्रमुख नदियों में अभी भी पानी का सही प्रवाह नहीं हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, राज्य के प्रमुख बांधों में से एक नागार्जुन सागर में अभी 145.65 टीएमसी पानी है, जबकि इसकी कुल स्टोरेज क्षमता 312.045 टीएमसी है। इसका जल स्तर लगभग 518 फीट है, जबकि जलाशय का अधिकतम जल स्तर 590 फीट है। पिछले साल 9 अगस्त को नागार्जुन सागर में लगभग 310.25 टीएमसी पानी था और जलाशय का जल स्तर 589.40 फीट था, जो लगभग अधिकतम स्तर के बराबर था।

दूसरी तिमाही में टेक्नोलॉजी क्षेत्र की भर्तियां एआई, बिग डेटा और साइबर सिक्योरिटी जैसी थीम पर केंद्रित रही : रिपोर्ट

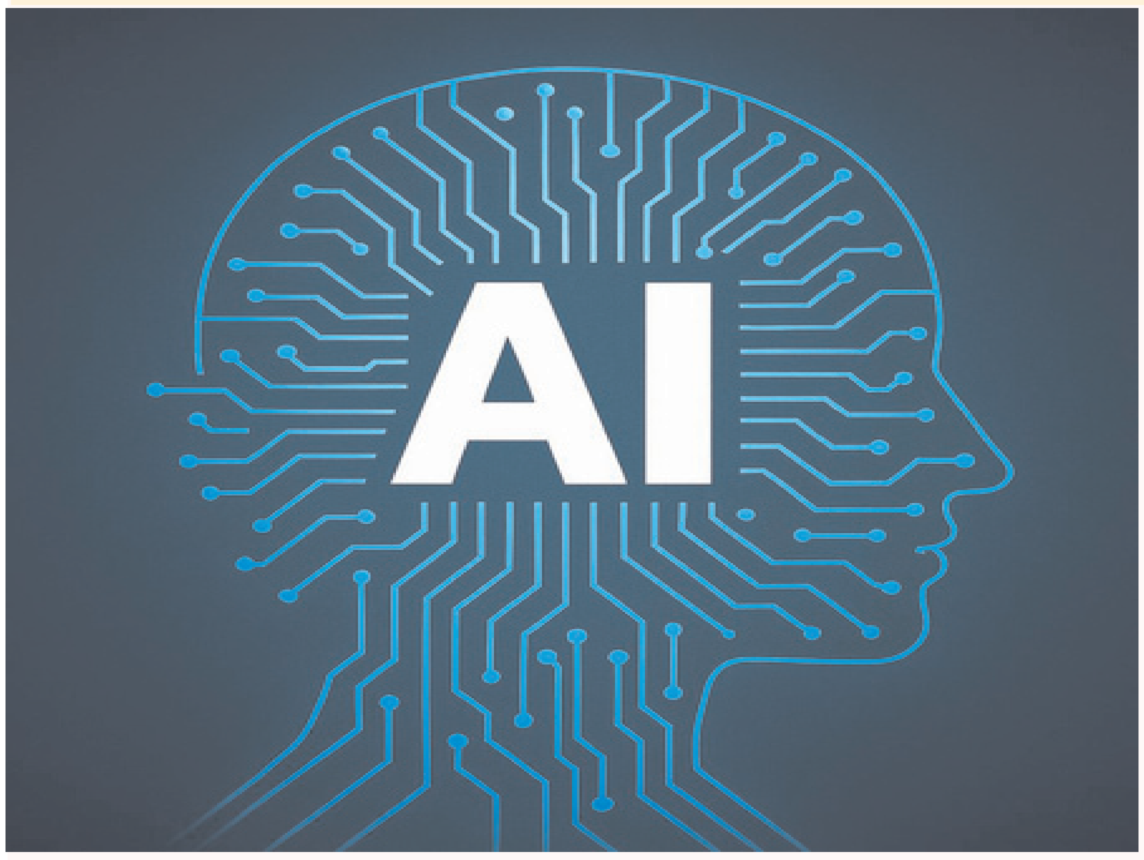

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर 2026 की दूसरी तिमाही में टेक्नोलॉजी सेक्टर की भर्तियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), बिग डेटा और साइबर सिक्योरिटी जैसे थीम पर केंद्रित रही। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ग्लोबलडेटा की 'ग्लोबल हायरिंग एक्टिविटी ट्रेंड्स एंड सिग्नल्स – क्यू2 2026' शीर्षक वाली रिपोर्ट में बताया गया कि तिमाही के दौरान भर्ती में एआई, बिग डेटा और साइबर सुरक्षा सबसे प्रमुख तकनीकी विषय बने रहे।

एआई क्षेत्र में जनरेटिव एआई और मशीन लर्निंग मांग के प्रमुख क्षेत्र बनकर उभरे। दुनियाभर में जनरेटिव एआई से संबंधित नौकरी के विज्ञापनों की सबसे बड़ी संख्या अमेरिका और भारत में रही।

हालांकि, 2026 की दूसरी तिमाही में वैश्विक रोजगार बाजार में सुस्ती देखी गई। तिमाही आधार पर कुल नौकरी के विज्ञापनों में 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई, क्योंकि आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच नियोक्ताओं ने भर्ती को लेकर अधिक सतर्क रुख अपनाया।

भर्ती गतिविधियों में व्यापक नरमी के बावजूद कुछ क्षेत्रों ने मजबूती दिखाई। अमेरिका और ब्रिटेन दोनों में नौकरी के विज्ञापनों में मामूली वृद्धि दर्ज की गई, जबकि नीदरलैंड में स्थिर आर्थिक वृद्धि, घरेलू खर्च में बढ़ोतरी और सरकारी खर्च में वृद्धि के कारण भर्ती गतिविधियों में इजाफा हुआ।

ग्लोबलडेटा की बिजनेस फंडामेंटल्स एनालिस्ट शेरला श्रीपदा ने रिपोर्ट के निष्कर्षों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन दोनों में नौकरी के विज्ञापनों में मामूली वृद्धि हुई।

श्रीपदा ने कहा कि नीदरलैंड में स्थिर आर्थिक विस्तार, बढ़ते घरेलू खर्च और बढ़े हुए सरकारी खर्च के कारण नौकरी के विज्ञापनों में वृद्धि हुई।

उन्होंने कहा कि उत्तरी अमेरिका एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा जहां घरेलू स्तर पर भर्ती बढ़ी। नियोक्ताओं ने नौकरी के विज्ञापनों का बड़ा हिस्सा घरेलू भूमिकाओं की ओर स्थानांतरित किया, जबकि क्षेत्र के बाहर की नौकरियों के विज्ञापनों की हिस्सेदारी घट गई।

श्रीपदा ने कहा कि नौकरी के विज्ञापनों में गिरावट एक चयनात्मक भर्ती माहौल का संकेत देती है।

नियोक्ता बाहरी भर्ती के साथ-साथ कर्मचारियों के बेहतर उपयोग, उत्पादकता में सुधार और ऑटोमेशन के बढ़ते इस्तेमाल के बीच संतुलन बना रहे हैं।

क्षेत्रवार देखें तो अधिकांश उद्योगों में भर्ती गतिविधि में गिरावट आई। हालांकि, ऑटोमोबाइल, पैकेजिंग तथा तेल एवं गैस क्षेत्रों ने इस रुझान को पलटते हुए नौकरी के अवसरों में मामूली वृद्धि दर्ज की।

स्मार्टफोन का भविष्य होगा ज्यादा स्मार्ट, ज्यादा टिकाऊ और अधिक व्यक्तिगत, रियलमी 16 सीरीज दे रही इसकी झलक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत का स्मार्टफोन बाजार तेजी से बदल रहा है। अब लोग सिर्फ कम कीमत या अधिक फीचर्स वाले फोन पर ही ध्यान नहीं देते, बल्कि वे ऐसे स्मार्टफोन की तलाश में रहते हैं जो बेहतर अनुभव, लंबी बैटरी लाइफ, उन्नत कैमरा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फीचर्स और आकर्षक डिजाइन का संतुलित मिश्रण पेश करें। खासकर युवा उपभोक्ता अब उन सुविधाओं की मांग कर रहे हैं जो पहले केवल प्रीमियम और महंगे स्मार्टफोन्स तक सीमित थीं।

हाल ही में हुए एक अध्ययन से पता चलता है कि आज के स्मार्टफोन उपयोगकर्ता एआई-आधारित सुविधाओं, बेहतर कैमरा गुणवत्ता, लंबे समय तक चलने वाली बैटरी, स्टाइलिश डिजाइन और मजबूत टिकाऊपन को प्राथमिकता दे रहे हैं। स्मार्टफोन अब केवल संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह काम, मनोरंजन, कंटेंट क्रिएशन, गेमिंग और रोजमर्रा की जरूरतों का अहम हिस्सा बन चुका है।

यह बदलाव ऐसे समय में देखने को मिल रहा है जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक चुनौतियां और सप्लाई चेन से जुड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। अनुमान है कि वर्ष 2025 में भारत में करीब 15.1 से 15.3 करोड़ स्मार्टफोन की शिपमेंट होगी। हालांकि यूनिट बिक्री की रफ्तार कुछ धीमी हो सकती है, लेकिन बाजार का कुल मूल्य लगातार बढ़ रहा है। इसका मतलब है कि उपभोक्ता अब अधिक गुणवत्ता और बेहतर अनुभव वाले स्मार्टफोन्स पर खर्च करने को तैयार हैं।

इसी बदलती मांग को ध्यान में रखते हुए रियलमी ने अपनी नंबर सीरीज के जरिए प्रीमियम डिजाइन, उन्नत कैमरा तकनीक, भरोसेमंद बैटरी प्रदर्शन और एआई इंटीग्रेशन को किफायती कीमतों में उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित किया है। यह सीरीज खास तौर पर उन युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है जो सोशल मीडिया, कंटेंट क्रिएशन, गेमिंग और डिजिटल मनोरंजन से जुड़े रहते हैं।

वर्षों के दौरान रियलमी नंबर सीरीज ने मिड-रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट में फ्लैगशिप स्तर के कैमरा फीचर्स, आकर्षक डिजाइन और बेहतर प्रदर्शन उपलब्ध कराने की पहचान बनाई है।

इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए रियलमी 16 सीरीज को डिजाइन, बैटरी और कैमरा प्रदर्शन जैसे तीन प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित किया गया है। इसके साथ एआई-आधारित फीचर्स को शामिल कर उपयोगकर्ताओं की उत्पादकता, रचनात्मकता और रोजमर्रा के अनुभव को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया है।

सीरीज का प्रमुख मॉडल रियलमी 16 प्रो सीरीज कंटेंट क्रिएटर्स और पावर यूजर्स को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। इसमें 200 मेगापिक्सल प्लस पेरिस्कोप कैमरा दिया गया है, जो उच्च स्तर की जूम क्षमता और डिटेल प्रदान करता है। इसका प्रीमियम डिजाइन और इमर्सिव अनुभव इसे हाई-एंड स्मार्टफोन्स के मुकाबले खड़ा करता है। यह मॉडल रियलमी की नवाचार, डिजाइन और प्रदर्शन को एक साथ जोड़ने की रणनीति को दर्शाता है।

रोजाना करें भेकासन, शरीर में आएगी नई ऊर्जा और लचीलापन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली में सुकून और ताजगी की तलाश के लिए योग से बेहतर और कोई उपाय नहीं हो सकता है। योगासन पद्धति में भेकासन एक ऐसा आसन है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर बताया गया है।

भेकासन संस्कृत भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है। भेक का अर्थ मेंढक होता है, जबकि आसन का अर्थ मुद्रा होता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर की मुद्रा कुछ-कुछ मेंढक के समान होती है, जिस वजह से इसे मेंढक आसन भी कहते हैं।

भेकासन में पीठ को पीछे की तरफ मोड़कर स्ट्रेच किया जाता है। इसे करने के लिए शरीर के मध्य हिस्से की रीढ़ की हड्डी में काफी लचीलापन और ताकत चाहिए। इसके निरंतर अभ्यास से एडियां, घुटने और टखने मजबूत होते हैं।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन को लेकर अपनी राय दी है। उनके अनुसार, भेकासन करने से रीढ़ की

हड्डी में लचीलापन आता है, जिससे चलने-फिरने में आसानी होती है और शरीर हल्का महसूस होता है।

इस आसन से शरीर के कई हिस्सों की मांसपेशियों को फायदा होता है। खासकर पीठ के निचले हिस्से, बाइसेप्स, ट्राइसेप्स, पेट की मांसपेशियां, पैर, टखने, घुटने और जांघों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आसन को करने से मांसपेशियों में खिंचाव आता है और धीरे-धीरे उनकी ताकत बढ़ती है, जिससे शरीर ज्यादा फुर्तीला और मजबूत बनता है।

भेकासन मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में काफी असरदार माना जाता है। इसे करने से शरीर के कई हिस्सों पर दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनकी ताकत धीरे-धीरे बढ़ने लगती है। खासकर हाथ, पैर, पीठ और पेट की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। रोजाना अभ्यास से शरीर में एक अलग ही मजबूती का एहसास होता है।

भेकासन करने के लिए सबसे पहले आराम से पेट के बल जमीन पर लेट जाएं। अब धीरे-धीरे अपने घुटनों को मोड़ें और पैरों को पीछे की ओर लेकर सिर के करीब लाने की कोशिश करें। दोनों हाथों से अपने टखनों या पैरों को पकड़ लें।

ध्यान रखें कि छाती जमीन से लगी रहे और सांस सहज बनी रहे। इस स्थिति में कुछ सेकंड तक टिके रहें, फिर धीरे-धीरे पैरों को खोलकर आराम करें।

कलाई या कोहनी में दर्द हो तो न करें। उच्च रक्तचाप के रोगी इसे न करें या फिर किसी स्पेशलिस्ट की सलाह पर ही करें।

व्हाट्सएप में वैश्विक स्तर पर आई दिक्कत, फोटो-वीडियो भेजने में परेशानी; कई देशों के यूजर्स प्रभावित

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाले लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप के कई यूजर्स ने सोमवार को सेवा में बाधा (आउटेज) की शिकायत की। इस तकनीकी समस्या का असर खासतौर पर फोटो, वीडियो, स्टिकर्स, गिफ्स (जीआईएफ) और अन्य मीडिया फाइलों को भेजने एवं प्राप्त करने पर देखा गया। भारत समेत कई देशों के यूजर्स ने सोशल मीडिया और आउटेज ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी साझा की।

आउटेज मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर के अनुसार, सोमवार सुबह से ही बड़ी संख्या में यूजर्स ने व्हाट्सएप में समस्या की रिपोर्ट करनी शुरू कर दी थी। दर्ज शिकायतों में लगभग 41 प्रतिशत समस्याएं मैसेजिंग, 40 प्रतिशत ऐप के संचालन और करीब 13 प्रतिशत नोटिफिकेशन से संबंधित थीं।

यूजर्स के अनुसार, सामान्य टेक्स्ट मैसेजिंग सेवा कई मामलों में काम कर रही थी, लेकिन फोटो और वीडियो जैसी मल्टीमीडिया फाइलों को भेजने में दिक्कत आ रही थी। कई लोगों ने बताया कि तस्वीरें चैट विंडो में दिखाई तो दे रही थीं, लेकिन अपलोडिंग प्रक्रिया पूरी नहीं हो रही थी और वे लंबे समय तक 'सेंडिंग' स्थिति में अटकी रहती थीं।

कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी शिकायत की कि फोटो और वीडियो अपलोड करते समय लगातार लोडिंग आइकन दिखाई देता रहा या फिर सिस्टम बार-बार रीट्राई करने का संदेश दे रहा था। इसी तरह, स्टिकर्स और गिफ्स भेजने में भी समस्याएं सामने आईं, जिससे यूजर्स का मानना है कि तकनीकी गड़बड़ी मुख्य रूप से व्हाट्सएप की मल्टीमीडिया सेवाओं से जुड़ी थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बड़ी साइज की मीडिया फाइलों पर इसका असर और अधिक देखने को मिला। कई मामलों में ऐसी फाइलें अपलोड ही नहीं हो सकीं या उन्हें भेजने में काफी अधिक समय लगा।

यह समस्या केवल किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं रही। भारत के अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, ब्राजील, कनाडा, मेक्सिको, स्पेन और कोलंबिया सहित कई देशों से भी ऐसी शिकायतें सामने आईं। विभिन्न देशों से एक जैसी रिपोर्ट मिलने से संकेत मिला कि यह कोई स्थानीय नेटवर्क या डिवाइस संबंधी समस्या नहीं थी, बल्कि प्लेटफॉर्म स्तर पर तकनीकी बाधा हो सकती है।

दिक्कत आने के बाद कई उपयोगकर्ताओं ने अपने स्तर पर समस्या दूर करने की कोशिश भी की। उन्होंने स्मार्टफोन रीस्टार्ट किया, वाई-फाई और मोबाइल डेटा के बीच नेटवर्क बदला तथा कुछ ने ऐप को दोबारा इंस्टॉल भी किया। हालांकि अधिकांश यूजर्स ने बताया कि इन उपायों से समस्या का समाधान नहीं हुआ, विशेषकर फोटो और वीडियो भेजने में परेशानी बनी रही। डाउनडिटेक्टर के अनुसार, रविवार को भी व्हाट्सएप सेवाओं में कुछ व्यवधान की शिकायतें दर्ज की गई थीं। हालांकि खबर लिखे जाने तक व्हाट्सएप या उसकी मूल कंपनी मेटा की ओर से इस तकनीकी समस्या को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

पिंच मयूरासन से पाएं मजबूत कंधे और फिट शरीर, जानिए इसे करने का आसान उपाय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बढ़ती उम्र और कामकाज के बीच शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। आगे चलकर यही शारीरिक समस्याएं बड़ी बीमारियों का कारण बनती है। हालांकि, योग और नियमित खान-पान से इस पर सुधार किया जा सकता है। ऐसे ही चुनौतीपूर्ण और शक्तिशाली आसनों में से एक है पिंच मयूरासन, जिसे अंग्रेजी में 'फेदर पीकॉक पोज' भी कहा जाता है।

इस आसन में शरीर को सिर के बल नहीं, बल्कि कोहनियों और अग्रबाहुओं यानी कोहनी से कलाई तक के हिस्से के सहारे उल्टा साधा जाता है। देखने में जितना आसान लगता है, अभ्यास में उतना ही संतुलन, ताकत और धैर्य चाहिए। पिंच मयूरासन तन और मन दोनों के लिए फायदेमंद है। यह आसन सिर्फ बाहों, कंधों और कोर को ही मजबूत नहीं करता, बल्कि डर पर काबू पाकर आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद करता है।

आयुष मंत्रालय ने पिंच मयूरासन को संतुलन और व्युत्क्रम आसन के रूप में मान्यता दी है। इसके अनुसार, पिंच मयूरासन को करने के दौरान शरीर का पूरा भार कोहनियों और बांहों पर होता है।यह आसन कंधों, पीठ और पैरों की हड्डियों पर असर करता है। इस आसन को करते समय जब कूल्हों को ऊपर उठाया जाता है, तो शरीर की मांसपेशियों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और पोषक तत्व तेजी से हड्डियों तक पहुंचते हैं। यह आसन शरीर को ऊर्जावान बनाता है और कमर के निचले हिस्से की मजबूती बढ़ाता है।

इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर मूवमेंट की क्षमता बेहतर होती है, जिससे अभ्यास करने वाले एडवांस्ड आर्म बैलेंस के लिए मदद मिलती है। इस आसन को करने के लिए जमीन पर घुटनों के बल बैठकर अपनी दोनों कोहनियों और हथेलियों को फर्श पर समानांतर रखें। पैरों को सीधा करते हुए कूल्हों और हिप्स को ऊपर उठाएं, जैसे कि अधोमुख श्वानासन में करते हैं।

अमेरिका में खसरे के मामले पिछले 35 सालों में सर्वाधिक स्तर पर, माता-पिता बच्चों को लगवाएं टीके : एनआईएच प्रमुख

विश्व केसरी ■

वॉशिंगटन । नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के डायरेक्टर डॉ. जे भट्टाचार्य ने रविवार को अमेरिकी माता-पिता से अपील की कि वे अपने बच्चों को स्टैंडर्ड टीके लगवाएं, जिनमें खसरे से बचाव का टीका भी शामिल है, क्योंकि अमेरिका में पिछले 35 सालों में खसरे के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं।

भट्टाचार्य, जो कुछ समय के लिए सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) का नेतृत्व करने में भी मदद कर रहे हैं, ने कहा कि बच्चों को रोकी जा सकने वाली बीमारियों से बचाने का सबसे अच्छा तरीका टीकाकरण ही है।

भट्टाचार्य ने सीबीएस न्यूज के प्रोग्राम 'फेस द नेशन' में कहा, 'अपने बच्चों को खसरे से बचाने का सबसे अच्छा तरीका खसरे का टीका लगवाना है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों के लिए स्टैंडर्ड टीके लगवाने चाहिए, जिनमें खसरा, डिप्थीरिया, टेटनस और पर्टुसिस (काली खांसी) से बचाव वाले टीके शामिल हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि माता-पिता के लिए – ज्यादातर बच्चों के मामले में, खासकर खसरे, डीटीपी और बचपन के सभी स्टैंडर्ड टीकों के लिए – यह बहुत जरूरी है कि वे अपने बच्चों को टीका लगवाएं।'

भट्टाचार्य ने कहा कि उन्होंने खुद अपने बच्चों को टीके लगवाए हैं। उन्होंने परिवारों से बच्चों को स्कूल भेजने का भी आग्रह किया और कहा कि संक्रमण के डर से उन्हें क्लासरूम से दूर नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर आप अपने बच्चों को उन बीमारियों से बचाना चाहते हैं जिन्हें रोका जा सकता है, तो उन्हें टीका लगवाएं। किसी भी स्थिति में, बच्चों को स्कूल भेजना बेहतर है क्योंकि इसी तरह आप उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं।' सीबीएस एंकर मार्गरेट ब्रेनन ने कहा कि खसरे के मामले पिछले 35 सालों में सबसे ज्यादा स्तर पर हैं। उन्होंने कहा कि केवल 10 राज्य ही 95 प्रतिशत टीकाकरण के उस स्तर तक पहुंचे हैं ।

बोलीविया की ओर भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ, आठ मीट्रिक टन जीवनरक्षक और आवश्यक दवाइयों की खेप भेजी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने रविवार को बताया कि भारत ने बोलीविया की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आठ मीट्रिक टन जीवनरक्षक और आवश्यक दवाइयों की खेप भेजी है।

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लि?खा, 'ग्लोबल साउथ के एक साझेदार देश की मदद के लिए भारत आगे आया है। भारत ने बोलीविया की सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षमता को समर्थन देने के लिए आठ मीट्रिक टन जीवनरक्षक और जरूरी दवाइयों की खेप भेजी है। भारत हमेशा एकजुटता और साझा प्रगति के जरिए सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए तैयार रहता है। 'बोलीविया के उपराष्ट्रपति एडमंड लारा मोंटानो इस साल फरवरी में भारत आए थे। नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान उन्होंने

भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने सौर ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, डिजिटलीकरण, उच्च शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की थी।

बैठक के बाद उपराष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'बोलीविया के उपराष्ट्रपति एडमंड लारा मोंटानो ने आज नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। यह मुलाकात इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुई।'

पोस्ट में आगे कहा गया, 'दोनों नेताओं ने भारत और बोलीविया के बीच लगातार मजबूत हो रहे द्विपक्षीय संबंधों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने सौर ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, डिजिटलीकरण, उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। साथ ही, बहुपक्षीय और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग को और मजबूत करने के बारे में भी विचारों का आदान-प्रदान किया।'

'आपके उत्साह बढ़ाने वाले शब्द कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करेंगे', पीएम मोदी से मिलने के बाद बोलीं मीराबाई चानू

एजेंसी ■

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में देश के लिए मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खास मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने भारतीय महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मीराबाई ने उनके प्रति आभार प्रकट किया है।

मीराबाई ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'प्रधानमंत्री, हमारी इस यात्रा में आपके लगातार सहयोग और प्रोत्साहन के लिए आपका धन्यवाद। रविवार को हुई हमारी खास बातचीत के दौरान हर पदक विजेता के लिए आपके उत्साह बढ़ाने वाले शब्द निश्चित रूप से हमें आने वाली प्रतियोगिताओं में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करेंगे।'

रविवार को प्रधानमंत्री ने अपने आवास पर हुई मुलाकात के दौरान मीराबाई से उनके रोने के कारण पूछते हुए कहा, 'इतने आंसू टपक रहे थे कि मुझे लगता है कि हर आंसू के बूंद से गोल्ड मेडल टपक रहा हो।'

इस पर मीराबाई ने बताया कि वह पेरिस ओलंपिक में मेडल न पाने से काफी निराश हुई थीं और पिछले 4 वर्षों में उन्होंने काफी कुछ सहा है।

भारतीय वेटलिफ्टर ने कहा, 'मैं उस दिन बहुत खुश और भावुक थी। मैं गोल्ड मेडल जीतने के बाद उस दिन इसलिए रोई थी, क्योंकि पेरिस ओलंपिक में मेरा मेडल सिर्फ एक किलो से रह गया था। एक खिलाड़ी के तौर पर आपको बहुत चीजों का सामना करना पड़ता है। इन चार वर्षों के अंदर मैंने काफी चीजों का सामना किया था। हर समय इंजरी ही चल रही थी और परिवार में भी समस्याएं हो रही थीं। मैंने इन 4 वर्षों में बहुत चीजों का सामना किया था। इसी कारण जब मैं पोडियम पर खड़ी थी और जब हमारा नेशनल एंथम बजा, तो मैं खुद को रोक नहीं सकी। देश का झंडा ऊपर देखकर हमारे अपने आप ही आंसू निकल आते हैं।'

मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 48 किलोग्राम वर्ग में 190 किलो का भार उठाते हुए देश को गोल्ड मेडल दिलाया। वह लगातार तीन कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली दुनिया की पहली वेटलिफ्टर बनीं।

वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप: तीन मेडल के साथ भारत ने किया टूर्नामेंट का अंत

हाई जंप में सातवें स्थान पर रहीं पूजा

विश्व केसरी ■

यूजीन । वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में भारत का अभियान तीन मेडल के साथ खत्म हुआ। नेशनल सीनियर रिकॉर्ड होल्डर पूजा सिंह का प्रदर्शन महिलाओं की हाई जंप फाइनल में निराशाजनक रहा और वह सातवें स्थान पर रहीं।

19 साल की पूजा इस साल की शुरुआत में 1.93 मीटर का नेशनल सीनियर रिकॉर्ड बनाने के बाद इस प्रतियोगिता में एक मजबूत दावेदार के तौर पर उतरी थीं। हालांकि, फाइनल में वह केवल 1.84 मीटर ही पार कर सकीं। इसके बाद वह 1.87 मीटर की ऊंचाई पार करने की तीनों कोशिशों में नाकाम रहीं और प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

ऑस्ट्रेलिया की इजोबेल लुइसन-रो ने 1.92 मीटर की ऊंचाई पार करके गोल्ड मेडल जीता। हंगरी की लिलियाना बाटोरी और स्पेन की एताना अलोंसो ने क्रमशः सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया। इस सीजन की शुरुआत में पूजा का प्रदर्शन शानदार रहा था। उन्होंने मई में एशियन अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1.93 मीटर का रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता था। वह सीनियर एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मौजूदा चैंपियन भी हैं।

भारत की महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम को चुनौतियों का सामना करना पड़ा और वह फाइनल में 3:45.28 के समय के साथ आखिरी स्थान पर रही। भारतीय टीम में भूमिका नेहते, तहुरा खातून, तनु चौधरी और थिया अरुमुगम शामिल थीं। अमेरिका ने 3:29.15 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 3:31.39 के साथ सिल्वर और ग्रेट ब्रिटेन ने 3:32.08 के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारत ने चैंपियनशिप का समापन दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल के साथ किया, जो 2021 और 2022 के संस्करणों में जीते गए कुल मेडल की संख्या के बराबर है।

आशीष यादव ने पुरुषों की जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीतकर भारत को टूर्नामेंट का पहला मेडल दिलाया था।

वहीं, बसंत कुमार मेघवाल ने पुरुषों की हाई जंप में एक और सिल्वर मेडल जोड़ा, जबकि शाहनवाज खान ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

श्रीलंका के घर में कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड? आखिरी सीरीज में कोहली की कप्तानी में मिली थी धमाकेदार जीत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 15 अगस्त से होने जा रहा है। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। आइए आपको बताते हैं श्रीलंका की सरजमीं पर भारतीय टीम का रिकॉर्ड कैसा रहा है।

श्रीलंका की सरजमीं पर भारत ने अब तक कुल 24 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान टीम इंडिया को 9 मुकाबलों में जीत हासिल की है, जबकि 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। वही, 8 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम ने आखिरी बार श्रीलंका का दौरा साल 2017 में किया था। इस दौरे पर विराट कोहली की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा था। टीम इंडिया ने श्रीलंका का सूपड़ा साफ करते हुए सीरीज को 3-0 से अपने नाम किया था।

ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें, तो क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत और श्रीलंका की अब तक कुल 46 टेस्ट मैचों में भिड़ंत हुई है, जिसमें से 22 मुकाबलों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, श्रीलंका को सिर्फ 7 टेस्ट मुकाबलों में ही जीत नसीब हुई है। टेस्ट में भारत और श्रीलंका की आखिरी बार भिड़ंत 2022 में हुई थी, जहां रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम सीरीज को 2-0 से अपने नाम करने में सफल रही थी। यानी पिछले कुछ वर्षों में भारतीय टीम का टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ पूरी तरह से दबदबा रहा है। नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के कंधों पर इस दमदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

सीरीज की शुरुआत से पहले हुए तीन दिवसीय वॉर्मअप मैच में भारतीय टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा। टीम इंडिया ने श्रीलंका क्रिकेट इलेवन को 6 विकेट से हराया। बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, रवींद्र जडेजा और खुद कप्तान गिल अच्छी लय में दिखाई दिए। पडिक्कल ने पहली पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया और वह 142 रन बनाकर नाबाद रहे।

घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हटे यानिक सिनर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा।

इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका मानाा जा रहा है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका टूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा।

सिनर ने एक बयान में कहा, 'अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना ??होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं।'

सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अभी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें। 'सिनसिनाटी में न खेल पाने से मैं बहुत निराश हूं। मैं अगले साल वापसी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और अब मेरा ध्यान यूएस ओपन के लिए तैयार होने पर है।'

उनके हटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे।

इसके अलावा, उनका यह फैसला बताता है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा।

अब सिनर के पास साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।

एमवी नरसिम्हा राव: घरेलू क्रिकेट के दिग्गज, भारत के लिए खेले सिर्फ 4 टेस्ट, एमबीई से सम्मानित होने वाले इकलौते भारतीय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर एमवी बॉबजी नरसिम्हा राव का रिकॉर्ड घरेलू क्रिकेट में कमाल का रहा। इसके बावजूद उन्हें भारत की ओर से सिर्फ चार टेस्ट मैचों में ही देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। हालांकि, उन्होंने आयरलैंड में क्रिकेट को बढ़ावा देने जैसे सामुदायिक सेवा कार्यों के लिए एमबीई (मेंबर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एंपायर) से सम्मानित किया गया।

नरसिम्हा राव का जन्म 11 अगस्त, 1954 को हैदराबाद में हुआ। नरसिम्हा को शुरुआत से ही क्रिकेट के प्रति खास लगाव था और जल्द ही उन्होंने इस खेल में अपना करियर बनाने का फैसला किया। घरेलू क्रिकेट में नरसिम्हा का प्रदर्शन लाजवाब रहा। उन्होंने 108 फर्स्ट क्लास मैचों में खेली 146 पारियों में 40 की औसत से खेलते हुए 4,845 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान 9 शतक और 30 अर्धशतक भी लगाए। वहीं, गेंदबाजी में उन्होंने 28 की औसत से 245 विकेट निकाले। लिस्ट-ए क्रिकेट में खेले 18 मुकाबलों में उन्होंने 292 रन बनाए। साल 1987 में नरसिम्हा ने अपनी कप्तानी में हैदराबाद को रणजी ट्रॉफी का खिताब दिलाया।

मैं अपना रास्ता खुद बनाना चाहता हूं, वर्ल्ड चैंपियनशिप में डेब्यू करना मेरे लिए एक शानदार मौका: आयुष शेट्टी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपने डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह भारत के मशहूर खिलाड़ियों की उपलब्धियों से अपनी तुलना करने के बजाय अपनी शर्तों पर खेलना चाहते हैं। टूर्नामेंट के पहले राउंड में उनका सामना चीन के वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी शी यू क्यूई से होगा।

साल की शुरुआत में निंगबो में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उपविजेता के तौर पर चर्चा में आए 21 वर्षीय आयुष को वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपने डेब्यू पर ही एक बड़ी चुनौती का सामना करना होगा। शी ने कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप के फाइनल में शेट्टी को सीधे गेम में हराया था, लेकिन इस बार भारतीय खिलाड़ी ज्यादा अनुभव और घरेलू दर्शकों के समर्थन के साथ रीमैच में उतरेंगे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय स्टार्स की उपलब्धियां उनके लिए कोई बेंचमार्क तय करती हैं, तो शेट्टी ने कहा कि वे अपने से पहले आए खिलाड़ियों की नकल करने के बजाय अपने खुद के स्टैंडर्ड स्थापित करना पसंद करेंगे। आयुष ने आईएएनएस के साथ बात करते हुए कहा, 'मैं इसे बेंचमार्क के तौर पर नहीं देखता। मैं अपना रास्ता खुद बनाना चाहता हूं। अपना बेंचमार्क खुद तय करना चाहता हूं। मैं इस बात पर ध्यान नहीं दे रहा हूं कि दूसरों ने क्या किया है या खेल को क्या दिया है। वे खेल के दिग्गज हैं। मैं खुद पर अधिक ध्यान दे रहा हूं, बेहतर खेलते रहना चाहता हूं और मैच जीतना चाहता हूं। मैं इसे इसी तरह देखता हूं।

'मैं अगली पीढ़ी के लिए बेंचमार्क सेट करने के बारे में सोचकर दबाव नहीं लेना चाहता। मैं खेल का मजा लेना चाहता हूं। चूंकि यह घरेलू टूर्नामेंट है, इसलिए दबाव तो है ही, लेकिन भारत में वर्ल्ड चैंपियनशिप में डेब्यू करना मेरे लिए एक शानदार मौका है। मैं इसे सच में एक खास टूर्नामेंट मानता हूं।'

शेट्टी के नजरिए से परीक्षा शुरुआत से ही होगी, क्योंकि ड्रॉ में उन्हें शायद सबसे मुश्किल चुनौती मिली है। मौजूदा चैंपियन शी हाल पिछले कुछ हफ्तों में अपनी बेहतरीन फॉर्म में नहीं रहे हैं।

ब्रूक, ग्रीव्स और हसन आईसीसी 'मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड के लिए नामित

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान हैरी ब्रूक के साथ वेस्टइंडीज के सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स और बांग्लादेश के ओपनर तंजिद हसन को जुलाई 2026 के लिए 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड हेतु नामित किया गया है।

हैरी ब्रूक ने जुलाई माह में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में जबरदस्त खेल दिखाते हुए इंग्लैंड को भारत के विरुद्ध व्हाइट-बॉल सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 5 मुकाबलों की टी20 सीरीज में 114.50 की औसत के साथ सर्वाधिक 229 रन बनाए। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया।

दूसरी तरफ, ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स ने जुलाई माह के दौरान टेस्ट क्रिकेट में बल्ले के साथ गेंद से भी शानदार प्रदर्शन किया। 32 वर्षीय खिलाड़ी ने एंटीगुआ के नॉर्थ साउंड में श्रीलंका के विरुद्ध पहले टेस्ट में 180 रन बनाए। उनकी इस पारी की मदद से वेस्टइंडीज मैच ड्रॉ कराने और अंततः 1-0 से सीरीज जीतने में सफल रहा।

ग्रीव्स ने तारोबा में पाकिस्तान के विरुद्ध शानदार गेंदबाजी करते हुए मैच जिताऊ भूमिका निभाई थी। उन्होंने पहली पारी में 27 रन देकर 5 विकेट निकाले, जबकि दूसरी पारी में 12 रन देकर 2 विकेट हासिल करते हुए वेस्टइंडीज की जीत सुनिश्चित की। ग्रीव्स ने महीने का समापन 71.66 की औसत से 215 रन और दो टेस्ट मुकाबलों में 10.25 की औसत से 8 विकेट निकालकर किया। इसके साथ ही उन्होंने दो वनडे मैच भी खेले।

बांग्लादेशी सलामी बल्लेबाज तंजिद हसन के प्रदर्शन पर नजर डालें, तो वह जिम्बाब्वे के व्हाइट-बॉल दौरे पर बांग्लादेश के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज बनकर उभरे, जहां वनडे और टी20 दोनों सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

बाएं हाथ के इस ओपनर ने तीन वनडे मुकाबलों में 53 की औसत और 89.83 के स्ट्राइक रेट से 159 रन बनाए, और फिर टी20 सीरीज में 70 की औसत के साथ 140 रन जोड़े।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित संपादक : सुजीत कुमार (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251